ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 08 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-308

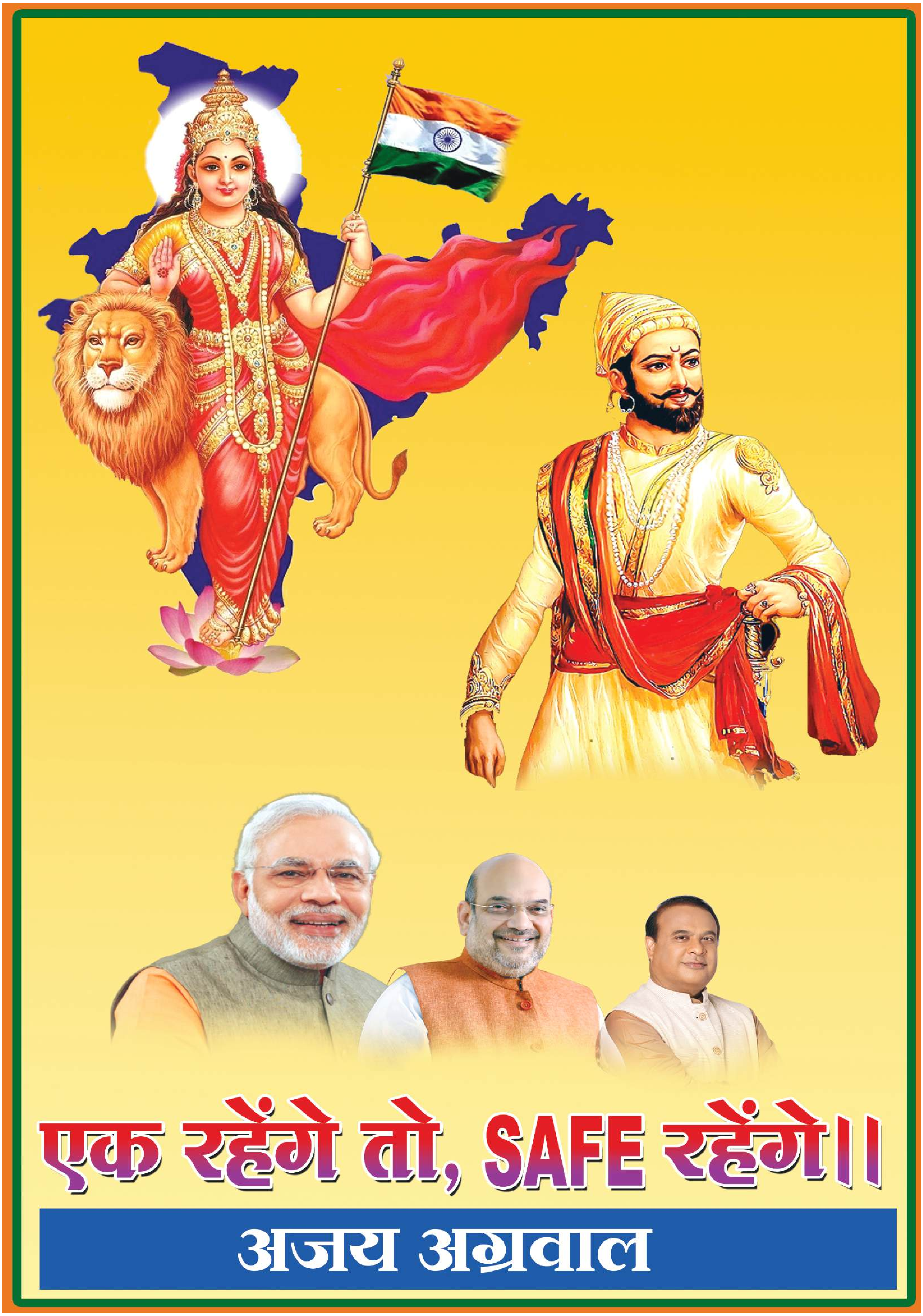

कर्नाटक सरकार की भागीदारी के बिना किसानों की जमीन को वक्फ में कैसे बदला गया: जगदंबिका पाल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने गुरुवार को पूछा कि कर्नाटक सरकार की भागीदारी के बिना किसानों, मठों और मंदिरों की जमीन को वक्फ संपत्ति में कैसे बदला गया। हुब्बल्ली में मीडिया के एक सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कर्नाटक में, किसानों, मंदिरों और मठों की प्राचीन संपत्तियों से संबंधित भूमि, जिनका रिकॉर्ड 500 से 1,000 साल पुराना है, को वक्फ संपत्ति घोषित किया जा रहा है। इसके अलावा, भूमि रजिस्ट्री और मालिकाना हक में बदलाव किए जा रहे हैं। पाल ने आगे कहा कि आधिकारिक राजस्व रिकॉर्ड मौजूद होने के बावजूद ऐसा हो रहा है। राज्य सरकार ने हाल ही में एक बयान जारी कर कहा है कि वह नोटिस वापस लेगी। हालांकि सरकार ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को किसानों को बेदखल न करने का निर्देश दिया है, लेकिन उन्होंने सवाल किया कि क्या इससे समस्या हल हो जाएगी। हुब्बल्ली, बीदर, गुलबर्गा और शिवमोग्गा जैसे जिलों में इस तरह के मुद्दे मौजूद हैं। 15,000 एकड़ और 1,000 एकड़ प्राचीन मठों और मंदिरों की संपत्तियों सहित भूमि के विशाल क्षेत्रों को वक्फ संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जा रहा है। पाल ने पूछा कि 1920 या 1930 से किसानों द्वारा खेती की जा रही भूमि को वक्फ संपत्ति में कैसे बदला जा सकता है। उन्होंने कहा यह एक गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमें पहले ही 70 से अधिक याचिकाएं मिल चुकी हैं और विधायकों ने भी

अपीलें पेश की हैं। इससे हजारों किसानों के प्रभावित होने की संभावना है। जेपीसी सदस्य और सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक में उत्पन्न मुद्दों पर जानकारी दी है। पाल ने कहा बिना किसी दस्तावेज के संपत्तियों को वक्फ संपत्ति के रूप में नामित किया जा रहा है। न्यायाधिकरण के फैसलों के बाद पीड़ितों ने अपनी संपत्ति खो दी।

यह एक गंभीर मुद्दा है, जिससे किसान संकट में हैं। उन्होंने कहा समिति ने इस मामले को लेकर देश के विभिन्न स्थानों का दौरा किया है। शुक्रवार को हम भुवनेश्वर, कोलकाता और कई अन्य क्षेत्रों का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। उन्होंने कहा हम व्यापक जानकारी जुटाने और विवरण को समझने के लिए सभी से मिल रहे हैं।

पिछले महीने कर्नाटक में यह गंभीर समस्या सामने आई है। हम इन सभी विवरणों को रिपोर्ट में शामिल करेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने स्पष्ट किया कि जेपीसी में समाजवादी पार्टी, डीएमके, कांग्रेस और ओवैसी की एआईएमएम पार्टी समेत विभिन्न दलों के सदस्य शामिल हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा किसानों, आम जनता, महिलाओं और यहां तक कि मुस्लिम व्यक्तियों ने भी यहां याचिकाएं दाखिल की हैं। इससे पहले जगदंबिका पाल ने गुरुवार सुबह वक्फ विवाद के बीच कर्नाटक का दौरा किया और कहा कि उत्तरी कर्नाटक के किसान दावा कर रहे हैं कि वक्फ बोर्ड उनकी जमीन पर दावा कर रहा है। जेपीसी का गठन इस साल संसद में पेश किए गए वक्फ संशोधन विधेयक की समीक्षा के लिए किया गया है। पाल ने कहा कि किसानों का कहना है कि वे लगभग 70 वर्षों से यहां रह रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वक्फ बोर्ड उनकी जमीन पर स्वामित्व का दावा कर रहा है। पाल ने कहा आपने देखा है कि उत्तरी कर्नाटक के किसान हवाई अड्डे पर हैं और उन्होंने एक ज्ञापन सौंपा है जिसमें कहा गया है कि (वक्फ) बोर्ड उनकी जमीन के एक टुकड़े पर दावा कर रहा है। मैंने पूछा है कि क्या उनके पास जमीन का दस्तावेज या जमीन के स्वामित्व का सबूत है। वे (किसान) दावा कर रहे हैं कि वे 50-70 साल से अधिक समय से यहां रह रहे हैं, लेकिन फिर भी बोर्ड (उनकी जमीन) पर दावा कर रहा है। मैं इसकी जांच करूंगा।

यह अधिकार किसने दिया?

उन्होंने कहा वक्फ बोर्ड जेपीसी के अध्यक्ष के रूप में मैं किसानों से मिलने हुब्बल्ली आया हूं। वे कह रहे हैं कि भूमि का वास्तविक मालिक होने के बावजूद (वक्फ) बोर्ड स्वामित्व का दावा कर रहा है। तेजस्वी सूर्या ने मुझे हुब्बल्ली और बीजापुर क्षेत्र का दौरा कर स्थिति की जानकारी लेने को कहा है। वक्फ बोर्ड उन स्थानों पर भी दावा कर रहा है, जहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित ऐतिहासिक स्मारक हैं। हम जांच करेंगे और एक रिपोर्ट तैयार करेंगे। हम यहां तथ्य-खोज के लिए आए हैं। इस बीच, कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने गुरुवार को जेपीसी अध्यक्ष पाल पर निशाना साधा और उन पर किसानों से मिलने के लिए कर्नाटक जाने का एकतरफा निर्णय लेकर संसदीय लोकतंत्र के हित में काम नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जेपीसी की पूरी टीम को वहां का दौरा करना चाहिए। जावेद ने कहा पूरी जेपीसी टीम को वहां जाना चाहिए। उन्हें (जेपीसी अध्यक्ष पाल) यह अधिकार किसने दिया? यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह एकतरफा और राजनीतिक निर्णय लेना उचित नहीं है, खासकर तब जब कर्नाटक सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जमीन उनके पास ही रहेगी। इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना उचित नहीं है। जेपीसी अध्यक्ष की कार्रवाई संसदीय लोकतंत्र के हित में नहीं है। इससे पहले, कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने बुधवार को कहा कि वक्फ संपत्तियों को लेकर चल रहे विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजनीतिक नाटक कर रही है। पाटिल ने कहा मुझे जो पता चला है, वह यह है कि जेपीसी समिति के अध्यक्ष विजयपुरा का दौरा कर रहे हैं। उन्हें आने दीजिए। डिप्टी कमिश्नर सभी आवश्यक जानकारी प्रदान करेंगे। भाजपा केवल एक राजनीतिक नाटक करने का प्रयास कर रही है।

खागा ने मनाया कन्नड़ राज्योत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन ने मामूलपेट स्थित सरकारी स्कूल के पास कन्नड़ राज्योत्सव के तहत ध्वजारोहण किया।

कन्नड़ नाड गीतों के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी का स्वागत किया एवं सभी सदस्यों को कन्नड़ भाषा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने को कहा। सचिव कैलाश बालर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, नरपतसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा, जोगसिह पुरोहित, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, दिलीप जैन, डूंगरमल चौपड़ा, सामाजिक कार्यकर्ता श्रवण एवं रंजीत जैन सहित कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद थे। कार्यक्रम के पश्चात अन्नदान का आयोजन किया गया।

मोह का जाल अत्यन्त भयंकर: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमंत नगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने कहा कि संसार एक ऐसा मायाजाल हैं जिसमें उलझना बहुत सहज है, मगर उसे सुलझा पाना अति कठिन कार्य है।

मोह के जाल अत्यन्त भयंकर होते हैं। कई-कई बार तो त्यागी आत्माएं भी इस मोह के जाल में फंस जाती है। संसार में मात्र एक धर्म ही है जो संसार रुपी समुद्र में डूबते हुए जीव की रक्षा के लिये नाव रूप बनता है। संसार में यदि कोई सच्चा शरणभूत है तो वो है धर्म।

माता मरुदेवी के अपने पुत्र तीर्थंकर परमात्मा श्री आदिनाथ के प्रति रहा वात्सल्यता के भावों से भरा मोह-ममत्व के भावपूर्ण कथानक पर रोशनी डालते हुए कहा कि यह क्षणिक मोह में भी जीवात्मा के मुक्ति में बाधक हैं। संसार के रिश्ते, परिवार जन, धन, बन्धुजन व स्वजन अशुभ कर्मी के फल भोग के समय साथ नहीं निभाते है। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

शिवमोग्गा के एसपी ने बैंक अधिकारियों से मुलाकात की

बैंकों और एटीएम कियोस्क में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोग्गा के पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार ने बैंक अधिकारियों को कीमती सामान की चोरी से बचने के लिए बैंकों और एटीएम कियोस्क में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का सुझाव दिया है। उन्होंने सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए 15 दिन की समयसीमा दी है और कहा है कि उनके अधिकारी बाद में यह जांचने के लिए आएंगे कि बैंकों ने निर्देशों का पालन किया है या नहीं। शिवमोग्गा में गुरुवार को बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में मिथुन कुमार ने कहा कि बैंकों में सुरक्षा और अलार्म सिस्टम की कमी के कारण हाल के दिनों में चोरी की घटनाएं हुई हैं। दावणगेरे जिले के न्यामथी में एक बैंक से कई करोड़ रुपये मूल्य के सोने की चोरी का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा कि अगर संबंधित अधिकारियों ने एहतियाती कदम उठाए होते तो चोरी की घटना को टाला जा सकता था। शिवमोग्गा में बैंक शाखाओं के दौरे के दौरान एसपी ने कहा कि उनके अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था में खामियां देखी हैं। कुछ शाखाओं में खिड़कियां इतनी कमजोर हैं कि बदमाश उन्हें आसानी से तोड़कर अंदर घुस सकते हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बैंक प्रबंधकों की लापरवाही के कारण कोई चोरी का मामला सामने आता है तो उन्हें भी मामले में आरोपी बनाया जाएगा। एसपी ने निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी पुरानी अलार्म प्रणाली को बदलें।

उन्होंने कहा बैंकों में मोशन सेंसर लॉकर और प्रभावी सायरन सिस्टम होना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति क्षेत्र में प्रवेश करता है तो संबंधित अधिकारियों को अलर्ट मिल जाना चाहिए। केवल सीसीटीवी कैमरे लगाना ही पर्याप्त नहीं है। अधिकारियों को स्टोरेज सिस्टम (डीवीआर) को इस तरह से रखना चाहिए कि यह किसी बाहरी व्यक्ति की नजर में न आए। अन्यथा, चोर आसानी से कीमती सामान के साथ सबूत भी ले जा सकते हैं। मिथुन कुमार ने अधिकारियों से बैंकों और एटीएम कियोस्क की सुरक्षा के लिए प्रमाणित एजेंसियों से गार्ड नियुक्त करने को कहा। उन्होंने कहा अगर कुछ छोटी शाखाएं सुरक्षा गार्ड नियुक्त नहीं कर सकती हैं, तो अधिकारी उन्नत निगरानी प्रणाली स्थापित कर सकते हैं। हम अपने रात्रि पुलिस कर्मियों को नियमित रूप से बैंकों का दौरा करने पर जोर देकर भी हाथ मिलाएंगे। बैठक में अतिरिक्त एसपी अनिल कुमार भूमरेड्डी और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

शिवकुमार ने वक्फ मुद्दे पर जेपीसी अध्यक्ष के हुब्बल्ली दौरे को बताया राजनीतिक नाटक

शिग्गांव-सवानूर विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर किया प्रचार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के राज्य दौरे को ड्रामा कंपनी और राजनीति से प्रेरित दौरा करार दिया। उनका ध्यान राज्य में आगामी विधानसभा उपचुनावों और पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में होने वाले चुनावों पर है। जेपीसी अध्यक्ष पर राजनीतिक प्रचार में शामिल होने का आरोप लगाते हुए शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि यह संयुक्त संसदीय समिति का दौरा नहीं है, क्योंकि केवल भाजपा के सदस्य आए हैं और राजनीति कर रहे हैं। पाल हुब्बल्ली, विजयपुरा और बेलगावी का दौरा कर रहे हैं, जिसके दौरान वे राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा उनकी भूमि पर दावा किए जाने के संबंध में किसानों और विभिन्न संगठनों के सदस्यों से मिलेंगे। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद और जेपीसी सदस्य तेजस्वी सूर्या उनके साथ हैं। यह एक ड्रामा कंपनी है। जेपीसी का मतलब है कि सभी सदस्यों को आना होगा, साथ ही सरकारों और अधिकारियों को भी सूचित करना होगा। केवल अध्यक्ष ही आए हैं। शिवकुमार ने कहा वह एक अन्य सांसद के साथ पार्टी के काम से आए हैं।

यहां संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा क्या बोम्मई (सांसद और पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई) जेपीसी के सदस्य हैं या वी सोमन्ना सदस्य हैं? सोमन्ना केंद्रीय मंत्री हैं, वह जेपीसी का हिस्सा नहीं हो सकते। वह (अध्यक्ष) आवेदन लेकर आए हैं और राजनीतिक प्रचार कर रहे हैं। बोम्मई और सोमन्ना दोनों ने दिन में पाल से मुलाकात की थी।

शिवकुमार ने कहा कि बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दौरान ही नोटिस जारी किए गए और रिकॉर्ड में संशोधन किया

गया। किसानों की जमीन छीनने या उन्हें बेदखल करने का कोई सवाल ही नहीं है। हम (कांग्रेस सरकार) किसानों को बचाएंगे। कुछ तकनीकी कारणों से कुछ अधिकारियों ने कुछ गलत किया होगा, हमारी सरकार उन्हें सही करेगी और किसानों को बचाएगी। यह कोई संयुक्त संसदीय समिति नहीं है जो आई है, भाजपा के सदस्य वहां आए हैं, वे राजनीति कर रहे हैं, उन्हें राजनीति करने दें। वे माहौल खराब कर रहे हैं, वे नहीं चाहते कि लोग शांति से रहें, इसलिए वे चुनाव के समय समस्या पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लोग समझदार हैं, लोग उन्हें सही जवाब देंगे। कर्नाटक सरकार प्रतिबद्ध है, हम राज्य के किसानों की रक्षा करने जा रहे हैं।

इससे पहले शिवकुमार ने शिग्गांव-सवानूर विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर ढुंडाशी में आयोजित रोड शो और खुली प्रचार बैठक में भाग लिया और कांग्रेस उम्मीदवार यासिरखान पठान के लिए वोट मांगे। देश को आजादी दिलाने वाली कांग्रेस कर्नाटक में शांति के दिन लेकर आई। इस क्षेत्र में कांग्रेस की जीत विकास की अग्रदूत साबित होगी। कन्नड़ लोगों की आवाज बनकर कांग्रेस सरकार एक सुरक्षित देश का निर्माण कर रही है। कांग्रेस की गारंटी ने लोगों पर मूल्य वृद्धि का बोझ कम कर दिया है। कांग्रेस देश के महान भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और सभी से कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने का अनुरोध किया।

गुणानुवाद सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा भवन विजयनगर में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्ध प्रभा जी के सानिध्य में संथारा साधिका स्वर्गीय कमला देवी सुराणा की गुणानुवाद सभा आयोजित की गई।

गुरुदेव की आज्ञा से साध्वी सिद्धप्रभा जी ने तिविहार संथारे का प्रत्याख्यान पारिवारिक एवं तेरापंथ की संघीय संस्थाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति में करवाया। गुणानुवाद सभा में साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी ने श्रावक के तीन मनोरथ में संलेखना संथारा को विशेष बताया और कहा कि बेंगलूरु में इस बार तीन संथारे का प्रत्याख्यान करवाया और तीनों संथारे के अंत समय में साध्वी वृन्द की उपस्थिति रही। सभा में साध्वी मलययशा, साध्वी आस्थाप्रभा, साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने गीतिका का संगान किया। गुणानुवाद सभा में युवक परिषद् अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभा, तेयुप, महिलामंडल की ओर से भावांजलि अर्पित की। पारिवारिक जनों एवं सुनीता नाहटा ने गीतिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन एवं गुरुदेव द्वारा प्राप्त पत्र का वाचन सुशील चौरड़िया ने किया। कार्यक्रम का समापन साध्वी द्वारा मंगल पाठ से किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आरटी नगर एचएमटी ग्राउंड में सूरज को अर्घ्य देते हुए श्रद्धालु।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु नवयुवक मंगल दल समिति, दासरहल्ली हेब्बाल द्वारा राचनहल्ली लेक में आयोजित लोक आस्था के पर्व छठ में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। छठ व्रती, कष्टी एवं श्रद्धालुओं की श्रद्धा को देख लगा कि उत्तर-पूर्व इसी लेक के इर्द-गिर्द समाहित है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति संरक्षक -उदय सिंह, हीरालाल मंडल, अध्यक्ष-शत्रुघन सिंह, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पंडित, समिति सदस्य दीनदयाल, राजु मौर्य, सिकंदर पाल, कुमार झा, श्याम देवी, सिंधु सिंह, प्रशांत कुमार आदि कार्यकर्ताओं का सहयोग रहा।

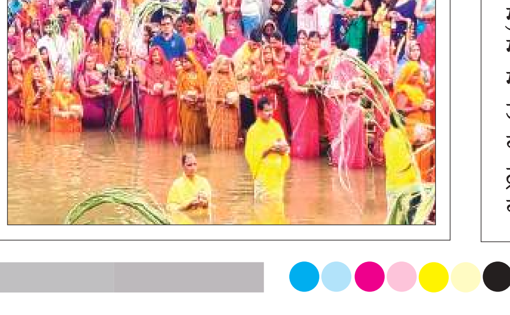

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटका रक्षणा वैदिके एवं आपत बांधव चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में चंद्रा लेआउट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रक्तदाताओं में प्रमाण पत्र वितरित किए। युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया। एकत्रित रक्त का संग्रहण लॉयंस ब्लड बैंक ने किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रसाद शेट्टी ने अतिथियों को सम्मानित किया।

ಶುಭ್ ಲಾಭ್
शुभ लाभ
DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 08 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-308

हिंदू सम्राट हेमचंद्र की समाधि का ओमप्रकाश चौटाला ने किया था सौदा

हिंदू राज कायम करने वाले वीर की समाधि पर वक्फ बोर्ड का दावा!

शुभ-लाभ चिंता

मुगलों को रौंद कर दिल्ली में हिंदू राज स्थापित करने वाले वीर योद्धा हेमचंद्र उर्फ हेमू की समाधि पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा पेश किया है। वक्फ बोर्ड का कहना है कि हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने समाधि के साथ-साथ उसकी 10 एकड़ जमीन वक्फ बोर्ड को दे दी थी। तबसे यह वक्फ बोर्ड के कब्जे में है और हिंदू सम्राट की समाधि पर दरगाह बना दी गई है। चौटाला ने मुसलमानों का वोट पाने के लिए ओमप्रकाश चौटाला ने पुरातात्विक महत्व के इस ऐतिहासिक स्थल का आपराधिक सौदा किया था। जबकि यह पौराणिक स्थल भारत सरकार के पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अधीन था। हेमू की समाधि की वक्फ बोर्ड को की गई गैरकानूनी सुपुर्दगी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और समाधि को वक्फ बोर्ड के कब्जे से मुक्त कराने की पहल शुरू हुई है।

मुगलों को रौंदने वाले वीर हिंदू सम्राट हेमू की समाधि पर बना दी दरगाह

ऐतिहासिक तथ्य है कि हरियाणा के पानीपत में जहां हेमू का सिर काटा गया था, वहां उनकी समाधि बनाई गई थी। सौदापुर गांव में स्थित हेमू की यह समाधि सदियों तक उपेक्षित रही। सन 1990 तक यह जगह भारतीय पुरातत्व विभाग (एए-सआई) के पास थी। सन 1990 में हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने समाधि और उसकी जमीन वक्फ बोर्ड को दे दी। उसे कब्जे में लेकर मुसलमानों ने वहां दरगाह बना दी। जिस जगह सम्राट हेमू की समाधि है, वह पूरा क्षेत्र 10 एकड़ का है। चौटाला ने उन सारी जमीनों को वक्फ को दे दिया। उस समय हरियाणा वक्फ बोर्ड के चेयरमैन मेवात क्षेत्र के एक मुस्लिम विधायक थे। उस विधायक पर कुछ लोगों से पैसे लेकर सम्राट हेमचंद्र की समाधि पर अतिक्रमण की अनुमति देने के आरोप लगे थे।

भारत की धरती वीरों की जननी है। इन्हीं में से एक महावीर थे हेमू। उन्हें हेमचंद्र विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। विक्रमादित्य एक उपाधि है, जिसे देश के हिंदू शासक धारण करते आए हैं। ▶10 पर

घातक हैं वक्फ बोर्ड की अराजक शक्तियां : माकपा

तिरुअनंतपुरम, 07 नवंबर (एजेंसियां)। केरल की सत्ताधारी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने वक्फ बोर्ड की अराजक असीमित शक्तियों को देश के लिए अत्यंत घातक बताया है। केरल के माकपा विधायक एन उन्नीकृष्णन ने कहा कि वक्फ बोर्ड की सबसे बड़ी खामी उसकी असीमित शक्तियां हैं, जो उसे अराजक बना रही हैं। मौजूदा वक्फ कानून उसे किसी भी जमीन पर अपनी मर्जी से अधिकार करने की ताकत प्रदान कर रहा है।उन्नीकृष्णन ने कोच्चि स्थित मुनंबम गांव पर वक्फ बोर्ड द्वारा मनमाने तरीके से दावा ठोके जाने का भी संदर्भ लिया और कहा कि वक्फ बोर्ड ने वर्ष 2019 में ही मुनंबम की 404 एकड़ से अधिक की जमीन अपने नाम पर रजिस्टर करा ली थी। ▶10 पर

370 बहाल करने की मांग वाला बैनर लहराने पर विधानसभा में बवाल

जम्मू कश्मीर को फिर अराजकता में झोंकने का सियासी हथकंडा

जम्मू, 07 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के दबाव में जम्मू कश्मीर में कराए गए विधानसभा चुनाव का नकारात्मक परिणाम सामने दिख रहा है। अनुच्छेद 370 की वापसी संसद के निर्णय से हुआ है, लेकिन जम्मू कश्मीर की निर्वाचित सरकार 370 की पुनर्वापसी का प्रस्ताव पारित कर इसी लोकतंत्र की शीर्ष संवैधानिक पीठ का अपमान कर रही है। स्पष्ट है कि जम्मू कश्मीर को फिर से अराजकता में झोंकने का सियासी हथकंडा इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें विधानसभा का चुनाव कारगर जरिया बना है। प्रदेश की विधानसभा में दो दिन से जो अराजकता का सृजन हुआ है, वह सुप्रीम कोर्ट भी देख ही रहा होगा, लेकिन वह चुप है, क्योंकि यह अराजकता जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक सक्रियता (ज्यूडिशियल एक्टिविज्म) वाली जिद का ही नतीजा है। जम्मू कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा वापस करने की मांग को लेकर विधानसभा में कल पारित हुए प्रस्ताव पर आज विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ और विधायकों के बीच मारपीट तक हुई। आतंकवादी फंडिंग के आरोप में जेल में बंद इंजीनियर राशिद के भाई विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने विधानसभा के अंदर अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग का बैनर लहराना शुरू किया तब जाकर ▶10 पर

- पक्ष-विपक्ष के विधायकों में हुई भिड़ंत और हाथापाई, कई जख्मी
- प्रस्ताव के खिलाफ गोरखा समुदाय ने किया प्रदर्शन, फूंके पुतले
- जिद पर चुनाव कराने वाला सुप्रीम कोर्ट अराजकता पर चुप क्यों?
- फिर अलोकतांत्रिक माहौल पैदा करने लगी लोकतांत्रिक सरकार

अब जम्मू कश्मीर में 370 की वापसी कभी नहीं होगी

जम्मू, 07 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 को हुए बवाल पर भाजपा ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए स्पष्ट किया कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं होगी। भाजपा ने कहा कि आज विधानसभा में संविधान का गला घोंटा गया है। भाजपा ने दावा किया कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। ▶10 पर

जूना अखाड़ा परिषद की नायाब पहल

महाकुंभ में 370 दलित बनेंगे महामंडलेश्वर और पीठाधीश

दलित मडलेश्वरों व पीठाधीश्वरों का होगा पट्टाभिषेक, मिलेगी पदवी

देश और दुनिया के सनातनधर्मियों ने इस पहल को बताया अभूतपूर्व

प्रयागराज, 07 नवंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ में जूना अखाड़े में 370 दलित महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत और पीठाधीश्वर बनाए जाएंगे। इनकी सूची तैयार कर ली गई है। संगम की रेती पर अखाड़े की धर्म ध्वजा के नीचे महाकुंभ में इन दलित संतों का पट्टाभिषेक होगा और फिर सनातन धर्म के प्रचार के लिए जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। सनातन धर्म-संस्कृति के संरक्षण और प्रचार के लिए जूना अखाड़ा वंचित-कमजोर वर्ग के संतों को महाकुंभ में एकजुट करने के साथ ही उन्हें बड़े पदों पर आसीन कराएगा। अखाड़ा परिषद के महामंत्री और जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि के नेतृत्व में इसकी जिम्मेदारी जूनागढ़ के जगद्गुरु गुजरात पीठाधीश्वर महेंद्रानंद गिरि को सौंपी गई है। ▶10 पर

महत्वपूर्ण मंदिरों और मठों के पुजारी हैं दलित

प्रयागराज, 07 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2025 में होने वाले महाकुंभ में 370 दलितों को पीठाधीश बनाए जाने के निर्णय को देश दुनिया के सनातनधर्मी स्वागतपूर्ण कदम बता रहे हैं। कई विद्वानों ने कहा कि इसके पूर्व भी देश के महत्वपूर्ण मंदिरों और मठों में पुजारी और पीठाधीश के पद पर दलित आसीन होते रहे हैं। केरल में त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड ने छह दलितों को आधिकारिक तौर पर पुजारी नियुक्त किया था। इसी तरह बिहारी की राजधानी पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर में दलित पुजारी नियुक्त किए गए थे। विश्व हिंदू परिषद ने देशभर में पांच हजार दलितों को पुजारी बनाने का सफल अभियान चलाया था। ▶10 पर

राहुल गांधी की नागरिकता की जांच कर रही है सीबीआई

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता की सीबीआई जांच शुरू हो गई है। दिल्ली हाईकोर्ट को इस बारे में जानकारी दी गई है। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर रखी है, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। स्वामी ने अपनी याचिका में केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देश देने की मांग की है कि राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने का निर्णय ले। इसी सिलसिले में कर्नाटक के एस विग्नेश शिशिर द्वारा दाखिल की गई याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि वह नहीं चाहते कि कोई विरोधाभासी आदेश पारित किया जाए।

चित्रकूट में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत

सनातन धर्म की बाधाएं दूर करने के लिए संघ डंडा लेकर तैयार

चित्रकूट, 07 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि कुछ लोग निहित स्वार्थ के चलते उभरते भारत को दबाने की कोशिश रहे हैं। सत्य भारत है जो कभी दबता नहीं है। यह हर संकट से उबर कर आगे बढ़ता रहेगा। सनातन और संतों के काम में आने वाली बाधाओं को संघ स्वयंसेवक डंडा लेकर दूर करेंगे।

धर्मनगरी के दास हनुमान मंदिर परिसर में चल रहे युग तुलसी पं. रामकिंकर उपाध्याय की जन्मशताब्दी कार्यक्रम में बुधवार को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने देश की वर्तमान स्थिति को लेकर देश विरोधी ताकतों पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कठोर परिश्रम के बाद देश का निर्माण हुआ है। विश्व में चल रहे युद्ध में धर्म की ही जीत होगी। धर्म और सत्य की ताकत के आगे अधर्म को हार का सामना करना पड़ेगा। हर हिंदू के लिए आगे बढ़ने के लिए रामायण और महाभारत प्रेरणा है। हर हिंदू देश निर्माण में अपना धर्म निभाए। उन्होंने कहा कि तमाम ताकतें अयोध्या में राम मंदिर बनने में अड़ंगा लगा रही थीं, लेकिन भगवान की ताकत के आगे कोई नहीं है। साढ़े पांच सौ साल बाद आखिरकार सत्य और धर्म की जीत हुई। अब हर मन में अयोध्या बनाना है। ▶10 पर

स्वार्थी तत्व उभरते भारत को दबाने की कोशिश कर रहे

भाजपा और संघ के समन्वय से चुना जाएगा राष्ट्रीय अध्यक्ष

चित्रकूट, 07 नवंबर (एजेंसियां)। महाकौशल प्रांत के वर्ग में भाजपा और संघ के बीच समन्वय बनाकर कार्य करने का संदेश पदाधिकारियों ने दिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने में संघ की भूमिका सहित भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में होने वाले व्यापक बदलाव को लेकर भी चर्चा की गई। भाजपा में संगठन मंत्री के रूप में काम करने वाले संघ के पदाधिकारियों के स्थान में नए संगठन मंत्री बनाने पर भी विचार किया गया। हालांकि इन बातों को सार्वजनिक नहीं किया गया। ▶10 पर

डोनाल्ड ट्रंप को शेख हसीना ने दी बधाई

प्रधानमंत्री के तौर पर बांग्लादेश वापसी की उम्मीद

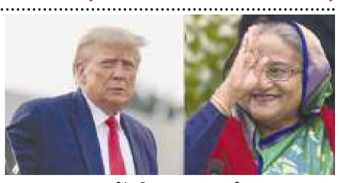

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। तख्तापलट के कारण बांग्लादेश से भारत में शरण लेने वाली बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमेरिकी चुनाव में विजय पर डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई दी है। उन्होंने अपनी पार्टी बांग्लादेश आवामी लीग के माध्यम से ट्रम्प को बधाई संदेश भेजा है और भविष्य में उनके साथ काम करने की आशा जताई है।

बुधवार 6 नवंबर को एक प्रेस रिलीज के माध्यम से शेख हसीना की यह बधाई सामने आई है। गौर करने वाली बात यह है कि इस पत्र में शेख हसीना को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बताया गया है। इसका अर्थ है कि अपने आप को पूर्व नहीं बल्कि वर्तमान प्रधानमंत्री मानती हैं और उन्होंने कभी इस्तीफा नहीं दिया था।

शेख हसीना ने प्रधानमंत्री के रूप में डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया ट्रम्प के साथ अपनी कई मुलाकातों और बातचीत को याद किया।

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,541.79
-836.34 -1.04% ↓
एनएसई :24,199.35
-284.70 (-1.16%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 22^0

दुर्घटना के बाद फिर से ताजा हुई मिग-29 की भारत यात्रा

समंदर के रास्ते 37 साल पहले लाए गए थे रूसी बाज

आगरा, 07 नवंबर (एजेंसियां)। आदमपुर एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरकर आगरा में दुर्घटनाग्रस्त हुआ मिग-29 विमान 37 साल पुराना है। रूस से 37 साल पहले 4 जनवरी 1987 को समुद्र के रास्ते पानी के जहाज से मिग-29 यानी बाज को भारत लाया गया था। इन्हें मुंबई बंदरगाह पर उतारा गया। रूस में तैयार किए गए 40 विमानों के कलपुर्जों को खोलकर समुद्री जहाज से लाया गया, जिन्हें नासिक की हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड में फिर से तैयार किया गया था।

पाकिस्तान के पास मौजूद अमेरिकी एफ-16 विमानों के मुकाबले के लिए खरीदे गए रूसी बाज मिग-29 को 37 साल पहले ही भारतीय वायुसेना ने अपने बेड़े में शामिल किया था। समुद्री मार्ग से लाने के बाद इन्हें रूस से आए 6 इंजीनियरों ने नासिक की एचएएल फैक्टरी में जोड़ा और रूस के 8 लड़ाकू विमान पायलटों ने इनका परीक्षण किया। 4 मई 1987 तक मिग-29 विमानों के दो स्क्वाड्रन मिल गए थे। इन विमानों का 7 माह तक परीक्षण चला। रूस से हुई डील के तहत 45 विमान रूस से आने थे, जबकि 135 मिग-29 विमान एचएएल की नासिक फैक्टरी में तैयार किए जाने थे।

सात माह के परीक्षण के बाद रूसी बाज मिग-29 विमानों को पुणे में हुए एक कार्यक्रम में 6 दिसंबर 1987 को भारतीय वायुसेना का हिस्सा बनाया गया। तत्कालीन रक्षामंत्री केसी पंत ने इनकी पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई थी। एक माह बाद 8 जनवरी 1988 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी मिग-29 विमानों के कॉकपिट में जाकर मिग-29 के पायलट और वीर चक्र विजेता विंग कमांडर हरीश सामंद से इन विमानों की तकनीकी खूबियों के बारे में जानकारी की थी। वायुसेना ने मिग-29 की दो स्क्वाड्रन तैयार कीं। 28 वीं और 47 वीं स्क्वाड्रन मिग-29 विमान के लिए जानी गईं।

भारत ऐसा पहला देश, जिसे सबसे पहले मिले थे मिग-29

अमेरिका के एफ-16 फाइटर जेट का मुकाबला करने के लिए रूस ने दो इंजन वाले अत्याधुनिक मिग-29 विमानों का निर्माण किया था। भारत पहला ऐसा देश था, जिसे यह सबसे पहले दिया गया। भारत सरकार ने रूस से 45 मिग-29 विमानों की खरीद का फैसला 1986 में किया था। मिग-21 विमानों के लगातार हादसों के बाद सरकार ने मिग-29 की खरीद को अंतिम रूप दिया था। इन्हें 4 जनवरी 1987 को भारत में अर्धविकसित स्थिति में लाया गया। मिग-29 विमान तय समय से चार माह पहले ही भारत को सौंप दिए गए थे। रूस से वार्सा संधि संगठन वाले देशों को भी तब मिग-29 विमान नहीं दिए थे।रूस से मिग-29 विमान 1987 में ही मिल गए, लेकिन इनके लिए पूरी तरह से स्वदेशी ईंधन को 5 साल बाद 1992 में तैयार किया जा सका। भारतीय तेल निगम की हल्दिया रिफाइनरी में मिग-29 विमानों के लिए ईंधन तैयार किया गया। दो इंजन वाले अत्याधुनिक मिग-29 विमानों में 9 हथियार लगाने की जगह थी, जिनमें 6 ए-10 मिसाइल, दो मिसाइल विंग के नीचे और इंजन एयर डक्ट के नीचे एक लगाने की व्यवस्था थी। स्क्वाड्रन लीडर (रि) एके सिंह के मुताबिक 37 साल पहले मिग-29 विमान अमेरिकी एफ-16 फाइटर जेट के मुकाबले के लिए लाए गए थे। यह कई मायनों में एफ-16 से बेहतर और शानदार विमान है।

कार्टून कॉर्नर

जनता से वादा किया, पूरा किया, कोई धोखा नहीं

भाजपा अपने झूठे अभियान से लोगों को गुमराह कर रही: सीएम

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कांग्रेस की गारंटियों का मजाक उड़ाने वाले महाराष्ट्र भाजपा के विज्ञापन अभियान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सुद्धरामैया ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार ने वादा दिया, पूरा किया और कहा कि भाजपा अपने झूठे अभियान से लोगों को गुमराह कर रही है। संदूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ की फैक्ट्री है और उसने पिछले दस सालों में कर्नाटक या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोगों से किए गए अपने वादों को पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा हमने अपने सभी चुनावी वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा झूठा दावा कर रही है कि गारंटी में किए गए वादे के अनुसार महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा प्रदान नहीं की जाती है। कर्नाटक में महिलाएं पूरे राज्य में सभी सरकारी बसों में मुफ्त बस यात्रा का लाभ उठा रही हैं।

गृहलक्ष्मी के तहत हर महीने महिलाओं के बैंक खातों में 2,000 रुपये जमा किए जाते हैं, जिसका लाभ महिलाओं को मिल रहा है।

गृहज्योति गारंटी के तहत सभी घरों में 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलती है। बेरोजगार स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को मासिक भत्ता दिया जाता है। झूठे और फर्जी दावों वाले विज्ञापनों पर करोड़ों रुपये खर्च करने के लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए सिद्धरामैया ने भाजपा से पूछा कि वह बताए कि लोगों के बैंक खातों में 15 लाख रुपये जमा करने, किसानों की आय दोगुनी करने, सालाना 2 करोड़ नौकरियां पैदा करने और अन्य वादों का क्या हुआ। उन्होंने पूछा अच्छे दिन लाने के मोदी के वादे का क्या हुआ?

भाजपा से जवाब मांगा कि 2014 में 54 लाख करोड़ रुपये का कर्ज अब 185 लाख करोड़ रुपये कैसे हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम ने लोकसभा के लिए चुने जाने से पहले संदूर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए काम किया था और उनकी बेटी अन्नपूर्णा, जो कांग्रेस उम्मीदवार हैं, इस काम को आगे बढ़ाएंगी।

सिद्धरामैया ने मोदी के नारे ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा की खिल्ली उड़ाई और भाजपा से पूछा कि वह बताए कि जनार्दन रेड्डी, जिन्हें खनन घोटाले में अदालतों ने दोषी ठहराया था, को पार्टी में क्यों शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा न तो मोदी और न ही भाजपा को भ्रष्टाचार के बारे में बोलने का कोई नैतिक अधिकार है।

जांच पूरी होने के बाद मुडा ने 50-50 वाली साइटें वापस लेने का किया फैसला

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि एक सदस्यीय आयोग द्वारा जांच पूरी होने के बाद 50:50 योजना के तहत आवंटित की गई साइटें वापस ले ली जाएंगी। जनप्रतिनिधियों, मनोनीत सदस्यों और अधिकारियों सहित सदस्यों ने गुरुवार को डिप्टी कमिश्नर जी लक्ष्मीकांत रेड्डी की अध्यक्षता में एक बैठक की। कथित साइट आवंटन घोटाले के प्रकाश में आने के बाद यह मुडा की पहली बैठक है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी के. मरिगौड़ा द्वारा मैसूरु दशहरा समारोह के तुरंत बाद 16 अक्टूबर को इस्तीफा देने के बाद रेड्डी को मुडा का प्रभारी अध्यक्ष बनाया गया है।

मुख्यमंत्री की पत्नी बी.एम. पार्वती को वैकल्पिक विकसित भूमि पर 50:50 के आधार पर मुआवजे के रूप में 14 साइटें आवंटित किए जाने के बाद पिछले दो महीनों से मुडा चर्चा में है। इससे पहले, 1 नवंबर को मैसूरु जिला प्रभारी मंत्री एच सी महादेवप्पा ने संकेत दिया था कि मुडा में 50:50 योजना के तहत साइटों का अवैध आवंटन वापस लिया जाएगा। चामराजा विधायक के हरीश गौड़ा ने मुडा के निर्णय की घोषणा की और कहा कि 50:50 योजना के तहत साइट को वापस लेने की प्रक्रिया न्यायमूर्ति पी एन देसाई आयोग की रिपोर्ट प्राप्त होने और स्वीकार किए जाने के बाद वापस ले ली जाएगी। जुलाई में सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एन देसाई द्वारा मुडा में अवैधताओं की न्यायिक जांच शुरू की गई, जिसमें 2006 से 2024 तक के वर्षों को शामिल किए जाने की उम्मीद है। इसे अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए छह महीने का और समय दिया गया है। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से लोकायुक्त पुलिस ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में बुधवार को करीब दो घंटे तक पूछताछ की थी। सिद्धरामैया दोपहर 12 बजे मैसूरु लोकायुक्त अधीक्षक टी.जे. उदेश के कार्यालय से बाहर आए। वे सुबह 10.10 बजे लोकायुक्त के समक्ष पेश हुए। बाहर आने के बाद सीएम सिद्धरामैया मैसूरु शहर के सरकारी गेस्ट हाउस पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि सीएम ने अधिकारियों से कहा कि वे प्रक्रिया को पूरा करें और उन्हें कोई छूट न दें। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे भूल जाएं कि वे सीएम हैं और उनसे वे सभी सवाल पूछें जो वे जांच के लिए पूछना चाहते हैं। सूत्रों ने आगे बताया कि उनसे साइटों के आवंटन, भूमि रूपांतरण और अंत में आवंटित साइटों की वापसी के बारे में सवाल पूछे गए। मुडा में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले में सीएम सिद्धरामैया को मुख्य आरोपी बनाया गया है। कर्नाटक के इतिहास में सत्ता में रहते हुए लोकायुक्त जांच का सामना करने वाले वे पहले मुख्यमंत्री हैं। यह पहली बार है जब सीएम सिद्धरामैया, जिनका रिकॉर्ड साफ-सुथरा है, अपने चार दशक के राजनीतिक करियर में जांच का सामना कर रहे हैं।

वक्फ बिल जेपीसी प्रमुख

जगदंबिका पाल राजनीतिक द्वेष के साथ कर्नाटक का दौरा कर रहे: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल राजनीतिक द्वेष के साथ राज्य का दौरा कर रहे हैं। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा मेरी जानकारी के अनुसार, वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल अकेले कर्नाटक का दौरा कर रहे थे।

उन्होंने दावा किया जगदंबिका पाल जेपीसी के अन्य सदस्यों के साथ अपनी यात्रा पर चर्चा किए बिना खुद आ रहे हैं। सदस्यों में से एक ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि अध्यक्ष को इस तरह से दौरा नहीं करना चाहिए। पाल का हुब्बल्ली, विजयपुरा और बेलगावी का दौरा करने का कार्यक्रम था, जिसके दौरान वह राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा गलत तरीके से उनकी जमीनों पर किए जा रहे दावे के संबंध में किसानों और विभिन्न संगठनों के सदस्यों से मिलेंगे। इस यात्रा के दौरान पाल के साथ सांसद और जेपीसी सदस्य तेजस्वी सूर्या भी होंगे। वह वक्फ बोर्ड के साथ भूमि विवाद पर हुब्बल्ली और विजयपुरा में किसानों के प्रतिनिधिमंडल से मिलेंगे। पाल विजयपुरा में डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल सैकड़ों किसानों और समर्थकों के साथ विजयपुरा में अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे हैं, जिसमें अधिकारियों द्वारा किसानों को उनकी भूमि का स्वामित्व वक्फ बोर्ड को दिए जाने का नोटिस दिए जाने का विरोध किया जा रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने सोमवार को हड़ताल में भाग लिया और प्रदर्शनकारियों के साथ टेंट में रात बिताई।

भाजपा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने जेपीसी अध्यक्ष से राज्य का दौरा करने का आग्रह किया था। तेजस्वी सूर्या ने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड ने 50,000 एकड़ से अधिक भूमि पर दावा किया है। उन्होंने कहा कि कोई भी भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि किसानों की भूमि वक्फ बोर्ड को कब हस्तांतरित की जाएगी। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने घोषणा की थी कि किसानों को दिए गए नोटिस वापस लिए जाएंगे।

एमएलसी इवान डिसूजा ने विपक्ष के रूप में भाजपा की भूमिका की आलोचना की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एमएलसी इवान डिसूजा ने कर्नाटक में भाजपा की अप्रभावी विपक्ष होने की आलोचना की और उनके कार्यों को निराशाजनक बताया। यहां गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए डिसूजा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने लोकायुक्त पुलिस जांच में पूरा सहयोग किया है, फिर भी भाजपा इसे महज नाटक या दिखावा बताकर खारिज कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि भाजपा की टिप्पणी राज्य की जांच एजेंसियों और लोकायुक्त में विश्वास की कमी को दर्शाती है। उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र से इस रुख पर सवाल उठाते हुए कहा, अगर भाजपा वास्तव में अदालत के फैसले का सम्मान करती है, तो उन्होंने मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की उम्मीद करते हुए इसका स्वागत क्यों किया? उन्होंने आगे कहा जब बी एस येदियुरप्पा के खिलाफ आरोप सामने आए, तो उन्होंने तुरंत इस्तीफा नहीं दिया।

उन्होंने बाद में ही पद छोड़ा। भाजपा के शासन के दौरान, लोकायुक्त जांच में अक्सर क्लीन चिट मिलती थी, क्या वे जांच अवैध थीं? उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्ष को लोकतांत्रिक जनादेश का सम्मान करना चाहिए और संविधान को बनाए रखना चाहिए। तीन उपचुनावों के करीब आते ही, एमएलसी ने भाजपा पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा भाजपा सबसे निराशाजनक विपक्ष है। उनके बयानों में विश्वसनीयता और इच्छाशक्ति की कमी है। यह एक हिट-एंड-रन दृष्टिकोण है। वक्फ मुद्दे पर भाजपा की स्थिति को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा अपने 2014 के घोषणापत्र में, भाजपा ने धार्मिक नेताओं से इनपुट लेकर वक्फ बोर्ड को मजबूत करने और अतिक्रमणों को संबोधित करने का वादा किया था। क्या उन्हें इस प्रतिबद्धता के लिए जवाबदेह नहीं ठहराया जाना चाहिए? इससे पहले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक की संप्रभुता के प्रतीक मुख्यमंत्री कार्यालय की गरिमा कम हो रही है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में लोकायुक्त की जांच का सामना कर रहे हैं। सीएम बुधवार को मुडा मामले में जांच के लिए मैसूरु लोकायुक्त एसपी के समक्ष पेश हुए, जिसमें उन्हें प्रथम आरोपी बनाया गया है। विजयेंद्र ने कहा आरोपी नंबर एक सीएम सिद्धरामैया, पूरा देश देख रहा है कि आपने एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री के रूप में कितनी बदनामी हासिल कर ली है, जो जांच का सामना करते हुए भी पद से चिपके रहते हैं। विजयेंद्र ने आरोप लगाया विधानसभा में आप अपने कुख्यात मुडा घोटाले पर चर्चा से भाग गए और अब आप भ्रष्टाचार पर ऐसे बोलते हैं जैसे कोई राक्षस भगवद गीता का उपदेश दे रहा हो। उन्होंने आरोप लगाया आपके परिवार पर एक निर्दोष दलित परिवार को धोखा देकर जमीन हासिल करने का आरोप है और आपके खिलाफ चल रही जांच के अनुसार इसी जमीन का दुरुपयोग मुडा ने 14 प्लॉट हासिल करने के लिए किया।

विजयेंद्र ने कहा अगर आपने कुछ भी गलत नहीं किया था और अगर आपको दावे के मुताबिक 62 करोड़ रुपये मिलने थे, तो आपने बिना किसी शर्त के रातों-रात मुडा के प्लॉट क्यों लौटा दिए? अगर आप इतने साफ-सुथरे हैं, तो आप पारदर्शी जांच से इनकार क्यों करते हैं और इसके बजाय भ्रष्टाचार का बचाव क्यों करते हैं? नैतिकता को कूड़े में फेंकने वाले किसी व्यक्ति से ईमानदारी जैसे शब्द सुनना वाकई बहुत बुरा लगता है। राज्यपाल ने इन आरोपों के संबंध में आपके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। आपने इस पर अपील की, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। लोगों की अदालत ने लोकायुक्त को आपके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है और लोकायुक्त में जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि आपके अधीनस्थ अधिकारी आपकी जांच में कितनी दूर तक जाएंगे, इस बारे में संदेह के साथ, सीबीआई जांच के आदेश की मांग करते हुए हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है, जो समीक्षाधीन है। विजयेंद्र ने कहा आपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस के लिए चुनौती दी है, आपको पहले एक आम नागरिक, शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की कानूनी लड़ाई जीतने की कोशिश करनी चाहिए और फिर भ्रष्टाचार के बारे में बात करनी चाहिए। विजयेंद्र ने दावा किया अपनी प्रतिष्ठा पर लगे दाग को साफ करने पर ध्यान दें क्योंकि आपके आचरण से कर्नाटक की संप्रभुता के प्रतीक मुख्यमंत्री कार्यालय की गरिमा प्रतिदिन कम होती जा रही है। विजयेंद्र ने कहा अदालत पहले ही यह फैसला सुना चुकी है कि आपने मेरे खिलाफ जो आरोप लगाए हैं, वे निराधार हैं। एक वकील के तौर पर, आपको बार-बार इन मामलों को उठाते देखना आपके विवेक की कमी को दर्शाता है।

देवेगौड़ा ने लोगों से भ्रष्ट कांग्रेस को उखाड़ फेंकने और पोते के लिए समर्थन मांगा

मैंने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में अपने पोते निखिल कुमारस्वामी के लिए प्रचार करते हुए जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा ने लोगों से एनडीए के जेडीएस-भाजपा उम्मीदवार को वोट देने और भ्रष्ट कांग्रेस शासन को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। लगातार तीसरे दिन चुनाव प्रचार करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री ने गुरुवार को कहा मैं यह दावा नहीं करता कि मैंने इस निर्वाचन क्षेत्र को बनाया है लेकिन लोग मेरे योगदान को जानते हैं। उन्होंने कहा मैं निखिल कुमारस्वामी को अपना समर्थन देने आया हूं। मैंने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें यहां डेयरी क्षेत्र को मजबूत करना भी शामिल है। उन्होंने कहा उन्होंने चन्नपट्टना में पानी लाने के लिए इग्गलूर बांध का निर्माण किया था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को लोकायुक्त पुलिस के सामने पेश होना पड़ा। उन्होंने कहा मैं एक किसान का बेटा हूं। मैं किसानों की मुश्किलों को समझता हूं। लोग कहते हैं कि मैं यहां सिर्फ अपने पोते को जिताने के लिए आया हूं। लेकिन मैं कहता हूं कि आपके आशीर्वाद से मैं इस सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए कुछ और साल जीने की उम्मीद करता हूं। यह सरकार राज्य को लूट रही है। जब तक वे सत्ता में रहेंगे, यहां शांति नहीं होगी, गरीबों और किसानों के लिए कोई स्थिरता नहीं होगी। उन्होंने लोगों से कनकपुरा जाकर देखने को कहा कि कैसे डीके भाइयों (शिवकुमार और सुरेश) ने दूसरों की जमीन लूटी है और कहा कि कर्नाटक को दुष्ट कांग्रेस शासन से मुक्त किया जाना चाहिए।

टेम्पो की चपेट में आने से तीन साल की बच्ची की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल के लोरेटो पडावु के टिपूनगर में बुधवार को एक दुखद घटना घटी, जब एक तीन वर्षीय बच्ची खड़ी मालवाहक टेम्पो के पहियों के नीचे फंस गई, जो अचानक पीछे की ओर मुड़ गई। पीड़ित, आशिका, फरंगीपेट के पास पट्टनबेलू के उनैस की बेटी, अपनी दादी के घर के बाहर खेल रही थी, जब उसके चाचा का टेम्पो अचानक पीछे की ओर मुड़ गया। आशिका पहियों के नीचे फंस गई और उसे गंभीर चोटें आईं। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बंतवाल यातायात पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

सरकारी जमीन पर अवैध रूप से काटे गए 300 पेड़

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के बाहरी इलाके में मूडुशेडे गोल्फ कोर्स के पास सरकारी जमीन पर खुदाई मशीन का उपयोग करके लगभग 300 पेड़ों को अवैध रूप से काटने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की जानकारी मिलने पर, एनईसीएफ के सदस्यों ने वन विभाग के अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाया, जिन्होंने पेड़ों की कटाई में इस्तेमाल की गई खुदाई मशीन और अन्य उपकरणों को जब्त करके तुरंत कार्रवाई की। वन अधिकारियों ने कहा कि सरकारी जमीन पर पेड़ों को काटने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरणविदों ने चिंता व्यक्त कर जब प्रभावशाली व्यक्ति ऐसी गतिविधियों में शामिल थे, तो वन विभाग पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। उन्होंने पर्यावरण के और विनाश को रोकने के लिए सख्त नियमों की मांग की। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि वन विभाग को अवैध वनों की कटाई के खिलाफ सुरक्षा के उपाय लागू करने चाहिए।

100 साल पुरानी सरकारी स्कूल की जमीन को निजी व्यक्ति को सौंपे जाने के खिलाफ प्रदर्शन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कुंडापुर में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय कलवारा की जमीन को निजी व्यक्ति को सौंपे जाने के फैसले के विरोध में गुरुवार को कलवारा पंचायत के सामने प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने बच्चों के शैक्षणिक अधिकारों की सुरक्षा और स्कूल के संरक्षण की मांग की, जिसने हाल ही में अपनी शताब्दी मनाई है। सर्वे नंबर 202/3 में 0.67 एकड़ जमीन मूल रूप से 1954 में एक उपहार विलेख के माध्यम से सार्वजनिक शिक्षा विभाग को दान की गई थी। यह विलेख कुंडापुर तालुक उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीकृत था, और यह जमीन जिला बोर्ड अध्यक्ष के स्वामित्व में है, जैसा कि आरटीसी (अधिकार, किरायेदारी और फसलों का रिकॉर्ड) में उल्लेख किया गया है। इस जमीन पर पिछले 103 वर्षों से स्कूल चल रहा है, जिसमें शिक्षा विभाग और परोपकारी लोगों द्वारा कई बुनियादी ढांचे के विकास के लिए धन दिया गया है।

हालांकि, यह मुद्दा तब सामने आया जब दशकों से चुप रहने वाले एक निजी व्यक्ति ने कुंडापुर के वरिष्ठ सिविल जज कोर्ट में भूमि के स्वामित्व का दावा करते हुए याचिका दायर की।

अदालत ने व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया और तब से व्यक्ति ने आरटीसी में संशोधन करने और भूमि को अपने नाम पर स्थानांतरित करने के लिए मामला दायर किया है। स्कूल के प्रधानाध्यापक ने तब से उप-पंजीयक कार्यालय से उपहार विलेख की एक प्रति प्राप्त की है और क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक रिट दायर की है, जिसमें अदालत के फैसले पर रोक लगाने की मांग की गई है। प्रदर्शनकारियों को चिंता है कि अगर भूमि निजी व्यक्ति को हस्तांतरित की जाती है, तो यह स्कूल में वर्तमान में नामांकित 134 छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन होगा और उन्हें शिक्षा तक पहुंच से वंचित कर देगा। वे सरकार और संबंधित विभागों से आग्रह कर रहे हैं कि वे तुरंत हस्तक्षेप करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भूमि स्कूल के नियंत्रण में रहे। कलवारा ग्राम पंचायत के सदस्य रामचंद्र नवादा ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा इस स्कूल में 134 छात्र पढ़ रहे हैं।

अपनी शताब्दी मनाने वाले इस संस्थान को किसी भी कीमत पर किसी भी व्यक्ति को नहीं सौंपा जाना चाहिए। स्कूल को 64 सेंट जमीन कौप संजीव शेट्टी द्वारा उपहार विलेख के माध्यम से दान की गई थी, और विलेख अभी भी उपलब्ध है। सभी रिकॉर्ड मौजूद होने के बावजूद, विभाग उन्हें अदालत को उपलब्ध कराने में विफल रहा। हमें स्कूल को बचाने के लिए अब एकजुट होना चाहिए। सेवानिवृत्त प्रिंसिपल प्रोफेसर शंकर राव कलवारा ने कहा एक बार उपहार विलेख के माध्यम से निजी व्यक्ति को दान की गई जमीन को वापस करना गलत है।

सरकार को इस मामले पर गौर करना चाहिए। इस स्कूल का एक लंबा इतिहास है, और इसके अस्तित्व को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। विरोध स्थल पर पहुंची कुंडापुरा तहसीलदार शोभालक्ष्मी ने अपील को स्वीकार किया और भीड़ को आश्वासन दिया कि वह आरटीसी में संशोधन करने के किसी भी दबाव में नहीं आएंगी। प्रदर्शनकारियों ने कुंडापुरा जोन शिक्षा अधिकारी शोभा शेट्टी, तालुक पंचायत सीईओ, ग्राम पंचायत अध्यक्ष और विकास अधिकारी को भी अपील सौंपी, जिसमें उनसे स्कूल की संपत्ति की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में स्कूल विकास समिति की अध्यक्ष दीपा शेट्टी, सेवानिवृत्त शिक्षक रघुवीर के, पुराने छात्र संघ के सदस्य मोहनचंद्र कलवार, पुराने छात्र संघ के अध्यक्ष भरत शेट्टी, रंजीत कुमार शेट्टी और कई ग्रामीण, स्कूल स्टाफ और छात्र शामिल हुए।

जांच पर बोले कानूनी सलाहकार

कर्नाटक के सीएम को फिर तलब कर सकती है लोकायुक्त पुलिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में मुडा जमीन आवंटन केस में जांच का सामना कर रहे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कानूनी सलाहकार ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो लोकायुक्त पुलिस सीएम को फिर से तलब कर सकती है। सीएम कानूनी सलाहकार एएस पोन्नना ने कहा कि सीएम जांच में पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। अगर जांच अधिकारी को जांच के दौरान कोई जानकारी मिलती है और वे सीएम के बयान दर्ज करना चाहते हैं, तो उनको बुला सकते हैं। उन्होंने कहा कि सीआरपीसी की धारा 41 ए के तहत जांच अधिकारी ने सीएम को नोटिस दिया है। अगर दोबारा जरूरत पड़ी तो वह सीएम को बुलाएंगे। यह सामान्य प्रक्रिया है। जांच के दौरान जांच अधिकारी आरोपी और गवाहों को जितनी बार चाहें बुला सकते हैं। लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार को मुडा जमीन आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से पूछताछ की थी। सिद्धरामैया एक समन के जवाब में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए और लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) टीजे उदेश के नेतृत्व वाली टीम के सवालों के जवाब दिए। इसके बाद सीएम ने कहा था कि मैंने लोकायुक्त द्वारा पूछे गए सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। लोकायुक्त पुलिस की प्राथमिकी में आरोपी संख्या एक के रूप में नामित मुख्यमंत्री पर मुडा द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बीएम को 14 जगहों का आवंटन किए जाने में अनियमितताओं का आरोप है। 25 अक्टूबर को उनकी पत्नी से पूछताछ की गई थी, जिन्हें आरोपी संख्या दो बनाया गया है।

यह है मुडा घोटाला

मुडा (मैसूरु अर्बन डेवलेपमेंट अथॉरिटी) घोटाला करीब 3.2 एकड़ जमीन के घोटाले से जुड़ा है। इस जमीन के एवज में मुडा ने सीएम सिद्धरामैया की पत्नी को प्लॉट आवंटित किए थे। आरोप है कि इन प्लॉट के आवंटन में कथित अनियमितता बरती गई। दरअसल मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने साल 2010 में 3.2 एकड़ जमीन उपहार स्वरूप दी थी। बाद में यह जमीन मुडा द्वारा किए गए जमीन अधिग्रहण के दायरे में आ गई। जमीन अधिग्रहण के बदले पार्वती ने मुआवजे की मांग की तो मुडा ने उन्हें 14 प्लॉट आवंटित कर दिए। आरोप है कि ये प्लॉट मूल भूमि की कीमत से काफी ज्यादा कीमत के थे। विपक्षी दलों का आरोप है कि यह कथित घोटाला तीन से चार हजार करोड़ का हो सकता है।

यह केवल एक भाजपा प्रायोजित समिति: प्रियांक खड़गे

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। वक्फ भूमि मुद्दे पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के कर्नाटक दौरे के बाद राज्य के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को कहा कि यह केवल एक भाजपा प्रायोजित समिति है जो राज्य का दौरा कर रही है। प्रियांक खड़गे ने समिति की संरचना पर सवाल उठाते हुए पूछा अगर यह जेपीसी है, तो अन्य समिति के सदस्य कहां हैं? यह भाजपा की समिति है। अगर यह संयुक्त संसदीय समिति है, तो अन्य सदस्य (संसद के) कहां हैं? एक पूर्व सांसद उस समिति की बैठक में क्या कर रहा है? अन्य सांसद, जिनका जेपीसी से कोई संबंध नहीं है, उस बैठक में क्या कर रहे हैं? एक संयुक्त संसदीय समिति का मतलब है कि समिति के सदस्यों को उपस्थित होना चाहिए।

यह कुछ और नहीं बल्कि एक भाजपा प्रायोजित समिति है जो आज आई है।

अगर लोग पैसे के प्रभाव में आ गए तो कांग्रेस का शासन रहेगा जारी: डीवी सदानंद गौड़ा

धन का इस्तेमाल करने पर चुनाव आयोग करे कार्रवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने राज्य चुनाव आयोग (ईसी) से उपचुनाव वाले तीन विधानसभा क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा लूटे गए धन का इस्तेमाल करने पर कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया है। यहां पत्रकारों से वार्ता में भाजपा नेता डी.वी. सदानंद गौड़ा ने कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि राज्य के उपचुनावों के प्रभारी कांग्रेस नेता इन तीन निर्वाचन क्षेत्रों में लूटे गए धन का अधिकतम उपयोग करने का प्रयास कर रहे हैं। कर्नाटक के मुख्य चुनाव आयुक्त को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने तीन कांग्रेस चुनाव समन्वयकों की सख्त निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। हम चुनाव आयोग को सभी आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार हैं। अगर सतर्कता नहीं बरती गई तो वे आम जनता का दिमाग खराब करने के लिए पैसे के प्रभाव का दुरुपयोग करेंगे और इस चुनाव को पैसे से संचालित चुनाव में बदल देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा डरी नहीं है और कार्यकर्ता और एनडीए अपना

ईमानदारी से काम जारी रखेंगे। हालांकि, अगर चुनाव आयोग इन समन्वयकों की भूमिगत गतिविधियों को नियंत्रित करने में विफल रहता है, तो इसका आम जनता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। कांग्रेस पार्टी के लिए चुनाव की जिम्मेदारी संभालने वालों को लेकर थोड़ी चिंता है। उदाहरण के लिए, संदूर में पूर्व मंत्री बी नागेंद्र, जो वाल्मीकि आदिवासी कल्याण घोटाले में जेल से बाहर आए हैं, प्रभारी हैं। वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान, जिन पर किसानों के स्वामित्व वाली जमीनों को वक्फ खातों में बदलकर उन्हें अधिग्रहित करने का आरोप है, शिग्गांव विधानसभा सीट के समन्वयक हैं। चन्नपट्टना में शिवकुमार चुनाव का प्रबंधन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस उपचुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। तीन कांग्रेस नेता, जो कर्नाटक के खजाने को लूटने में विशेषज्ञ रहे हैं उपचुनावों को संभाल रहे हैं। वे अपनी मौद्रिक शक्ति के बल पर चुनाव जीतने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर लोग पैसे के प्रभाव में आ गए तो कांग्रेस का शासन, जिसमें कोई विकास नहीं है, जारी रहेगा। उन्होंने दावा किया राज्य में घोटाले से भरी सरकार बनी रहेगी। किसानों की जमीन हड़पना जारी रहेगा और कांग्रेस सरकार की बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करने में दयनीय अक्षमता के कारण लोगों को कोई राहत नहीं मिलेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि एनडीए राज्य की तीनों सीटों पर जीत हासिल करेगी।

धोखा देकर तस्करी : नाबालिग लड़कियों को बेंगलूरु में जबरन सेक्स व्यापार में धकेला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीसीबी ने शहर के दो गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर वेश्यालयों पर कार्रवाई की और 13 नाबालिग लड़कियों को बचाया। जिसमें 17 वर्षीय तारा (बदला हुआ नाम) भी है, जो बांग्लादेश के कुश्तिया जिले में अपनी दादी के साथ रह रही थी, इससे पहले कि उसकी जिंदगी में बुरा मोड़ आया। तारा की माँ एक व्यावसायिक सेक्स वर्कर थी जो 15 साल से बेंगलूरु में रह रही थी। अपनी दादी की मौत के बाद, तारा बांग्लादेश में अपनी मौसी के पास रहने लगी। मौसी ने तारा की सगाई एक स्थानीय लड़के से करवा दी, लेकिन शादी टूट गई। फिर, तारा की माँ ने अपनी बहन (लड़की की मौसी) और एक तस्करी एजेंट लाल्टू की मदद से अपनी बेटी को सीमा पार करके भारत और फिर बेंगलूरु में तस्करी कर लाया। उसकी माँ और लाल्टू ने तारा को सेक्स व्यापार में धकेल दिया और उसे कई दलालों के पास भेज रहे थे। कई दलालों में से एक संपा बेगम उर्फ काजोल थी, जो तारा को ब्यादराहल्ली के एक वेश्यालय में सेक्स व्यापार में धकेल रही थी। वह उन 13 नाबालिग लड़कियों में से एक थी जिन्हें केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने बचाया था। पुलिस ने इस रैकेट में शामिल 26 लोगों को भी गिरफ्तार किया और उन पर पॉक्सो और मानव तस्करी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, यह एक जटिल ऑपरेशन था। दो गैर सरकारी संगठनों ने सबूत जुटाने के लिए दो महीने से अधिक समय तक इन अवैध गतिविधियों पर नजर रखी। यह ऑपरेशन तब शुरू किया गया जब एक गैर सरकारी संगठन को एक नाबालिग लड़की को जबरन व्यावसायिक सेक्स वर्क में धकेले जाने की सूचना मिली। 16 मई को, एनजीओ के एक कर्मचारी ने सीसीबी टीम की मदद से वेश्यालय में से एक पर निगरानी रखी। हालांकि, वे नाबालिग की मौजूदगी की पुष्टि नहीं कर सके। एनजीओ ने अपनी निगरानी जारी रखी। उसका संदेह सही साबित हुआ। तीन दिन बाद, एनजीओ के कर्मचारियों और सीसीबी की एक टीम ब्यादराहल्ली गई और वेश्यालय पर छापा मारा और दो पीड़ितों को बचाया, जिसमें एक नाबालिग और एक वयस्क शामिल थी। पुलिस ने आरोपी मुनीर और उसकी पत्नी संपा बेगम को ग्राहक के साथ गिरफ्तार कर लिया। तारा ने पुलिस को एक अन्य दलाल के ठिकाने के बारे में बताया, जिसका पुलिस ने पीछा किया। तारा को सरकारी बालिका बाल गृह में भर्ती कराया गया। बचाव दल का हिस्सा रहे एनजीओ से उसके पुनर्वास में मदद करने के लिए कहा गया। तारा बाल गृह में रहने के दौरान पहली बार कंप्यूटर का इस्तेमाल करके बहुत खुश थी। वह और अधिक सीखना चाहती है। उसे संगीत में भी रुचि है और वह कुछ संगीत वाद्ययंत्र बजाना जानती है। हाल ही में, उसे एक निजी बाल देखभाल संस्थान में स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ उसने सिलाई और ब्यूटीशियन पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है। तारा की महत्वाकांक्षा बांग्लादेश वापस जाने और अपने नए कौशल का उपयोग करके आजीविका कमाने की है। पुलिस का कहना है कि यह कई एजेंटों द्वारा चलाया जाने वाला एक सुनियोजित रैकेट है, क्योंकि ग्राहकों के बीच नाबालिग लड़कियों की मांग बढ़ रही है। बचाए गए 13 पीड़ितों में से तीन बांग्लादेश से हैं, और वे शहर में झरझरा सीमा के रास्ते आए थे। यह उन लोगों के एक समूह द्वारा सुगम बनाया गया था, जो बांग्लादेश से लड़कियों को देह व्यापार के लिए भारत लाते थे। छापे के बाद, नेटवर्क ने अपने ठिकानों को पड़ोसी राज्यों में स्थानांतरित कर दिया है, लेकिन उच्च मांग के कारण वे कुछ समय बाद वापस आ जाएंगे। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, शहर में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में वृद्धि देखी जा रही है। अगर हम दो खास मार्करों, महिलाओं की अनैतिक तस्करी और पॉक्सो को देखें, तो इनमें 2021 से 2023 तक काफी वृद्धि हुई है। शहर की पुलिस ने 2021 में अनैतिक तस्करी अधिनियम के तहत 129 मामले दर्ज किए। 2022 में मामलों की संख्या बढ़कर 155 और 2023 में 161 हो गई, 2021 से 2023 तक 25 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी अवधि के लिए, शहर की पुलिस ने 2021 में पॉक्सो अधिनियम के तहत 403 मामले, 2022 में 480 मामले और 2023 में 560 मामले दर्ज किए। पॉक्सो अधिनियम के तहत मामलों में 2021 से 2023 तक 39 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मामले में आरोपियों को अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिए अपराध के आरोपियों पर मानव तस्करी, अनैतिक तस्करी और पॉक्सो सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। तारा की सूचना के आधार पर पुलिस ने अशोक नगर के अनेपल्या में एक और वेश्यालय पर छापा मारा और 16 वर्षीय लड़की को बचाया। पीड़िता प्रिया (बदला हुआ नाम) ने पुलिस को बताया कि वह पंजाब की रहने वाली है और 10वीं कक्षा में पढ़ती है।

गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी

उसने पुलिस को बताया कि कैसे उसे एक दलाल से दूसरे दलाल के पास भेजा गया। उसने बचाव दल को बताया कि उसे पंजाब के स्थानीय आदतन अपराधियों के एक समूह ने बहला-फुसलाकर नाबालिग लड़कियों को प्यार और शादी का वादा करके फंसाया और देह व्यापार में धकेल दिया। दीप नाम के एक तस्कर ने प्रिया से प्यार का नाटक किया और छापे से एक महीने पहले उसे अपने साथ बेंगलूरु ले गया। उसने उसे वेश्यालय की मालकिन नीता कौर को बेच दिया, जिसने प्रिया को पूजा नाम की एक अन्य दलाल को बेच दिया। पूजा ने प्रिया को देह व्यापार में धकेल दिया। पूजा उर्फ शोभा दास, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है, ने प्रिया को धमकी दी थी कि वह इस व्यापार या इसमें अपनी भूमिका के बारे में कभी बात न करे। चूंकि प्रिया दीप के साथ रहने के लिए घर से भाग गई थी, इसलिए वेश्यालय पर छापा पड़ने तक उसे बचाए जाने की कोई उम्मीद नहीं थी। इस बीच, पीड़िता के माता-पिता ने पंजाब में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी और उसकी तलाश कर रहे थे। बचाए जाने के बाद प्रिया अपने माता-पिता से मिल गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ बयान दिया और सख्त कार्रवाई की मांग की। पंजाब पुलिस ने दीप को गिरफ्तार कर लिया है और वह फिलहाल जेल में है। पीड़िता अब पंजाब वापस आ गई है और उसने अपना स्कूल फिर से शुरू कर दिया है। एक स्थानीय साथी के माध्यम से, बचाव दल पीड़िता की निगरानी कर रहा है और ऑनलाइन परामर्श प्रदान कर रहा है। प्रिया भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा करना चाहती है। एक अन्य मामले में, सीसीबी टीम ने परप्पना अग्रहारा में एक वेश्यालय पर छापा मारा और पाया कि एक नाबालिग लड़की की फिर से तस्करी की गई थी। नाबालिग गीता (बदला हुआ नाम) को उसकी सहेली माही और उसके पति आकाश ने तस्करी करके लाया था। उन्होंने उसे ब्यूटी पार्लर में नौकरी के लिए त्रिपुरा से बेंगलूरु भेजकर ठगा।

यदुवीर ने पूर्व राजघरानों पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर साधा निशाना

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व राजघराने के वंशज और मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने हाल ही में एक समाचार पत्र के लिए लिखे गए अपने लेख में भारतीय राजघरानों पर की गई टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। गांधी ने अपने विश्लेषण में महाराजाओं और नवाबों को ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ साझेदारी करने के लिए मजबूर करने या वे अधिक लचीले थे या रिश्वत के लिए अतिसंवेदनशील थे का दावा किया था। इससे पूर्व राजघरानों में से कई लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अब यदुवीर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टिप्पणी की कि राहुल गांधी का वास्तविक इतिहास के बारे में ज्ञान का अभाव लगातार प्रदर्शित होता रहा है। यदुवीर ने कहा कि गांधी का एक लेख के माध्यम से दिया गया नवीनतम बयान पूर्व राजघरानों द्वारा आज के भारत के लिए किए गए योगदान के बारे में उनकी अज्ञानता को दर्शाता है। सांसद ने इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया कि उन्होंने पूर्ववर्ती रियासतों द्वारा भारतीय विरासत को संरक्षण दिया और कहा कि उनके योगदान के बिना वर्तमान समय में प्रिय मानी जाने वाली कई परंपराएँ शायद खो गई होतीं। यदुवीर ने एकीकृत भारत के निर्माण के लिए पूर्व राजघरानों और रियासतों द्वारा किए गए बलिदानों को भी उजागर करने की कोशिश की। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि मैं लेख में उनके द्वारा चुने गए शब्दों और उनके द्वारा लगाए गए आक्षेपों की कड़ी निंदा करता हूँ।

ट्रंप प्रशासन के साथ कोई गतिरोध नहीं आएगा : भारत

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने गुरुवार को भरोसा जताया कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ व्यापार सीमा शुल्क एवं उत्प्रवासन जैसे मुद्दों पर कोई गतिरोध नहीं आएगा और परस्पर बातचीत से संतोषजनक समाधान निकल आएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ॄीफिंग में श्री ट्रंप के शासन काल में भारत-अमेरिका संधों में प्रगति और एच-1बी वीजा के ारे में पूछे जाने पर कहा, भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संध काफी व्यापक हैं। पिछले साल 2023 में भारत और अमेरिका कीच करी 190 अरब डॉलर का व्यापार हुआ, जिसमें सामान और सेवाएं शामिल थीं।

अमेरिका भारत का दूसरा सबसे ड़ा व्यापारिक साझीदार है... जहां तक एच-1बी का सवाल है, गतिशीलता और प्रवास साझेदारी हमारे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संधों का एक हिस्सा है और हमारे कई पेशेवर अमेरिका में काम करते हैं, कई भारतीय छात्र वहां पढ़ते हैं और रक्षा प्रौद्योगिकी में अमेरिका और भारत के ीच बड़ी निवेश साझीदारी है। उन्होंने कहा कि हाल में भारत एवं अमेरिका के बीच विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के संध में सात मुद्दों को सुलझाया गया है। हमारे संबंध और मजबूत हुए हैं। दोनों देशों के बीच बाकी जो भी मुद्दे हैं, हम इन सभी मुद्दों पर उनके साथ अच्छी बातचीत करना चाहेंगे।उत्प्रवासन के सवाल पर प्रवक्ता ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे लोग कानूनी रूप से अमेरिका जाएं। भारत को विश्व भर में कौशल एवं प्रवीणता की राजधानी के रूप में देखा जाता है। हमारा (भारत अमेरिका) गठजोड़ कारोबार, नवान्वेषण एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में है। हम कभी नहीं चाहते हैं कि हमारे लोग अवैध रूप से या बिना पूर्ण दस्तावेज के अमेरिका जायें। इस बारे में हमारी अमेरिकी अधिकारियों से सतत बातचीत हो रही है। हाल ही में अवैध रूप से अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को स्वदेश भेजा गया है। और भी जो लोग अवैध रूप से रह रहे हैं, उनको भी वापस आना चाहिए। अमेरिका में वैध प्रवासन की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं को सुरक्षा दे अंतरिम सरकार :भारत

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने बांग्लादेश के चटगांव में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले और लूटपाट की निंदा करते हुए वहां की अंतरिम सरकार से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने एवं हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में बांग्लादेश की घटनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि चटगांव में सोशल मीडिया पर हिन्दू समुदाय को निशाना बना कर भड़काऊ टिप्पणियां किये जाने के बाद वहां बहुत झगड़ा हुआ। हिन्दू समुदाय के लोगों के घरों पर हमला किया गया और लूटपाट की गयी जिसके पीछे उग्रवादी तत्वों का हाथ है। यह अत्यंत निंदनीय है। श्री जायसवाल ने कहा, इस प्रकार की बातों से समाज में संतुलन बिगड़ता है और तनाव बढ़ता है। हमारा बांग्लादेश की सरकार से आग्रह है कि दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाये और हिन्दुओं को सुरक्षा दी जाये। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की स्थिति को लेकर पूछे गये एक प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की दृष्टि में श्रीमती हसीना पूर्व प्रधानमंत्री हैं।

प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने बढ़ते वायु प्रदूषण पर हितधारकों के साथ बैठक की

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने बढ़ते वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दे के समाधान के लिए गुरुवार को यहां हितधारकों की एक बैठक की अध्यक्षता की।प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने प्रायद्वीपीय भारत में एयरशेड प्रबंधन की जांच के लिए पिछले वर्ष के शुरू में एक परियोजना शुरू की थी जिसका उद्देश्य वायुमंडलीय प्रदूषण परिवहन तंत्र, उत्सर्जन प्रभाव आकलन और इस क्षेत्र में विशिष्ट जलवायु कारकों का अध्ययन करने के लिए ारीक ग्रिड उत्सर्जन डेटा और उन्नत जीआईएस-आधारित मॉडल को नियोजित करना है। इस परियोजना के माध्यम से वायु गुणवत्ता के प्रंधन के लिए साक्ष्य-समर्थित, विज्ञान-आधारित संरचना के लिए आधार तैयार करने में मदद करना था।प्रोफेसर सूद ने तेजी से दलती जलवायु परिस्थितियों के संदर्भ में वायु गुणवत्ता में सुधार के महत्व

पर प्रकाश डाला और सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा पर्यावरणीय स्थिरता के लिए इसके महत्वपूर्ण निहितार्थों को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वायु प्रदूषण एक बहुआयामी मुद्दा है जो कई कारकों से प्रभावित है। प्रो. सूद ने एक ऐसे दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला जो इस जटिलता को दर्शाता है, जिसमें एक मजबूत, रणनीतिक प्रतिक्रिया के लिए व्यापक मौसम संधी प्रक्रियाओं, परिष्कृत उत्सर्जन सूची और विस्तृत एयरशेड मैपिंग को शामिल किया गया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बैठक का उद्देश्य हाल ही में किये गये अध्ययन के निष्कर्षों पर विचार-मंथन करना, अल्पकालिक और दीर्घकालिक समय-सीमा में प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण के लिए विज्ञान-आधारित रणनीतियों को शामिल करने के तरीकों पर चर्चा करना था।राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेश नायक ने वायु गुणवत्ता चुनौतियों के समाधान के लिए परियोजना के माध्यम से उन्नत विज्ञान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को एक व्यापक मंच में एकीकृत करने की दिशा में काम कर रहा है जिसकी पहुंच नीति निर्माताओं और जनता दोनों तक होगी।

द साबरमती रिपोर्ट बनाने पर निर्माता को मिल रही धमकियां

मुंबई, 07 नवंबर (एजेंसियां)। 15 नवंबर को सिनेमाघरों में आने वाली द साबरमती रिपोर्ट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में एक पत्रकार की भूमिका में विक्रांत मेसी नजर आएंगे। हाल में उन्होंने ट्रेलर रिलीज कार्यक्रम के दौरान खुलासा किया कि उन्हें फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर धमकियां मिल रही हैं। उनसे जब पूछा गया कि क्या उन्हें फिल्म बनाने पर धमकियां आई हैं।

इस पर विक्रांत मेसी ने कहा, जी हां आई हैं और आ रही हैं। लेकिन जैसा की मैंने कहा कि हम कलाकार हैं और कहानियां बोलते हैं। यह फिल्म पूरी तरह से सच पर आधारित है। यह कुछ ऐसा है जिससे मैं या हम सब एक टीम के रूप में निपट रहे हैं और मुझे लगता है कि हम इससे उसी तरह निपटेंगे जिस तरह से इसे निपटना है।

डायरेक्टर एकता कपूर से जब पूछा गया कि क्या यह फिल्म एक प्रोपेगेंडा है। इस पर एकता ने कहा, मैं एक हिंदू हूं। हिंदू मतलब होता है सेक्युलर। मैं कभी भी किसी भी धर्म को लेकर ऐसा कोई कमेंट नहीं करूंगी क्योंकि मैं एक हिंदू हूं। मैं हर एक धर्म का सम्मान करती हूं। आप फिल्म में देखेंगे कि मैंने किसी भी धर्म का विरोध किए बिना असली गुनहगारों का पर्दाफाश किया है। और यही एक अच्छे स्टोरीटेलर की पहचान होती है।

पराली जलाने पर दोगुना भरना होगा जुर्माना

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। वायु प्रदूषण की समस्या पूरे देश में गंभीर हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे लेकर नाराजगी जाहिर की है। यही वजह है कि अब केंद्र ने भी पराली की समस्या के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का फैसला किया है। दरअसल केंद्र सरकार ने पराली जलाने वाले किसानों पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर दोगुनी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पांच एकड़ से ज्यादा जमीन पर पराली जलाने पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर 30 हजार रुपये कर दी गई है।

केंद्र सरकार के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इसके आसपास के इलाकों में एनवायरमेंटल कंपेंसेशन फॉर स्टबल बर्निंग संशोधन कानून के प्रावधानों को लागू कर दिया है। इस कानून में पराली जलाने पर जुर्माने और फंड के इस्तेमाल के प्रावधान बताए गए हैं। इसके तहत जिन किसानों के पास दो एकड़ से कम जमीन है, उन्हें पराली जलाने पर पर्यावरणीय जुर्माने के रूप में पांच हजार रुपए देने होंगे। वहीं जिन किसानों के पास दो से पांच एकड़ जमीन है और वे पराली जलाते पाए जाते हैं तो उन पर जुर्माना 10 हजार रुपए होगा। पांच एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसानों को पराली जलाने पर 30 हजार रुपए का जुर्माना देना होगा।

गौरतलब है कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने में विफल रहने के लिए पंजाब और हरियाणा की सरकारों की आल-ोचना की। सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता आयोग को पराली जलाने की घटनाएं लगातार होने के चलते पंजाब और हरियाणा सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

साथ ही पीठ ने उसके आदेश के उल्लंघनकर्ताओं पर मुकदमा चलाने के लिए एक सप्ताह की समय सीमा तय की है।

राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर है और लोगों को आने वाले कई दिनों तक वायु प्रदूषण की समस्या से राहत नहीं मिलेगी। बुधवार को दिल्ली में वायु की गुणवत्ता का स्तर 352 एक्यूआई रहा, जो बेहद खराब श्रेणी में है।

शरिया का हवाला देकर दूसरे निकाह को जायज ठहराना गलत

यह पहली बीवी के साथ क्रूरता है: मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई, 07 नवंबर (एजेंसियां)। शरिया कानून का हवाला देकर मुस्लिम पुरुष अक्सर दूसरे निकाह को जायज ठहराते हैं। चाहे इसके कारण उनकी पहली बीवी की कितनी ही प्रताड़ना क्यों न हो। लेकिन अब मद्रास हाईकोर्ट ने इस मामले में अहम फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने पहली बीवी के रहते मुस्लिमों के दूसरे निकाह को क्रूरता करार दिया है। कोर्ट ने माना कि पुरुषों द्वारा दूसरे निकाह से पहली बीवी को शारीरिक, मानसिक तनाव और पीड़ा का सामना करना पड़ता है। तमिलनाडु के एक मुस्लिम व्यक्ति ने एक मुस्लिम युवती से पहला निकाह 2010 में किया। कुछ समय तक साथ रहने के बाद दोनों को एक बच्चा भी हुआ। बाद में महिला के शौहर ने दूसरी मुस्लिम लड़की के साथ निकाह कर लिया। इसी को लेकर दोनों के बीच झगड़े हुए। वर्ष 2018 में महिला ने शौहर के खिलाफ मारपीट और घरेलू हिंसा का केस दर्ज करा दिया। मामला कोर्ट पहुंचा। इसके बाद सुनवाई अनवरत होती रही और साल 2021 में मजिस्ट्रेट ने व्यक्ति को अपनी बीवी को 5 लाख रुपए का मुआवजा और नाबालिग बच्चे के भरण पोषण के लिए प्रतिमाह 25,000 रुपए देने का फैसला सुनाया।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पाखंड कर रहा है कनाडा : भारत

नई दिल्ली, 07 नवंर (एजेंसियां)। भारत ने कनाडा द्वारा ऑस्ट्रेलिया के भारतवंशी समुदाय के मीडिया प्लेटफॉर्म ऑस्ट्रेलिया टुडे को कनाडा में प्रतिंधित किए जाने की निंदा की है और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कनाडा सरकार का पाखंड का उदाहरण बताया है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ॄीफिंग में इस संध में पूछे जाने पर कहा, विदेश मंत्री आज सिडनी में हैं।

कुछ समय पहले वे व्यापारिक समुदाय और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से ात कर रहे थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री के साथ भी बैठक की, जहां उन्होंने 15वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया रूपरेखा वार्ता में भाग लिया। विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलिया के साथ हमारी सभी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की। ऑस्ट्रेलिया टुडे के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को कनाडा में ब्लॉक किये जाने के संध में प्रवक्ता ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया टुडे भारत वंशियों का एक प्रमुख मीडिया मंच है। यह अब कनाडा में देखने के लिए उपलब्ध नहीं है। इसने विदेश मंत्री एस जयशंकर का इंटरव्यू किया और विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ प्रेस ॄीफिंग को भी कवर किया था। विदेश मंत्री ने हमारे कनाडा के साथ संधों के तीन बिन्दुओं पर चर्चा की है। पहला कनाडा सरकार के शीर्ष से बिना सबूत के आरोप लगाने की आदत, दूसरा- हमारे राजनयिकों की निगरानी और तीसरा उग्रवादियों को राजनीतिक स्थान दिया जाना।प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा सरकार का इस मीडिया मंच को प्रतिबंधित करना, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर कनाडा सरकार के पाखंड को उजागर करता है। कनाडा में टोरंटों में भारतीय वाणिज्य दूतावास के कौंसुलर कैम्प को रद्द किये जाने के ारे में पूछे जाने पर श्री जायसवाल ने कहा, आपने टोरंटो में हमारे वाणिज्य दूतावास

द्वारा पोस्ट किए गए संदेश को देखा होगा कि उन्हें सप्ताहांत में आयोजित होने वाले वाणिज्य दूतावास शिविर को रद्द करना पड़ा है क्योंकि उन्हें सरकार से पर्याप्त सुरक्षा या सुरक्षा आश्वासन नहीं मिला। कनाडा में हमारे पास बहुत बड़ा प्रवासी समुदाय है। इनमें से बहुत से लोगों को, खासकर नवंबर, दिसंबर के महीने में, अपनी पेंशन जारी रखने और भारत में कई अन्य गतिविधियों के लिए कई दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। इसलिए हम जो वाणिज्य दूतावास शिविर लगाते हैं, वह भारतीय राष्ट्रीयता वाले लोगों और भारतीय मूल के लोगों के लिए जो आज कनाडाई नागरिक हैं, उनके लिए मददगार है। राजनयिकों की सुरक्षा के बारे में पूछे जाने पर श्री जायसवाल ने कहा, हमने अपने राजनयिकों के लिए सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा था, जहाँ वाणिज्य दूतावास शिविर आयोजित किया जाना था और कनाडाई पक्ष द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं की गई है। पिछले एक साल या उससे भी अधिक समय में, हमने भारतीय राजनयिकों पर हमला, धमकी, डराना, भारतीय राजनयिकों को परेशान करना जैसी चीजें देखी हैं...हाँ, धमकियाँ बढ़ गई हैं। भारतीय राजनयिकों पर निगरानी रखी जा रही है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है। विदेश मंत्री ने भी इस बारे में बात की है। हमने इस मामले को कनाडाई पक्ष के साथ बहुत दृढ़ता से उठाया था। प्रवक्ता ने कहा, मैं समझता हूं कि कनाडा के अन्य हिस्सों में, उदाहरण के लिए वैंकूवर में, वाणिज्य दूतावास शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये वाणिज्य दूतावास शिविर सामुदायिक संगठनों के अनुरोध पर आयोजित किए जाते हैं। इसलिए जहां सामुदायिक संगठन सहज होंगे, हम इन वाणिज्य दूतावास शिविरों के साथ आगे बढ़ेंगे। मंदिरों एवं हिन्दू समुदाय पर हमलों को लेकर श्री जायसवाल ने कहा, आपने हमारी टिप्पणियों को देखा है। हम ब्रैम्पटन में मंदिर पर हमले की निंदा करते हैं। हमने कनाडा सरकार से कानून के शासन को बनाए रखने और हिंसा का आर-ोप लगाने वाले लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का भी आह्वान किया। हमें उम्मीद है कि कनाडा सरकार उचित कार्रवाई करेगी। अमेरिका में श्री डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद कनाडा एवं भारत के संधों पर सकारात्मक असर पड़ने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा या किसी भी देश के साथ भारत के रिश्ते स्वतंत्र हैं और किसी तीसरे देश की घटनाओं का उन पर असर नहीं होता है।

युवतियां स्वाभिमानी, आत्म निर्भर बने : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, 07 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने देश की युवतियों को खुद की कद्र करने और वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए गुरुवार को कहा कि हर महिला में आगे बढ़ने की शक्ति होती है और उसे इस शक्ति को पहचानना चाहिए।श्रीमती ईरानी यहां महिलाओं के वैश्विक नेटवर्क यूयूक् के द्वारा अेंडकर इंटरनेशनल सेंटर में यिंड बैरियर्स (बाधाओं से पार) 2024 सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा, हमें युवतियों को अपनी कद्र करना, अपनी स्वतंत्रता और भलाई पर ध्यान देने की शिक्षा देनी होगी- जिसमें न केवल अपने लिए, बल्कि उन्हें दूसरों के लिए मजबूत बनने की शिक्षा भी शामिल है। उन्होंने कहा, वित्तीय स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वास्थ्य को स्वार्थी नहीं बल्कि महिलाओं के लिए अधिक स्थिरता और सुरक्षा के तरीकों के रूप में देखा जाना चाहिए।इस वर्ष के आयोजन का थीम महिलाओं में निवेश, एक सतत भविष्य के लिए है, जिसमें वैश्विक नेता, दूरदर्शी और

परिवर्तनकर्मी महत्वपूर्ण विषयों पर जैसे कि प्रौद्योगिकी में लिंग समानता, उद्यमिता में नेतृत्व, स्थिर वाणिज्य, और सामाजिक प्रभाव पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, व्यवसाय में महिलाएं एक अनोखा दृष्टिकोण लेकर आती हैं, जो सभी के लिए अच्छा है। जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो वे स्थिरता, शिक्षा और सामुदायिक स्वास्थ्य जैसी चीजों को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने कारोबार में महिलाओं को सहयोग और प्रोत्साहन दिए जाने पर ल देते हुए कहा कि ज महिलाएं सफल होती हैं तो वे परिवर्तन का शक्तिशाली एजेंट नती हैं। इस कार्यक्रम में उद्यमिता में नेतृत्व, स्थिर वाणिज्य और महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को बढ़ाने की चुनौतियों पर पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। यूयूक्के की संस्थापक डॉ. सेंथामराई गोकुलाकृष्णन ने कहा, उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता के बावजूद, महिला उद्यमियों को प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि धन और समर्थन की कमी, वैश्विक स्तर पर एक अर से अधिक महिलाओं को वित्तीय सेव-ाओं तक पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सही संसाधनों, वित्तीय समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करके हम 2025 तक दस लाख महिला उद्यमियों को सशक्त बना सकते हैं। फेडरल बैंक की कार्यकारी निदेशक शालिनी वारियर ने वित्तीय चुनौतियों के बारे में बात करते हुए कहा, महिला उद्यमियों को अपने व्यवसायों को शुरू करने और बढ़ाने के लिए आवश्यक पूंजी जुटाने में अक्सर कठिनाई होती है।

राहुल और उनकी पार्टी के विचार आज भी गुलामी एवं औपनिवेशिकता की ग्रंथि से ग्रस्त: शेखावत

जयपुर, 07 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखात ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की पूर्व राजपरिवारों पर टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा है कि उनका भारत की समृद्ध विरासत के विषय में अज्ञान और उनकी औपनिवेशिक मानसिकता ने सभी सीमाओं को पार कर दिया है।श्री शेखावत ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि उनके विचारों से भारत के स्वाधीनता संघर्ष और अखंड भारत के निर्माण में राजघरानों के योगदान का बेशर्मी के साथ मजाक उड़ाया गया है जो अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि हजारों साल में सनातन पर जितने भी हमले हुए उन्हें राजस्थान के राजा-महाराजाओं ने पीढ़ियां कुर्बान करके बचाया। सनातन संस्कृति के मानबिंदुओं की रक्षा के लिए इन्होंने हमेशा बलिदान दिया। आज अगर इस देश में सनातन और हिंदुत्व जिंदा है तो उसका केवल और केवल कारण भारत के इन राजपरिवारों का बलिदान है। श्री शेखावत ने श्री राहुल गांधी के लिखे एक आलेख की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस के युवराज की भारतीय इतिहास की समझ कितनी भ्रष्ट और सलेक्टिव है, यह उनके आलेख से जाहिर होता है। यह हैरानी भरा है कि जो नेता भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपने को भारतीय जन-गण और मन के साथ ईमानदारी से खड़ा होने का दावा करता रहा है, वह अपने देश के स्वाधीनता संघर्ष और अखंड भारत के निर्माण के ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में किस तरह कूपमंडुकता का शिकार है।उन्होंने कहा कि श्री राहुल और उनकी पार्टी के विचार आज भी गुलामी और औपनिवेशिकता की ग्रंथि से ग्रस्त हैं जो उस भ्रष्ट इतिहास बोध को दिखाती है, जिसके तहत वे आजादी के बाद मुगलों और मुस्लिम आक्रांताओं के इतिहास को ही देश का इतिहास बताते रहे हैं। उनका आलोख उस मानसिकता को दिखाता है जो भारतीय गौरव और स्वाधीन चेतना के महाराणा प्रताप एवं वीर शिवाजी जैसे अमर नायकों को इतिहास की किताबों के साथ, लोगों की स्मृति से भी दूर करने कोशिश में जुटी रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग कश्मीर में तिरंगा फहराने से भी डरते थे, वे आज कश्मीर की भारत के साथ एकजुटता के इतिहास को कलंकित कर रहे हैं। कश्मीर सहित एकजुट भारत का सपना भारत के पूर्व शाही परिवारों के अत्यधिक बलिदान के कारण ही संभव हो सका।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले और नफरत फैलाने वालों को भारतीय गौरव और इतिहास पर व्याख्यान देने का कोई अधिकार नहीं है। यदि श्री राहुल राष्ट्र को उन्नत करने का दावा करते हैं तो भारत माता का अपमान करना बंद करें। भारत की वीरता और संघर्ष के उन महानायकों के बारे में जानें, जिनको लेकर भारतीय मन में आज भी गहरा सम्मान है।श्री शेखावत ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणी देश की विरासत को नजरअंदाज करने की शर्मनाक पहल तो है ही, यह हमारी विरासत का जानबूझकर किया गया अपमान भी है।

दीपावली पर बाल विकास मंत्रालय का चौंकाने वाला बधाई संदेश

40 कुंवारी लड़कियों को मंत्रालय ने बता दिया गर्भवती

फूहड़ संदेश से पीएम के संसदीय क्षेत्र में मचा है बवाल

वाराणसी, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

वाराणसी में बाल विकास मंत्रालय ने 40 कुंवारी लड़कियों को गर्भवती बता दिया है। मंत्रालय द्वारा दीपावली पर भेजे गए बधाई संदेश से पूरे इलाके में बवाल मचा हुआ है। जिला प्रशासन से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारी इस मसले पर टालमटोल का रवैया बनाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में इस तरह की सरकारी हरकत पर लोग बुरी तरह नाराज हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग

ग्राम पंचायत रमना के गांव मलहिया की 40 कुंवारी लड़कियों को प्रत्येक के नाम से बाल विकास मंत्रालय की ओर से संदेश मिला, प्रिय ... पोषण ट्रैकर में आपका स्वागत है। एक स्तनपान कराने वाली मां के रूप में आप हॉट कुक्ड मील या राशन, परामर्श, बाल स्वास्थ्य निगरानी और गृह भ्रमण के माध्यम से स्तनपान सहायता जैसी सेवाओं का लाभ आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से उठा सकती हैं।

40 कुंवारी लड़कियों को गर्भवती बताए जाने के मंत्रालय के संदेश ने मध्य वर्ग बहुल समाज में तहलका मचा दिया है। लड़कियों ने संदेश मिलने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से पूछा, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उल्टे लड़कियों के साथ ही बदतमीजी की गई। इसके बाद ये सभी लड़कियां ग्राम प्रधान आरती पटेल से मिलीं और उन्हें पूरा मामला बताया। ग्राम प्रधान ने डीएम को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जांच की मांग की है। लड़कियों ने सीडीओ से भी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम प्रधान ने पत्र में उल्लेख किया है कि उनकी ग्राम पंचायत के गांव मलहिया में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमनलता ने गांव में घर-घर जाकर लड़कियों को गुमराह करके उनका आधार कार्ड ले लिया। कारण पूछने पर बताया कि वोटर आईडी कार्ड से लिंक होना है। ऐसा करके गांव की करीब 40 लड़कियों का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में पंजीकरण कराकर छह माह से राशन घोटाला कर रही हैं। इसकी सूचना आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर पर मैसेज आने से हुई है। ग्राम प्रधान ने जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

पुष्टाहार योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को हर महीने एक किलो गेहूं का दलिया, डेढ़ किलो चना की दाल और आधा लीटर तेल दिया जाता है। फिलहाल इन लड़कियों को प्रधानमंत्री खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन मिल रहा है। इस बारे में पूछे जाने पर सीडीओ हिमांशु नागपाल ने कहा, शिकायत मिली है। मामले में जांच कराई जा रही है। यह भी दिखवाया जाएगा कि जिन लड़कियों के नाम से पंजीकरण कराए गए हैं, उनके नाम से खाद्य सामग्री आवंटित हो रहा थी या नहीं। बीडीओ व विभाग के अफसरों को जांच के निर्देश दिए गए हैं।

टैक्स वसूली में स्टाम्प और पंजीयन विभाग सबसे आगे

आबकारी विभाग हुआ पीछे

लखनऊ, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में घर, जमीन, फ्लैट की खरीद-बिक्री में तेजी से इजाफा हुआ है। यही कारण है कि प्रदेश में राजस्व वसूली में स्टांप विभाग राज्य कर और आबकारी से आगे निकल गया है। पिछले साल दिवाली सीजन की तुलना में इस साल जहां स्टांप विभाग ने करीब 850 करोड़ का ज्यादा राजस्व दिया, वहीं आबकारी में ये वृद्धि 400 करोड़ पर ही सिमट गई। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष स्टेट जीएसटी में भी 413 करोड़ की वृद्धि हुई है।

उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट सेक्टर में ग्रोथ, जमीनों पर बढ़ते निवेश और योगी सरकार की योजनाओं ने स्टाम्प और पंजीयन के राजस्व में अभूतपूर्व ग्रोथ दर्ज की है। आमतौर पर त्यौहारी सीजन में शराब की बिक्री ज्यादा होती है, जिसका असर टैक्स कलेक्शन में पड़ता है। खरीदारी ज्यादा होने से जीएसटी ज्यादा मिलता है।

वित्त विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार अक्टूबर यानी दिवाली सीजन में राजस्व ग्रोथ के मामले में स्टांप विभाग नंबर वन रहा है। इसमें गिफ्ट डीड, रक्त संबंधों में पांच हजार में रजिस्ट्री जैसी आम लोगों से सीधी जुड़ी योजनाओं का भी असर है।

इसके अलावा जमीनों की खरीद बिक्री केवल एनसीआर और बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। एक तरफ औद्योगिक योजनाओं की वजह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, मेरठ प्रयागराज, आगरा, अलीगढ़, गोरखपुर में रीयल इस्टेट बढ़ा है तो दूसरी तरफ छोटे जिलों में भी जमीनों की कीमतें बढ़ी हैं। अगस्त की समीक्षा में पिछले साल की तुलना में जीएसटी ने लगभग 800 करोड़ की ग्रोथ हासिल की थी। आबकारी ने भी 600 करोड़ ज्यादा राजस्व अर्जित किया था। स्टांप में ये ग्रोथ करीब 50 करोड़ रुपए थी लेकिन रीयल इस्टेट में विस्तार और स्टांप योजनाओं में दिए गए लाभ का असर अक्टूबर में एकाएक दिखाई दिया। त्यौहारी सीजन आते ही पिछले दिवाली सीजन के मुकाबले इस बार स्टांप व निबन्धन ने 2890 करोड़ रुपए कमाए। जबकि गत वर्ष इसी महीने 2026 करोड़ का राजस्व मिला था। इस प्रकार स्टाम्प व निबंधन मद में पिछले अक्टूबर की तुलना में इस बार 864 रुपए ज्यादा मिले। वहीं इसी अवधि में जीएसटी जैसे सबसे बड़े विभाग ने महज 413 करोड़ की ग्रोथ हासिल की। आबकारी भी 3326 करोड़ से 3767 करोड़ रुपए की ग्रोथ दर्ज कर सका। इस वित्त वर्ष में स्टाम्प व निबंधन को 35651 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया है। अभी तक 17723 करोड़ रुपए प्राप्त हो चुके हैं। टारगेट की तुलना में सालाना ग्रोथ के लिहाज से भी विभाग सबसे आगे है।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर यूपी में उत्सव की तैयारी

15 से 20 नवंबर तक लखनऊ में होगा भव्य जनजाति भागीदारी उत्सव

लखनऊ, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस को जनजाति भागीदारी उत्सव के रूप में मनाने का फैसला लिया है। यह उत्सव 15 नवंबर से 20 नवंबर के बीच राजधानी में संगीत नाट्य कला अकेडमी तथा भागीदारी भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जनजातीय जीवन की झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से 300 से अधिक जनजातीय कलाकार प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनजाति भागीदारी उत्सव में देश के 22 राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा, असम, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर, बिहार, मिजोरम, मेघालय, पश्चिम बंगाल एवं दिल्ली समेत अन्य देशों के कलाकार भाग लेंगे। इसमें जनजाति कलाकार, हस्त शिल्पी, बुनकर, चित्रकार आदि शामिल हैं। वहीं स्लोवाकिया एवं क्रोएशिया अंतरराष्ट्रीय देश के कलाकार भी उत्सव में भाग लेंगे। जनजातीय कलाकारों के साथ-साथ घुमन्तु जातियों, नट, बहरूपिया एवं भपंग वादन, कच्ची घोड़ी, लॉगमैन, कठपुतली के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में आदिवासी कलाकारों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, परिधान, व्यंजन, जनजातीय खेलों के अतिरिक्त आकर्षक शिल्प से सुसज्जित 100 दुकानों का शिल्प मेला लगाया जाएगा। जनजातीय वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति एवं उनकी प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जनजातीय हस्तशिल्प मेले में फोटो सेशन, लोक नृत्य, लोक कलाओं का अनूठा संगम दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रहेगा। विभिन्न प्रकार की रंगोली एवं झूले आदि लगाये जाने का प्रस्ताव है। जनजाति भागीदारी उत्सव के सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम स्थल के साथ शहर के प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग्स, बैनर, स्टैंड लगवाने एवं एलईडी वैन के जरिये व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा।

महाकुंभ में प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों पर होगा कई भाषाओं में अनाउंसमेंट

प्रयागराज, 07 नवंबर (एजेंसियां)

मानवता की अमूर्त विरासत महाकुंभ 2025 प्रयागराज वासियों के लिए नई-नई सौगात लेकर आ रहा है। राष्ट्रीय और प्रादेशिक स्तर पर डबल इंजन की सरकार ने महाकुंभ को दिव्य-भव्य के साथ-साथ स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम बनाने का लक्ष्य रखा है। इसे ध्यान में रखकर प्रयागराज रेल मंडल महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा देने के सभी संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में प्रयागराज रेल मंडल

महाकुंभ में पहली बार मल्टी लैंग्वेज अनाउंसमेंट करने की व्यवस्था कर रहा है। इससे देश के विविध भाषा बोलने और समझने वाले लोगों को उनकी भाषा में ट्रेनों की जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

महाकुंभ 2025 को सुगम व सुरक्षित महाकुंभ बनाने के डबल इंजन की सरकार के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में प्रयागराज रेल मंडल कोई कसर बाकी नहीं रख रहा है। एक ओर तो रेल मंडल शहर के सभी रेलवे स्टेशनों के विस्तारीकरण व सौंदर्यीकरण के कार्य कर रहा है तो दूसरी ओर श्रद्धालुओं की यात्रा को आसान बनाने के सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रयागराज रेल मण्डल के वरिष्ठ पीआरओ अमित मालवीय ने बताया कि महाकुंभ 2025 में पहली बार रेल मंडल मल्टी लैंग्वेज अनाउंसमेंट करेगा। इसका लाभ देश के कोने-कोने से आने वाले अलग-अलग भाषा बोलने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगा, जिन्हें हिंदी या अंग्रेजी भाषा समक्षने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

वरिष्ठ पीआरओ ने बताया कि रेल मंडल शहर के सभी मुख्य स्टेशनों पर ट्रेनों की मल्टी लैंग्वेज अनाउंसमेंट की व्यवस्था कर रहा है। भारत में भाषाओं की विविधता को देखते हुए हिंदी और अंग्रेजी भाषा के साथ 10 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में अनाउंसमेंट की जाएगी। इनमें गुजराती, मराठी, तमिल, तेलगू, मलयालम, कन्नड़, बंग्ला, असमिया, उड़िया और पंजाबी भाषाओं में अनाउंसमेंट किया जाएगा। इसके लिए रेल मंडल अलग-अलग डिवीजन से अनाउंसर बुला रहा है जो आसानी से अपनी क्षेत्रीय भाषा में अनाउंसमेंट कर सकें। उन्होंने बताया कि अनाउंसमेंट के स्पीकर स्टेशन के प्लेटफार्मों के अलावा आश्रय स्थलों में भी लगाए जाएंगे। यात्रियों को उनके गंतव्य स्थल के हिसाब से आश्रय स्थलों में रोकने की योजना है जिससे की श्रद्धालुओं को कम से कम समस्याओं का सामना करना पड़े और महाकुंभ स्नान के बाद आसानी से अपने घरों को लौट सकें।

मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा

प्रतापगढ़ में श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रतापगढ़, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को प्रतापगढ़ के बेलखरनाथ धाम के निकट करमाही गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए। सीएम योगी यहां पूर्व जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह के आवास पर चल रही कथा का श्रवण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कथा व्यास जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद लिया।

साथ ही उन्हें अंगवस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान डॉ. महेंद्र सिंह के पूर्वजों को पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी ने श्रीमद् भागवत महापुराण को मोक्ष ग्रंथ बताते हुए कहा कि यह कथा मोक्ष अर्थात मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

कार्यक्रम में जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज ने मुख्यमंत्री के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि उत्तर प्रदेश में तीर्थस्थलों के विकास और अयोध्या नगरी के संवर्धन के प्रयासों से प्रदेश को वैश्विक ख्याति प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री ने श्रीमद् भागवत महापुराण कथा को सुनने के अवसर को पावन और सौभाग्यशाली बताया।

उन्होंने जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य जी का अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वामी जी की विद्वता कथा के जरिए समाज की समसामयिक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करती है। उन्होंने यह भी कहा कि हर व्यक्ति के लिए कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करना ही उसकी मुक्ति का मार्ग हो सकता है।

इस अवसर पर डॉ. महेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी कथा व्यास जगतगुरू स्वामी श्री राघवाचार्य और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अंगवस्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, विधायक जीत लाल पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक धीरज ओझा और भाजपा के कई अन्य पदाधिकारी सहित प्रयागराज मण्डल के एडीजी भानु भास्कर, आईजी प्रेम कुमार गौतम, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. दिव्या मिश्रा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

हिंदुओं पर हमले और हत्या से दुखी नूरी ने इस्लाम त्यागा

बहराइच, 07 नवंबर (एजेंसियां)।

बहराइच में दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं पर किए गए हमले और हिंदू युवक की हत्या से दुखी मुस्लिम युवती नूरी ने इस्लाम धर्म त्याग कर सनातन धर्म स्वीकार करने का साहस किया है। उल्लेखनीय है कि 13 सितंबर को बहराइच जिले के महाराजगंज में दुर्गा विसर्जन जुलूस पर इस्लामी कट्टरपंथियों ने हमला किया था और राम गोपाल मिश्रा की नृशंस हत्या कर दी थी।

अंबेडकर नगर जिले की रहने वाली नूरूनेहार उर्फ नूरी ने बहराइच घटना से दुखी होकर पिछले दिनों हिंदू धर्म स्वीकार कर लिया। नूरी ने कहा, मुझे ऐसे मजहब में नहीं रहना जो इंसान को इंसान न समझे। नूरी ने सीतापुर जिले के एक मंदिर में शुद्धिकरण के बाद सनातन धर्म में वापसी की है। अब वह निशा नाम से जानी जाएगी। मंदिर में ही उसे अपने प्रेमी अखिलेश के साथ फेरे भी लिए। इस शादी के मौके पर बाराती और घराती दोनों की भूमिका में राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के सदस्य शामिल थे।

23 साल की नूरी मूल रूप से अंबेडकर नगर जिले की रहने वाली है। उसके पिता का नाम मोहम्मद खलील है। नूरी का कहना है कि बहराइच की घटना के बाद उसका मन इस्लाम से उचट गया। उसके बाद उसने इस्लाम छोड़ घर वापसी का फैसला लिया। नूरी ने अपने फैसले से अखिलेश को अवगत कराया। अखिलेश ने बहराइच हिंसा के दौरान राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना को पीड़ितों की आवाज उठाते सोशल मीडिया पर देखा था। उसने विकास हिंदू से बात की। फिर संगठन के सहयोग से शिव मंदिर में पूरे विधि-विधान के साथ दोनों ने शादी कर ली।

शुद्धिकरण के बाद नूरी और अखिलेश ने एक दूसरे के गले में जयमाला डाली। दोनों ने हवन किया और हिंदू देवी-देवताओं के जयकारे लगाए। इस मौके पर नूरी ने बहराइच हिंसा से व्यथित होकर हिंदू धर्म अपनाने की बात दोहराई। नूरी ने कहा कि हिंदू धर्म में उसको सबसे अच्छी बात ये लगी है कि इसमें कोई भेदभाव नहीं है। हर कोई एक समान है। नूरी अखिलेश के परिवार के साथ बेहद खुश है। वह महादेव शिव, मां काली और दुर्गा की पूजा भी कर रही है। नूरी ने कहा, धर्म बदलने और शादी करने के बाद से उन्हें जान से मार डालने की धमकियां मिल रही हैं।

अयोध्या के दीपोत्सव के बाद अब वाराणसी में देव दीपावली की तैयारी

वाराणसी, 07 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार सनातन धर्म की आभा को पूरे विश्व में प्रसारित रही है। अयोध्या के दीपोत्सव के बाद काशी की देव दीपावली को भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। देव दीपावली पर संस्कृति, विरासत और परंपरा के संरक्षण के साथ ही अब आधुनिकता का समावेश भी दिखेगा। योगी सरकार काशी के ऐतिहासिक घाट की दीवार पर सनातन धर्म के अभिन्न अध्यायों का 3डी प्रोजेक्शन के जरिए चित्रण करेगी। प्रक्रिया के अंतर्गत, चेत सिंह घाट पर 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग लेज़र शो के माध्यम से आधे घंटे का शिव महिमा व मां गंगा के अवतरण पर आधारित शो का आयोजन

होगा । काशी में 15 नवंबर को देव दीपावली मनाई जाएगी। देव दीपावली की शाम उत्तरवाहिनी गंगा के तट के पक्के घाट से लेकर पूर्वी तट तक दीपों की रोशनी में सराबोर होंगे। इसके अलावा कुंडों, तालाबों और सरोवरों के किनारे भी दीपों की रोशनी से जगमग होंगे। काशी में जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए करीब 12 लाख दिये जलाये जायेंगे। श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने उस पार रेत पर ग्रीन आतिशबाजी शो का भी आयोजन होगा जो कि इको-फ्रेंडली होने के साथ ही काशी के आकाश रंग-बिरंगी रोशनी से सराबोर करने का माध्यम बनेगी।

संपादकीय

फेस्टिवल में चल गईं बसें

घाटे का हिमाचल पथ परिवहन निगम फेस्टिवल सीजन में कुछ आर्थिक सांसें लेने में कामयाब रहा, तो इसके मायने गंभीरता से समझने होंगे। सरकारी बसें अगर अक्तूबर में 76 करोड़ कमा सकती हैं, तो अन्य महीनों में कमर क्यों टूट रही है। दरअसल निगम अगर हिमाचली परिवहन की मांग को समझे तथा इसी के अनुरूप चले तो कमाने की व्यवस्था बन सकती है, लेकिन जिस ढर्रे और बुनियाद पर एचआरटीसी अपनी प्राथमिकताएं तय करती है, वहां घाटे के बिखराव में सारी मेहनत बेकार हो रही है। एक बस के ऊपर औसतन जितना स्टाफ व अधिकारी नियुक्त हैं, उसे देखते हुए कोई आदर्श स्थापित करना मुश्किल है। जाहिर है अक्तूबर में अंतरराज्यीय रूटों पर सरकारी बसों ने ज्यादा यात्री ढोए, लेकिन इस सेवा का पूर्ण विकल्प होता, तो कहानी गौण हो जाती। यह इसलिए कि लंबे रूटों पर भी सरकारी बसों का हुलिया बिगड़ा हुआ है। अक्तूबर की कमाई में दूर बैठे हिमाचली की उम्मीदें हैं या लौटने के रास्ते यूं भी कट जाते हैं। हर सप्ताहांत निजी छोटे वाहनों की शेयरिंग कैपेस्टी में, उपलब्ध ऐप कितनी मंजिलें उपलब्ध करा रही है, यह आधुनिक परिवहन का एक सशक्त विकल्प है। रोज निजी वोल्वो पर सवार होता हिमाचल अपने साथ पर्यटन और पर्यटक को जोड़ लेता है। इसलिए अगर अक्तूबर महीना एचआरटीसी को आशाजनक रहा, तो परिवहन की आशा हर दिन प्राइवेट बसों में क्यों बैठती है। अक्तूबर माह विभिन्न प्रदेशों को दौड़ी निजी बसों की कमाई और शुमारी ने खुद को पहली पसंद बनाए रखा तो जाहिर तौर पर, उस हिसाब में परिवहन की क्षमता का लेखा-जोखा भी तो होना चाहिए। प्रमुख पर्यटक स्थलों से निकली वोल्वो बसों ने इस बार भी दिल्ली लूटी है, तो इस प्रतिस्पर्धा में आंसू पौंछ कर कुछ नहीं मिलेगा। खास तौर पर वोल्वो बसों की सरकारी सेवा में हारतीं सीटें, सरकारी बर्ताव, रखरखाव और यात्री सुविधाओं की कमजोरी दिखाई देती है। बेशक एचआरटीसी आम हिमाचली की गाड़ी है, लेकिन पर्यटन की बढ़ती क्षमता में सरकारी बसों की हिस्सेदारी क्यों घट रही है, इसके ऊपर विचार करना होगा। अगर एचपीटीडीसी और एचआरटीसी हाथ मिलाएं तथा दोनों की क्षमता को जोड़ते हुए साझी मार्किटिंग का हुनर दिखाएं, तो पर्यटन के हर पहलू में दोनों का आर्थिक उजाला होगा। मसलन एचआरटीसी के ट्रैवल पैकेज में दिन का भ्रमण अगर परिवहन निगम सुनिश्चित करते हुए रात्रि विश्राम सरकारी होटल में कराए, तो इस युगलबंदी को छूने के लिए निजी क्षेत्र को भी मेहनत करनी होगी। एचआरटीसी के पास तमाम बस स्टैंड कल के मॉल, महापार्किंग स्थल और पर्यटन केंद्र बन सकते हैं, बशर्ते संपत्तियों के इस्तेमाल का नजरिया बदले। एचआरटीसी अपने तौर पर प्रदेश में भोजनालय शृंखला खड़ी करके यात्री और यात्रा के बीच एक अनूठा सामंजस्य पैदा कर सकती है। इसी तरह अंतरराज्यीय मार्गों पर अगर यात्री सुविधाएं प्रदान करने की मिलकीयत में एचआरटीसी निवेश करे, तो सरकारी बसों के साथ भरोसा बढ़ेगा। एचआरटीसी की सफलता के मानक अलग नहीं हो सकते और न ही निजी ट्रांसपोर्ट को देखे बिना यह आगे बढ़ पाएगी। प्रदेश के समूचे परिवहन क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देकर परिवहन निगम का नेतृत्व करने के लिए जनता का विश्वास, नवाचार, ऊर्जा, यात्री संवेदना और व्यापारिक उद्देश्य अर्जित करने पड़ेंगे।

फेस्टिवल सीजन में कुछ आर्थिक सांसें लेने में कामयाब रहा, तो इसके मायने गंभीरता से समझने होंगे। सरकारी बसें अगर अक्तूबर में 76 करोड़ कमा सकती हैं, तो अन्य महीनों में कमर क्यों टूट रही है। दरअसल निगम अगर हिमाचली परिवहन की मांग को समझे तथा इसी के अनुरूप चले तो कमाने की व्यवस्था बन सकती है, लेकिन जिस ढर्रे और बुनियाद पर एचआरटीसी अपनी प्राथमिकताएं तय करती है, वहां घाटे के बिखराव में सारी मेहनत बेकार हो रही है। एक बस के ऊपर औसतन जितना स्टाफ व अधिकारी नियुक्त हैं, उसे देखते हुए कोई आदर्श स्थापित करना मुश्किल है। जाहिर है अक्तूबर में अंतरराज्यीय रूटों पर सरकारी बसों ने ज्यादा यात्री ढोए, लेकिन इस सेवा का पूर्ण विकल्प होता, तो कहानी गौण हो जाती। यह इसलिए कि लंबे रूटों पर भी सरकारी बसों का हुलिया बिगड़ा हुआ है। अक्तूबर की कमाई में दूर बैठे हिमाचली की उम्मीदें हैं या लौटने के रास्ते यूं भी कट जाते हैं। हर सप्ताहांत निजी छोटे वाहनों की शेयरिंग कैपेस्टी में, उपलब्ध ऐप कितनी मंजिलें उपलब्ध करा रही है, यह आधुनिक परिवहन का एक सशक्त विकल्प है। रोज निजी वोल्वो पर सवार होता हिमाचल अपने साथ पर्यटन और पर्यटक को जोड़ लेता है।

सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही

बच्चों में स्क्रीन की बढ़ती लत एक गंभीर समस्या

प्रियंका सौरभ

अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है

महामारी के बाद भारत में बच्चों के लिए स्क्रीन का समय काफ़ी बढ़ गया है, उनके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विकास पर इसके प्रभावों के बारे में चिंताएँ बढ़ रही हैं, जिससे संतुलित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अत्यधिक स्क्रीन समय आमने-सामने की बातचीत को कम करता है, जिससे सामाजिक कौशल विकास में बाधा आती है। 2024 के अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन 3 घंटे से अधिक स्क्रीन समय वाले बच्चों में सामाजिक जुड़ाव का स्तर कम था। स्क्रीन अक्सर पारिवारिक बातचीत की जगह ले लेती है, जिससे पारिवारिक सामंजस्य और साझा अनुभव कम हो जाते हैं। परिवारों को भोजन और बातचीत जैसी गतिविधियों पर कम समय बिताते हुए देखा जाता है, जिससे भावनात्मक जुड़ाव प्रभावित होता है। डिजिटल इंटरैक्शन पर तेजी से निर्भर बच्चे व्यक्तिगत सामाजिक संकेतों और रिश्तों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट है कि किशोरों में उच्च स्क्रीन समय भावनात्मक विनियमन में देरी से सम्बंधित है। स्क्रीन की लत शारीरिक गतिविधियों में बिताए गए समय को सीमित करती है, जिससे गतिहीन व्यवहार होता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट में शहरी बच्चों में बाहरी गतिविधियों में 40% की कमी को दर्शाया गया है। स्क्रीन पर ज़्यादा समय बिताना बच्चों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ा हुआ है। लैंसेट चाइल्ड एंड एडोलसेंट हेल्थ (2024) ने 4 घंटे से ज़्यादा स्क्रीन पर समय बिताने वाले किशोरों में चिंता के लक्षणों में 15% की वृद्धि पाई। तेज़ गति वाली डिजिटल सामग्री के लंबे समय तक संपर्क में रहने से ध्यान अवधि और एकाग्रता के स्तर में कमी आ सकती है। एम्स दिल्ली (2023) द्वारा किए गए अध्ययन बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन उपयोग को एडीएचडी जैसे लक्षणों से जोड़ते हैं। स्क्रीन लाइट के संपर्क में आने से नींद के चक्र प्रभावित होते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं होती और संज्ञानात्मक कार्य कम होता है। इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में बताया

गया कि सोने से पहले स्क्रीन का उपयोग करने वाले 60% बच्चों की नींद का पैटर्न गड़बड़ा गया था। सोशल मीडिया का उपयोग अक्सर आत्म-सम्मान को प्रभावित करता है, खासकर किशोरों में, अवास्तविक तुलना और साइबरबुलिंग के कारण। भारतीय किशोर अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोजर से आत्म-सम्मान सम्बंधी समस्याओं का अनुभव करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चों के माता-पिता के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि वे तकनीक के इस्तेमाल के मामले में सीमाएँ तय करें। यहाँ एक विशेषज्ञ गाइड है जो आपको बताती है कि कैसे स्क्रीन की लत में पदार्थों के समान ही तंत्र होता है, जो डोपामाइन में समान वृद्धि पैदा करता है। स्क्रीन के उपयोग में लगातार वृद्धि के साथ, मस्तिष्क के सर्किट अनुकूल हो जाते हैं और डोपामाइन के प्रति कम संवेदनशील हो जाते हैं। नतीजतन, आप जो देखते हैं वह समान आनंद का अनुभव करने के लिए अधिक उपभोग करने की बढ़ती आवश्यकता है। एक आम ग़लतफ़हमी यह है कि लत एक विकल्प या नैतिक समस्या है। सच्चाई इससे ज़्यादा दूर हो ही नहीं सकती। एक निश्चित बिंदु के बाद, लत एक जैविक समस्या बन जाती है जिसका शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। माता-पिता के लिए हस्तक्षेप करने, सही व्यवहार का मॉडल बनाने और अपने बच्चों को जीवन कौशल के रूप में स्क्रीन प्रबंधन सिखाने की स्पष्ट आवश्यकता है। माता-पिता को बच्चों के स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों से लैस करें। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने माता-पिता के लिए डिजिटल प्रबंधन पर कार्यशालाओं की सिफ़ारिश की है। कम उम्र से ही स्क्रीन का जिम्मेदाराना उपयोग सिखाने के लिए पाठ्यक्रम में डिजिटल वेलबीइंग को शामिल करें। दिल्ली सरकार ने चुनिंदा स्कूलों में डिजिटल साक्षरता सत्र शुरू किए हैं। आयु के आधार पर आधिकारिक स्क्रीन टाइम दिशा-निर्देश विकसित करें और सार्वजनिक अभियानों के माध्यम से उनका प्रचार करें। WHO दिशा-निर्देश विकासात्मक चरणों के आधार पर स्क्रीन टाइम प्रतिबंधों का सुझाव देते हैं। स्वस्थ सामाजिक संपर्क के साथ डिजिटल उपभोग को संतुलित करने के लिए बाहरी और समूह गतिविधियों को प्रोत्साहित करें। खेलो इंडिया पहल बच्चों में शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती है, जिससे स्क्रीन टाइम में अप्रत्यक्ष रूप से कमी आती है। स्कूलों और समुदायों में तकनीक-मुक्त क्षेत्रों और डिजिटल डिटॉक्स कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करें। कुछ स्कूलों ने बच्चों को गैर-डिजिटल गतिविधियों में शामिल होने में मदद करने के लिए "स्क्रीन-फ्री डेज़" शुरू किए हैं। स्क्रीन टाइम के प्रभावी प्रबंधन के लिए परिवारों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं को शामिल करते हुए बहु-हितधारक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। अगली पीढ़ी के समग्र विकास के लिए संतुलित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण होगा, जिससे एक लचीले और समग्र समाज का निर्माण होगा। स्क्रीन की लत एक वास्तविक समस्या है जो महामारी के कारण और भी बढ़ गई है और वयस्कों और बच्चों दोनों को प्रभावित कर रही है। माता-पिता को अपने बच्चे के स्क्रीन उपयोग के पैटर्न के प्रति सतर्क, सक्रिय और संलग्न रहने की आवश्यकता है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की खोज करना और अपने बच्चे की दुनिया के बारे में जानकारी रखना आपको अपनी आशंकाओं के बारे में उनसे बात करने के लिए बेहतर भाषा दे सकता है।

दृश्टि कोण

जड़ भी चेतन है...

विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन की शक्ति के बिना किसी भी वस्तु का निर्माण संभव नहीं है। थोड़ा और आगे बढ़ें तो हम पाते हैं कि प्रोटोन के बिना कोई भी वस्तु रूप-रंग, आकार-प्रकार धारण नहीं कर सकती, भौतिक रूप से प्रकट ही नहीं हो सकती। हम जानते हैं कि प्रत्येक वस्तु और प्राणी की तीन अवस्थाएं हैं : निर्माण, स्थिति और विनाश। स्थिति में परिवर्तन होता है। यदि परिवर्तन न हो तो उसका विनाश संभव नहीं। यदि विध्वंस न हो तो आविर्भूत वस्तु में परिवर्तन नहीं हो सकता, रूपांतरण भी नहीं हो सकता। भौतिक रूप में प्रकट होते ही हम परिवर्तित होने लगते हैं, हम में रूपांतरण होने लगता है और हम नाश की ओर बढने लगते हैं। परिवर्तन महत्वपूर्ण है। यदि कोई भी एक स्थिति बराबर बनी रहेगी और उसमें परिवर्तन नहीं होगा तो प्रकृति में विकृति उत्पन्न हो जाएगी, सृष्टि की मर्यादा भंग होने लगेगी। विकृति उत्पन्न न हो और सृष्टि की मर्यादा भी न भंग हो, इसके लिए परिवर्तन और विध्वंस आवश्यक है। अस्तित्व अपने आपको तीन रूपों में अभिव्यक्त कर रहा है। अस्तित्व की अभिव्यक्ति इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से है। इस ब्रह्मांड की हर वस्तु, हर प्राणी और खुद हम भी अगर इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से ही बने हैं तो फिर फर्क कहां है? और अगर फर्क है ही नहीं तो किसी भी वस्तु या प्राणी से उपेक्षा कैसे हो सकती है, नफरत कैसे हो सकती है? यही कारण है कि पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सब की जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। हम अगर जड़ और चेतन की बात करें तो एक आधारभूत बात को समझे बिना हम सत्य तक नहीं पहुंच सकते। इस सृष्टि में हम मानवों के अलावा पशु-पक्षी, कीट-पतंग, जलचर जीव, पेड़-पौधे आदि भी हैं और हम सब इन्हें 'जीवित प्राणी' मानते हैं, पेड़-पौधों तक को हम जीवित मानते और जानते हैं। अब जरा आगे सोचिए। एक पेड़ तो जीवित है, लेकिन अगर हमने उसकी कोई शाख काट ली, तो हमारी नजरों में वह जीवित पेड़ के बजाय मृत लकड़ी बन गई। पेड़ पर थी, तो जीवित थी, पेड़ से कट कर लकड़ी रह गई तो मृत हो गई। हम ऐसा ही मानते हैं, और इस तथ्य के बावजूद मानते हैं कि कोई भी पदार्थ इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के बिना बन ही नहीं सकता। इस ब्रह्मांड में हमें दिखने वाली हर चीज, जीवित या मृत, इन तीनों में से कम से कम किसी एक का रूप है या वह इनके संयोग से बनी है। विज्ञान हमें यह भी बताता है कि हर अणु अंततः 'ऊर्जा' ही है, एनर्जी ही है। यह ऊर्जा सदैव गतिमान है। पत्थर हो, लकड़ी हो, मिट्टी हो, सब में ऊर्जा है और यह ऊर्जा सदैव गतिमान है, सदैव गति में है। माइक्रोस्कोप की सहायता से हम इन अणुओं की गति देख सकते हैं। अगर पत्थर में, लकड़ी में, मिट्टी में अणु हैं तो उनमें गति है, यानी, जीवन है, यानी, जड़ भी असल में जड़ नहीं है, 'चेतन' है। यही कारण है कि 'सहज संन्यास मिशन' बार-बार इस बात पर जोर देता है कि चूंकि इस ब्रह्मांड की हर वस्तु, हर प्राणी और खुद हम भी इलैक्ट्रॉन, न्यूट्रॉन और प्रोटोन के योग से ही बने हैं तो फिर कहीं भी कोई भी फर्क नहीं है, और अगर फर्क है ही नहीं तो किसी भी वस्तु या प्राणी से उपेक्षा कैसे हो सकती है, नफरत कैसे हो सकती है? भेदभाव खत्म, नफरत खत्म, ऊंच-नीच की भावना खत्म तो हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, निरुद्देश्य। यह प्रेम वैसा ही है जैसा एक मां अपने बच्चों से करती है, उनकी कमियों, गलतियों और अपराधों के बावजूद निश्छल प्रेम – ममतामयी दयालुता, लविंग काइंडनेस। सहज संन्यास मिशन के अनुगामी के रूप में हम सबका मानना है कि दुनिया माया नहीं है, जीवन सपना नहीं है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। आध्यात्मिकता का अर्थ है कि हम सबके प्रति दया का भाव रखें, प्रेम का भाव रखें, जहां तक संभव हो, निस्वार्थ भाव से सहायता करें। हम खुद को बदलें, हमारे अंदर के परिवर्तन से ही सब कुछ बदलेगा। हमारा नजरिया बदलेगा तो हम बदलेंगे। हम बदलेंगे तो परिवार बदलेगा, समाज बदलेगा, देश बदलेगा, दुनिया बदलेगी। जब तक हम खुद नहीं बदलेंगी, हमारी दुनिया नहीं बदलेगी। हमारे संपर्क में आने वाले लोग हमारी दुनिया हैं। हम बदल जाएंगे तो शायद हम उन लोगों में बदलाव ला सकेंगे जो हमारे संपर्क में आते हैं। हम ही नहीं बदले तो बाकी सब बदल भी जाए तो भी हमारे लिए वह बदलाव अर्थहीन ही रहेगा। मार्केटिंग के इस युग में आध्यात्मिकता भी बिक रही है।

कुछ अलग

नए मौसम का नया मिजाज

कल जो हमारे कातिल थे, आज हमारे साथ हुए अपराधों की सजा सुनाने के लिए न्याय का हथौड़ा पीट रहे हैं। उनकी आंखों का रंग बदल गया है। कल तक उनसे खून बरस रहा था, वे रक्तवर्णी हो रही थीं, आज उनसे शांति के पैगाम आ रहे हैं, मानवधर्मी सफेद पताकाएं फहरा रही हैं। शांति कपोतों का मोल बढ़ गया। अपने दोनों हाथों से उन्हें किसी मंच से उड़ाओगे, तो उस मंच की अभ्यर्थना कर रही हजारों की भीड़ गदगद हो जाएगी। लोग लिबास बदलने की तरह अपने मूल्य और आदर्श बदल रहे हैं। इनसानों की बस्तियां जलाने वाले लोग अब फायर ब्रिगेड के जांबाज कर्मचारी बन आग पर पानी की बौछार करते नजर आते हैं। अरे यही तो थे जो कल इस जलती हुई आग पर तेल डालने का काम कर रहे थे, और इसे अपना पुण्य कर्म बता रहे थे। अमानवीयता का सैलाब गुजर गया। पीछे घोंघे, पत्थर, कूड़ा-कर्कट ही नहीं छोड़ गया, कुछ सरकटी लाशें भी छोड़ गया। अजब मंजर था वह। लोग तिरंगे फहरा कर, भारत माता की जय चिल्लाते हुए एक-दूसरे की पीठ में छुरे घोंप रहे थे। अब जब मुखौटा बदलने का वक्त आया तो लोग एक-दूसरे की पीठ थपथपा कर घायलों के जख्मों पर मरहम लगाते देखे जा रहे हैं। दंगों का सैलाब गुजर गया, अब सम्मान पत्र बांटने वाले, या अपना अभिनंदन स्वयं ही करवा लेने वाले सामने आ रहे हैं, कि देखो बंधु, हमने दंगों की इस पीड़ा को अपने बदन पर नहीं, बल्कि अपनी आत्मा पर झेला है। इसीलिए तो फसाद और खून के उन दिनों में हमने घिरे हुए अभागों की भूख-प्यास की सुध ली। उनके अटूट लंगर की कड़ी को टूटने नहीं दिया। हम उन्हें अपनी पीठ थपथपाते हुए देखते रहे कि हां, उत्पाती दिनों में इन लोगों ने दस रुपए की पानी की बाल्टी बीस रुपए में बेची है। वे मुंह मांगी कीमत प्राप्त कर सके, इसके लिए यह भी हो सकता है कि उन अशांत दिनों में उन्होंने पानी की आपूर्ति खुद ही बाधित कर दी हो। अब कारवां गुजर जाने के बाद उसके गुब्बार को पछाडऩे के लिए, जल आपूर्ति से लेकर भूख आपूर्ति तक करते हुए अब समय सारथी बन हर तरह की प्रवंचना से जूझ जाने का संदेश दे रहे हैं। एक चेहरे पर समयानुसार दूसरा चेहरा लगा लेना, और अपनी पीठ खुद ही थपथपा अपने आपको क्रांतिवीर घोषित कर देने का यह उद्घोष हम हर क्षेत्र और हर समय में देखते-सुनते आ रहे हैं। इन दिनों इसका रिवाज कुछ अधिक हो गया है, क्योंकि सुना है जो असल हकदार थे, वे तो इस पहचान और अभ्यर्थना के मेले में लुट गए साहिब, और तमाशबीन दुकानें सजा कर बैठ गए, जहां आपके लिए पुरस्कार से लेकर सम्मान पत्र तक सब नीलाम हो रहे हैं। आधी रात को 'खून का बदला खून' चिल्लाने वाले शूरवीर सुबह होते ही सूरजमुखी बन कर शांति का सूरज उगा देने के पैरोकार बन गए, क्योंकि यह बात तो उनके बड़े-बूढ़े पहले ही बता गए थे, कि बरखुरदार गंगा जाओ तो गंगाराम बन जाओ, और जमना जाओ तो जमना दास बनने की घोषणा कर दो। कालांतर में यह समझ उन्हें दलबदलू बनने की प्रेरणा देती है। अपनी टोपी बदल कर वे कभी शर्मिंदा न हुए, बल्कि इसे आत्मावलोकन कह अपनी समझ का नया पड़ाव हमें समझा इसे न्यायसंगत ठहरा गए। आजकल दलबदलू कानून भी उनका अवरोध नहीं कर पाते। गठजोड़ संस्कृति आ गई है। लोग एक-दूसरे के विरुद्ध कीचड़ उछालते हुए चुनाव लड़ते हैं, बाद में सत्ता पर कब्जा जताने के लिए एक-दूसरे के साथ गठजोड़ करते हुए उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होती।

देश दुनीया से

महंगे सोने-चांदी से सांसत में उपभोक्ता

भारत वर्ष में प्रकाशोत्सव दीपावली का पर्व धूमधाम से संपन्न हो गया। भारत को कभी सोने की चिडिया कहा जाता था। शायद ऐसा बोलने से आशय शताब्दियों पूर्व भारत धनधान्य सोने-चांदी, पशुधन और खाद्य पदार्थों के मामले में विश्व भर में भरपूर सम्पन्न एवं आत्मनिर्भर रहा होगा। भारतीय धर्म संस्कृति एवं स्थानीय रीति-रिवाजों के हिसाब से भारतीयों में सदैव सोने के प्रति दीवानगी एवं आकर्षण पाया गया है। हमारे देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के श्रृंगार में हीरे जवाहरात और सोने के आभूषणों का प्रयोग बहुतायत में देखा जा सकता है। भारतीय महिलाओं द्वारा शादी और धार्मिक अनुष्ठानों अथवा विशेष कार्यक्रमों में आभूषणों द्वारा अपना श्रृंगार करना अभी भी प्रचलन में है। भारत में सोने का आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए किया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में सरकार ने सोने और चांदी पर सीमा शुल्क 15 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया था, तथापि सोने-चांदी के दाम निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस बार धनतेरस पर 36 टन सोने की बिक्री हुई है और इसमें 20 फीसदी का उछाल देखा गया है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार इस धनतेरस पर 28000 करोड़ रुपए के 36 टन सोने की बिक्री हुई है। इस धनतेरस पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने भी लंदन से 102 टन सोना भारत वापस शिफ्ट कर लिया है। आपको बता दें कि सितंबर के अंत में आरबीआई के पास कुल 855 टन सोना था। इसमें से 510.5 टन सोना देश में रखा गया है। आजकल आसमान छूती सोने-चांदी की कीमतों के चलते अपने बच्चों की शादी की तैयारियों में जुटे अभिभावकों में भय और असमंजस का माहौल व्याप्त है। बेहतर रिटर्न के दृष्टिकोण से भी लोग सोने की खरीददारी कर उसमें अपना धन निवेश कर रहे हैं। इस समय सोने में निवेश से 57 फीसदी से ज्यादा रिटर्न भी मिल रही है। वल्र्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक भारत में आम लोगों के पास करीब 25000 टन सोना है, जिसमें से अकेले भारतीय महिलाओं के पास 20000 टन सोना है। भारत में सोने का सालाना उत्पादन पंद्रह सौ किलोग्राम के आसपास है जबकि भारत हर साल 750 टन सोना आयात करता है। सोने के दामों में आगे कोई कमी आएगी, इस पर भी संशय बरकरार है। दुनिया भर में कुल सोने का 48 फीसदी जेवरात के रूप में लोगों के पास है। विश्व भर में अब तक 1 लाख 90 हजार 40 टन सोना निकाला गया है, जिसमें से 01 लाख 26 हजार टन सोना तो केवल 1950 के बाद ही खनन द्वारा उत्पादित किया गया है। इसके अलावा मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस जैसे निजी बैंकों के पास भी 200 टन सोना है। मंदिरों के पास भी करीब 2500 टन सोना है। अकेले तिरुपति स्थित बालाजी मंदिर ट्रस्ट के पास 300 टन सोना होने का अनुमान है। दुनिया में सोने का सबसे बड़ा उत्पादक देश चीन है और इसकी दुनिया के सोने के उत्पादन में 11 फीसदी की हिस्सेदारी है। साल 2023 में चीन ने 370 मीट्रिक टन सोना उत्पादित किया था। विश्व में अन्य प्रमुख सोने के उत्पादक देशों में ऑस्ट्रेलिया, रूस, कनाडा, क्यूबा और फिलीपींस आदि हैं। एसोचैम के अनुसार भारत की सोने की घरेलू मांग सालाना लगभग 900 टन है जबकि उत्पादन मात्र 1500 किलोग्राम के आसपास ही है। वल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ा सकता है और इसके लिए भारत सरकार को लगभग एक अरब डॉलर का निवेश करना पड़ेगा। वहीं गोल्डमाइंस कम्पनी आस्ट्रेलिया के निदेशक निक स्पेंसर का मानना है कि भारत हर साल 100 टन सोने का उत्पादन कर सकता है और इस प्रक्रिया में देश के एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सकता है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने राजस्थान के उदयपुर जिले में सोने के लगभग 11.48 करोड़ टन सोने के भंडार का अनुमान लगाया है। देश का 88.7 फीसदी सोना कर्नाटक के कोलार, धारवाड़, हासन और रायचूर जिलों से निकाला जाता है। कर्नाटक में 17 लाख टन सोने के अयस्क का भंडार है तो वहीं आंध्रप्रदेश, झारखंड और केरल से भी कुछ मात्रा में सोना निकाला जा रहा है। उत्पादन के लिहाज से दुनिया में सोने की सबसे बड़ी खदान उज्बेकिस्तान के मुरुताऊ में है। 2015 में यहां से 61 टन सोना निकाला गया था। विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले दिनों में सोने-चांदी के दामों में और तेजी देखने को मिलेगी। सर्राफा व्यापारियों के अनुसार पहले लंबे समय तक इन कीमती धातुओं के दाम स्थिर रहते थे और खरीददारों में संतुष्टि का भाव रहता था कि जरूरत पडऩे पर खरीद लेंगे। लेकिन बीते कुछ वर्षों से इन धातुओं के अंतरराष्ट्रीय बाजारों और शेयर मार्केट के साथ संबद्ध होने के चलते इनके दामों में तेजी दर्ज की जा रही है। भारत सरकार घरेलू मांग को पूरा करने के लिए 90 फीसदी से ज्यादा सोने का आयात करती है जिस पर बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च होती है। आसमान छूती सोने-चांदी की कीमतों से स्वर्ण कारोबारियों के साथ-साथ शादियों एवं मांगलिक कार्यों हेतु आभूषण खरीदने वाले लोगों की धुकधुकी बढ़ी हुई है। उम्मीद है कि केंद्र सरकार शीघ्र ही आभूषण उद्योग एवं स्वर्णकारों के साथ-साथ घरेलू उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करते हुए सोने-चांदी के दामों को नियंत्रित करने के उपायों पर काम करेगी। यदि आने वाले महीनों में इसी प्रकार सोने-चांदी के दामों में बढ़ोतरी होती रही तो निश्चित रूप से मध्यम एवं निम्न आय वर्ग वाले भारतीयों के लि यह संकट और जोखिम का समय होगा।

आप का नजरीया

मदरसे अवैध नहीं

सर्वोच्च अदालत ने संविधान की ऐतिहासिक व्याख्या करते हुए उप्र के मदरसों को 'संवैधानिक' करार दिया है। इस संदर्भ में उप्र मदरसा शिक्षा अधिनियम, 2004 और उससे जुड़ा बोर्ड भी 'अवैध' नहीं है। यह कानून मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान बनाया गया था। यह न्यायिक फैसला अल्पसंख्यकों के अधिकार के साथ-साथ समता के मौलिक अधिकार और शिक्षा के अधिकार की व्याख्याएं भी करता है। सर्वोच्च न्यायिक पीठ का मानना है कि यह संविधान के मूल ढांचे और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। दरअसल यह फैसला ऐसे देश में मौलिक और महत्वपूर्ण है, जहां अत्यधिक शैक्षिक संस्थान धार्मिक संस्थाओं, संगठनों से संबद्ध हैं। यह अल्पसंख्यक अथवा बहुसंख्यक समुदाय का सवाल नहीं है। यह शिक्षा के बुनियादी दायित्वों और सरोकारों से जुड़ा मामला है। तो फिर मदरसों पर आपत्ति जताते हुए, उनसे संबद्ध कानून को, 'असंवैधानिक' कैसे करार दिया जा सकता है? न्यायिक पीठ ने आकलन करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी भी की है-चूंकि शिक्षण संस्थान या मदरसा किसी अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ा है और उसकी मजहबी शिक्षाओं को भी पढ़ाया जा रहा है, तो इसके मायने ये नहीं हैं कि वह संस्थान 'शिक्षा' की परिधि से बाहर कर दिया जाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को अधिकार दिए गए हैं कि वे अपने शैक्षिक संस्थान स्थापित कर सकते हैं। उसी के तहत मदरसे लगातार खुलते रहे हैं। दरअसल मदरसों को 'आतंकवाद के अड्डे' और 'इस्लाम के प्रचारक संस्थान' करार दिया जाता रहा है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि राज्य सरकार मदरसों के पाठ्यक्रम को नियमित और संशोधित कर सकती है। कुरान के साथ-साथ गणित और विज्ञान जैसे विषय भी पढ़ाए जा सकते हैं, लेकिन मदरसे 'कामिल' और 'फाजिल' (स्नातक, स्नातकोत्तर) की जो डिग्रियां बांटते रहे हैं, वे 'अवैध' हैं, क्योंकि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम के खिलाफ है। आयोग से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय ही ऐसी डिग्रियां देने को अधिकृत हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह फैसला देते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला खारिज किया है, क्योंकि उच्च न्यायालय ने अधिनियम को 'असंवैधानिक' माना था और उप्र के सभी मदरसों को बंद करने का आदेश दिया था। इस सर्वोच्च फैसले से मदरसों में पढऩे वाले 12,34,388 छात्रों का शैक्षिक भविष्य सुरक्षित रह सकेगा और 13,364 मदरसों के अस्तित्व कायम रह सकेंगे। मदरसों में हजारों शिक्षक भी पढ़ाते हैं, लिहाजा वे एकदम बेरोजगार होने से बचेंगे। मदरसों की जमात अलग-अलग है। कोई मदरसा राज्य सरकार से वित्तीय अनुदान प्राप्त करता है, तो कोई ऐसी मदद को 'इस्लाम-विरोधी' मानते हुए नहीं लेते और अपने संसाधनों के बूते ही मदरसे चलाते हैं। फिलहाल उप्र के मदरसा कानून पर सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया है। इसी के आधार पर देशभर के मदरसा बोर्ड और उनके प्रबंधक शीर्ष अदालत तक दस्तक दे सकते हैं।

भारत–दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैचों की टी20आई सीरीज के लिए तैयार है। इस सीरीज के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सूर्यकुमार ने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया, उसके बाद उन्होंने 74 टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 169.48 की स्ट्राइक रेट से 2544 रन बनाए हैं। उनका औसत 42.40 है।

34 वर्षीय ने सबसे छोटे प्रारूप में चार शतक और 21 अर्द्धशतक लगाए हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ टी20आई सीरीज में मेन इन ब्लू का नेतृत्व किया था, जहां उन्होंने तीन पारियों में 37.33 की औसत से 112 रन बनाए थे।

आगामी 20 ओवर की सीरीज में, सूर्यकुमार को भारत–दक्षिण अफ्रीका टी20आई में अग्रणी रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए 107 रनों की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारतीय कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात टी20द्व मैचों में 175.63 की स्ट्राइक रेट से 346 रन बनाए हैं। उन्होंने 20 ओवर के प्रारूप में प्रोटियाज के खिलाफ एक शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। इस बीच, डेविड मिलर 21 मैचों में 156.94 की स्ट्राइक रेट से 452 रन बनाकर शीर्ष स्थान पर हैं।

भारत–दक्षिण अफ्रीका टी20आई में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के अलावा, 34 वर्षीय सूर्यकुमार को टी20आई में सबसे तेज़ 150 छक्के लगाने का मौक़ा भी मिलेगा। 74 टी20आई मैचों और 71 पारियों में सूर्यकुमार ने 44 छक्के लगाए हैं। उन्हें यह उपलब्धि हासिल करने के लिए चार मैचों की टी20आई सीरीज़ में 6 छक्के लगाने होंगे।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज़ 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। गकेबरहा में सेंट जॉर्ज पार्क 10 नवंबर को दूसरे टी20 मैच की मेजबानी करेगा, जबकि तीसरा मैच 13 नवंबर को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में होगा। श्रृंखला 15 नवंबर को वांडरर्स स्टेडियम में चौथे टी20 मैच के साथ समाप्त होगी।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी कबड्डी टीम को हराकर मीरजापुर प्रथम, 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो-खो प्रतियोगिता

मीरजापुर। रिजर्व पुलिस लाइन्स आजमगढ़ में आयोजित 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी क्लस्टर (महिला/पुरुष) कबड्डी, जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो–खो प्रतियोगिता में मीरजापुर की कबड्डी टीम ने (पुरुष वर्ग) प्रथम स्थान प्राप्त किया। खो–खो एवं जिम्नास्टिक में जोन वाराणसी की तरफ से खेलकर क्रमशः तृतीय व प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिजर्व पुलिस लाइन्स आजमगढ़ में छह नवम्बर को आयोजित 29वीं अन्तर जनपदीय कबड्डी क्लस्टर (महिला–पुरुष)कबड्डी, जिम्नास्टिक, फेंसिंग व खो–खो प्रतियोगिता में कबड्डी पुरुष वर्ग में मीरजापुर ने वाराणसी कबड्डी टीम को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। जोन वाराणसी की तरफ से खेले गए खो–खो प्रतियोगिता में गोरखपुर को हराकर वाराणसी जोन को तृतीय स्थान मिला तथा जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में वाराणसी जोन ने 345 अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर अभिनंदन ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अस्मित ने की शानदार गेंदबाजी अखिल इंफ्रा ने एलडीए को हराया

लखलऊ। बाबू बनारसी दास लीग मैच के ए डिवीजन में अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने एलडीए को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में अखिल इंफ्रा के गेंदबाज अस्मित मिश्रा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 26 रन देकर पांच विकेट चटकाए। एलडीए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर के मैच में 188 रन बनाकर आल आउट हो गये। सलामी बल्लेबाज शिवम पांडेय ने 50 रन का योगदान दिया। वहीं सात्विक ने 51 रन बनाये, जबकि आदित्य पांडेय ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं हिमांशु और अल्ताफ मात्र दो–दो रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं अखिल इंफ्रा क्रिकेट क्लब ने तीन विकेट खोकर 189 रन बना लिये और मैच को सात विकेट से जीत लिया। अपनी टीम में सर्वाधिक अजीत वर्मा ने 74 बाल पर 80 रन बनाये। वहीं सलामी बल्लेबाज शिव धीमान ने 45 रन का योगदान दिया। हर्षजीत ने 33 रन बनाये। हर्षित यादव ने 21 रन बनाया।

मुक्केबाज इमान खलीफ ने लिंग संबंधी रिपोर्ट पर की कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने बुधवार को कहा कि ओलंपिक स्वर्ण जीतने के लिए अपनी लिंग योग्यता को लेकर उठे विवाद को दरकिनार करने वाली अल्जीरियाई मुक्केबाज इमान खलीफ, लीक हुए मेडिकल रिकॉर्ड के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर कानूनी कार्रवाई कर रही हैं। इस सप्ताह फ्रांस में प्रकाशित रिपोर्टों में दावा किया गया कि 25 वर्षीय खलीफ में पुरुष गुणसूत्र हैं। अगस्त में पेरिस खेलों में लिंग विवाद तब शुरू हुआ जब खलीफ ने अपने शुरुआती मुकाबले में एंजेला कैरिनी को 46 सेकंड में हरा दिया, इतालवी खिलाड़ी बुरी तरह से नाक में चोट लगने के कारण रोने लगी और मुकाबला छोड़कर चली गई। इसके बाद विवाद पैदा हो गया, जिस पर इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से लेकर हैरी पॉटर की लेखिका जेके राउलिंग तक कई राजनेताओं और हस्तियों ने टिप्पणी की। आईओसी ने एक बयान में कहा, हम समझते हैं कि इमान खलीफ ने ओलंपिक खेलों पेरिस 2024 के दौरान उनकी स्थिति पर टिप्पणी करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है, और नवीनतम रिपोर्टिंग के जवाब में मुकदमा भी तैयार कर रही है। जब तक कानूनी कार्रवाई चल रही है, या असत्यापित दस्तावेजों के बारे में मीडिया रिपोर्टों पर जिनकी उत्पत्ति की पुष्टि नहीं की जा सकती है, आईओसी टिप्पणी नहीं करेगा। आईओसी ने कहा कि खलीफ ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) विश्व चैंपियनशिप और आईबीए–स्वीकृत टूर्नामेंटों सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में महिला वर्ग में कई वर्षों तक भाग लिया है। आईओसी ने कहा कि वह इमान खलीफ को वर्तमान में मिल रहे दुर्व्यवहार से दुखी है। ओलंपिक जीत के बाद अल्जीरिया लौटने पर खलीफ का नायक की तरह स्वागत किया गया था।

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न शुरू

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को भारतीय हॉकी की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक भव्य, साल भर चलने वाले जश्न की शुरुआत की घोषणा की। यह शताब्दी वर्ष भारत में हॉकी के भविष्य के लिए अद्वितीय उत्कृष्टता और दूरदर्शी दृष्टिकोण की एक शताब्दी का ट्रिब्यूट है, जिसे हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के भव्य पुनः लॉन्च और महिला एचआईएल के ऐतिहासिक उद्घाटन के साथ चिह्नित किया गया है।

भारतीय हॉकी का समृद्ध इतिहास

7 नवंबर, 1925 को ऐतिहासिक शहर ग्वालियर में हॉकी के लिए एक राष्ट्रीय निकाय का आधिकारिक रूप से गठन किया गया था। इस निर्णायक क्षण ने विजय और गौरव की एक यात्रा को प्रज्वलित किया जिसने भारत को इस खेल में एक शक्तिशाली देश के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। पिछले 99 वर्षों में भारतीय हॉकी की यात्रा वैश्विक खेलों में बेजोड़ विरासत की गाथा है, जिसमें आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक और एक हॉकी विश्व कप ट्रॉफी, एक रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

प्राकृतिक मैदान पर स्वर्णिम युग से लेकर कृत्रिम सतहों की आधुनिक चुनौतियों तक, भारतीय हॉकी लगातार विकसित हुई है और मजबूत होकर उभरी है, जो लचीलापन और पुनरुत्थान का प्रतीक है। पिछले एक दशक में, भारतीय हॉकी ने पुनर्जागरण का अनुभव किया है। 52 साल के इंतजार के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के ऐतिहासिक बैक–टू–बैक ओलंपिक पदक और टोक्यो ओलंपिक में महिला हॉकी टीम का प्रभावशाली चौथा स्थान और साथ ही एफआईएच नेशंस कप जीत, इस पुनरुद्धार के प्रमाण हैं। इस स्मारकीय वर्षगांठ के साथ हॉकी इंडिया लीग की वापसी, हमारे शानदार अतीत को संरक्षित करने और आगे के रोमांचक भविष्य को अपनाने की हॉकी इंडिया की प्रतिबद्धता का एक जीवंत प्रमाण है।

हॉकी इंडिया की अभूतपूर्व पहल

भारत ने कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और देश भर में अत्याधुनिक कृत्रिम टर्फ के साथ विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास किया है। हॉकी इंडिया ने सदस्य इकाई पोर्टल और ऑनलाइन खिलाड़ी पंजीकरण प्रणाली जैसी डिजिटल पहलों के साथ नवाचार को अपनाया है, जिससे देश में पेशेवर खिलाड़ियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार हुआ है। संरचित कोचिंग शिक्षा मार्ग भी हमारे देश से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अधिकारियों को तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हॉकी इंडिया ने हमेशा खेलों में लैंगिक समानता का समर्थन किया है। हम टूर्नामेंट जीतने वाली पुरुष और महिला टीमों के लिए समान पुरस्कार राशि और सभी लिंगों के लिए मानकीकृत मैच जीतने वाली फीस का गर्व से समर्थन करते हैं। हॉकी देश का एकमात्र टीम खेल है जिसमें पूर्ण वेतन समानता है।

हॉकी इंडिया लीग की वापसी का समय इस शताब्दी समारोह के लिए एक नियोजित ट्रिब्यूट है। महिला हॉकी इंडिया लीग की ऐतिहासिक शुरुआत की विशेषता वाली यह लीग बड़ी, बेहतर और बोल्ड होने वाली है। यह कदम न केवल भारत के हॉकी पुनर्जागरण को प्रदर्शित करेगा, बल्कि सभी एथलीटों को समान अवसर और मान्यता प्रदान करने के लिए हॉकी इंडिया की अटूट प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने इस अवसर पर कहा, जब हम भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो पुरुष हॉकी इंडिया लीग का फिर से शुरू होना और महिला हॉकी इंडिया लीग का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर है। साल भर चलने वाला यह जश्न हमारी उल्लेखनीय यात्रा और हमारी चिरस्थायी विरासत का प्रमाण है। हम इन लीगों में होने वाले रोमांचक मैचों और असाधारण प्रतिभाओं को देखने के लिए उत्साहित हैं, जो उत्कृष्टता की भावना को उजागर करती हैं, जिसने एक सदी से भारतीय हॉकी को परिभाषित किया है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह कहा, भारतीय हॉकी का शताब्दी समारोह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है जो हमारी समृद्ध विरासत और भविष्य के लिए हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है। हॉकी इंडिया लीग की वापसी और महिला लीग का शुभारंभ प्रतिभा को बढ़ावा देने और खेल में समानता को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता में महत्वपूर्ण क्षण हैं। हम उच्च क्षमता वाली हॉकी के एक अविस्मरणीय वर्ष की आशा करते हैं, क्योंकि हम अपने अतीत का ट्रिब्यूट करते हैं और भारत में खेल के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण करते हैं।

यह शताब्दी समारोह भारतीय हॉकी की उत्कृष्टता की एक शताब्दी के लिए एक भव्य ट्रिब्यूट है, तथापि यह अगले सौ वर्षों के गौरव और विजय के लिए एक प्रक्षेपण मंच भी है।

केसी कार्टी ने रचा इतिहास वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में हराया, श्रृंखला 2-1 से जीती

ब्रिजटाउन, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

कैरेबियाई बल्लेबाज केसी कार्टी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने वाले सिंट मार्टेन द्वीप पर जन्मे पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह उपलब्धि, बारबाडोस में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय मैच में हासिल की। वेस्टइंडीज ने यह मैच आठ विकेट से जीता। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने 3 मैचों की एकदिनी श्रृंखला 2-1 से जीत ली।

कार्टी ने 114 गेंदों पर नाबाद 128 रनों की पारी खेली, जिससे वेस्टइंडीज ने केंसिंग्टन ओवल में सात ओवर शेष रहते इंग्लैंड के 263/8 के स्कोर को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। यह कार्टी का वेस्टइंडीज के लिए 50वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उनका पहला शतक भी था, कार्टी ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और दो बड़े छक्के लगाए।

मैच में टॉस जीतने के बाद वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट (108 गेंदों पर 74 रन, 4 चौके और 1 छक्का) ने थ्री लॉयन्स को शानदार शुरुआत दिलाई। विकेटकीपर–बल्लेबाज इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। मध्य क्रम में, मेहमान टीम साझेदारी बनाने में विफल रही और स्कोरबोर्ड पर केवल 263/8 रन ही बना सकी। मैथ्यू फोर्ड ने कैरेबियाई गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई की और 35 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

रन चेज के दौरान, ब्रैंडन किंग (117 गेंदों पर 102 रन, 13 चौके और 1 छक्का) और केसी कार्टी (114 गेंदों पर 128 रन, 15 चौके और 2 छक्के) ने शानदार प्रदर्शन किया और विंडीज को आठ विकेट से जीत दिलाई। रीस टॉपली और जेमी ओवरटन ही ऐसे गेंदबाज़ थे जो इंग्लैंड के लिए विकेट लेने में कामयाब रहे।

दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार

कोच्चि, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण भारतीय प्रतिद्वंद्वी केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी आज शाम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024–25 में रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार हैं। केरला ब्लास्टर्स और हैदराबाद एफसी अपने पिछले मुकाबले क्रमशः मुम्बई सिटी एफसी और मोहन बागान सुपर जायंट से हारे हैं तथा अंक तालिका में 10वें और 11वें स्थान पर हैं। लिहाजा, यह मैच दोनों टीमों के लिए खामियां दुरुस्त करने और अपने–अपने अभियान को वापस पटरी पर लाने का मौका होगा।

ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 14 आईएसएल मैचों में प्रत्येक में गोल किया है। उनमें से आठ मुकाबलों में उन्होंने कम से कम दो बार गोल किया है। ब्लास्टर्स ने अपने पिछले 18 आईएसएल मैचों में कोई क्लीन शीट नहीं रखी है। यह लीग में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे लंबा सिलसिला है।

अपने पिछले अवे मैच में मोहम्मडन स्पोर्टिंग पर 4–0 से जीत से हैदराबाद एफसी को अनजान परिस्थितियों में मजबूत प्रदर्शन का हौसला मिलेगा, जो कि ब्लास्टर्स के खिलाफ काम आएगा।

हैदराबाद एफसी ने घर से बाहर अपने पिछले नौ मैचों में से सात में कम से कम एक गोल खाया है और उन सभी मैचों में हारे हैं। लिहाजा, उसे तीन अंक हासिल करने के लिए रक्षात्मक अनुशासन बनाए रखना होगा।

केरला ब्लास्टर्स एफसी के स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टेहरे के अनुसार, उनकी टीम को अधिक जागरूक होने और अंतिम सीटी बजने तक अपनी योजनाओं पर बने रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ मैच में बने रहना चाहिए था। हमें निर्णायक पलों से सीखना होगा। जाहिर है कि हमें खुद को फाउल, येलो और रेड कार्ड से बचना है। हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो का मानना है कि इस समय अंक तालिका में कड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही है और इसलिए टीम को कुछ माकूल परिणामों के साथ तालिका में ऊपर आने को लेकर आशावादी रहना चाहिए।

प्रो पंजा लीग दिसंबर में करेगा मिजोरम मेगा मैचों का आयोजन

आइजोल, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रो पंजा लीग ने मिजोरम के खेल मंत्री लालंगिंगलोवा हमार की मौजूदगी में दिसंबर 2024 के दूसरे भाग में पहाड़ी शहर आइजोल में भारत भर के आर्मरेसलरों की एक विस्तृत सीरीज की विशेषता वाले एक मेगा इवेंट की घोषणा की है।

मेगा मैचों की शुरुआत प्रसिद्ध मिजो आर्मरेसलर डेनिक लालरुअट्टलुआंगा वांगछिया से होगी, जो एक अंतरराष्ट्रीय आर्मरेसलर के खिलाफ खेलेंगे। डेनिक ने हाल ही में एशियाई आर्मरेसलिंग कप में स्वर्ण पदक जीतकर और भारत को कजाकिस्तान के बाद उपविजेता बनाने में मदद करके सुर्खियाँ बटोरी हैं। प्रो पंजा लीग ने डेनिक को टूर्नामेंट का भारतीय खिलाड़ी भी चुना और उन्हें सम्मानित किया गया तथा 35,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

लालनघिंगलोवा हमार ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हम आइजोल विंटर फेस्टिवल में प्रो पंजा लीग मेगा मैच मिजोरम संस्करण की मेजबानी कर रहे हैं। इससे हमारे बेहतरीन मिजो आर्मरेसलर्स को दुनिया के सामने लाने में मदद मिलेगी और यह मिजोरम में आर्मरेसलर्स की एक पूरी पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

प्रो पंजा लीग के संस्थापक परवीन डबास ने हमार को उनके समर्थन और लीग को मिजोरम में एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया।

परवीन ने कहा, यह मिजोरम में होने वाले सबसे बेहतरीन और सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक होने जा रहा है। हम इस अवसर के लिए आभारी हैं और हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे कि यह आयोजन एक बड़ी सफलता हो। पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने भी अपना उत्साह व्यक्त किया और कहा, पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया एम को इस आयोजन का हिस्सा बनने पर गर्व है और हमें यकीन है कि यह यहाँ से और भी अधिक सफल होने जा रहा है। आयोजन की अंतिम तारीखें जल्द ही घोषित की जाएंगी।

डब्ल्यूबीबीएल टीम ऑफ द डिकेड के लिए 50 खिलाड़ियों की सूची में शामिल हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

कप्तान हरमनप्रीत कौर महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) की दशक की टीम के लिए तैयार की गई 50 खिलाड़ियों की सूची में भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिसे गुरुवार को जारी किया गया। सूची में ऐसे क्रिकेटर शामिल हैं, जिन्होंने इस सीजन से पहले कम से कम 60 डब्ल्यूबीबीएल मैच खेले हैं। विशेषज्ञों के चयन पैनल द्वारा सार्वजनिक मतदान को ध्यान में रखते हुए सूची को 12 खिलाड़ियों तक सीमित किया जाएगा। बिग बैश ऐप पर 11-24 नवंबर के बीच सार्वजनिक मतदान खुला रहेगा।

दशक की टीम डब्ल्यूबीबीएल के 10 साल के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों को सम्मानित करेगी।

चयन पैनल की अध्यक्षता क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के निदेशक क्ले स्मिथ कर रहे हैं, और इसमें मेल जोन्स, लिसा स्टालेकर, मैथ्यू मॉट, क्वेंटिन हल, लॉरा जॉली और एलिस्टेयर डॉब्सन भी शामिल हैं।

सार्वजनिक मतदान को समान महत्व दिया जाएगा और फिर पैनल उन वोटों की समीक्षा करेगा और अपने स्वयं के चयन के साथ मिलकर 12 खिलाड़ियों वाली टीम को अंतिम रूप देगा, जिसकी घोषणा 1 दिसंबर को डब्ल्यूबीबीएल 10 के फाइनल में की जाएगी। लीग के नियमों के अनुसार अंतिम एकादश में अधिकतम तीन विदेशी खिलाड़ी होंगे।

दशक की डब्ल्यूबीबीएल टीम के लिए शॉर्टलिस्ट किये गए 50 खिलाड़ियों की सूची–

सारा एली, सामंथा बेट्स, सूजी बेट्स (अंतरराष्ट्रीय), एलेक्स ब्लैकवेल, निकोल बोल्टन, निकोला कैरी, लॉरेन चीटल, सारा कॉयटे, हन्ना डार्लिंगटन, सोफी डिवाइन (अंतरराष्ट्रीय), मिग्नॉन डू प्रीज़ (अंतरराष्ट्रीय), जेस डफिन, रेने फैरेल, एशले गार्डनर, हीथर ग्राहम, निकोला हैंकॉक, ग्रेस हैरिस, लॉरा हैरिस, राचेल हेन्स, एलिसा हीली, सैमी–जो जॉनसन, जेस जोनासेन, मारिजान कप्प (अंतरराष्ट्रीय), हरमनप्रीत कौर (अंतरराष्ट्रीय), डेलिसा किमिन्स, अलाना किंग, हीथर नाइट (अंतरराष्ट्रीय), मेग लैनिंग, लिजेल ली (अंतरराष्ट्रीय), कैटियन मैक, हेले मैथ्यूज (अंतरराष्ट्रीय), ताहलिया मैकग्राथ, टेगन मैकफर्लिन, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, रेचल प्रीस्ट (अंतरराष्ट्रीय), जॉर्जिया रेडमायने, एमी सैटरथवेट (अंतरराष्ट्रीय), मेगन शुट्ट, नताली साइवर–ब्रंट (अंतरराष्ट्रीय), मौली स्ट्रानो, एनाबेल सदरलैंड, स्टेफनी टेलर (अंतरराष्ट्रीय), डेन वैन नीकेर्क (अंतरराष्ट्रीय), एलीस विलानी, जॉर्जिया वेयरहैम, अमांडा–जेड वेलिंगटन, लौरा वोल्वार्ड्ट (अंतरराष्ट्रीय), डैनी व्याट–हॉज (अंतरराष्ट्रीय)।

शुभ लाभ

घरेलू सर्राफा बाजार में बढ़ी सोने की चमक, चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली, 7 नवंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का रुख नजर आ रहा है। इस कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये से लेकर 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 73,810 रुपये से लेकर 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बना हुआ है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 95,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,410 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने की वजह से सोना महंगा हुआ है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंदू राज कायम...

हेमू दिल्ली के सिंहासन पर बैठने वाले अंतिम हिंदू सम्राट थे। वे अद्वितीय योद्धा एवं कुशल रणनीतिकार थे। उन्हें मध्ययुग का नेपोलियन कहा जाता है। बीते पांच नवंबर को उनकी पुण्यतिथि थी। लेकिन हेमू की सुध उन लोगों ने भी नहीं ली जो हिंदुओं के अलमबरदार बने फिरते हैं।

हेमू का जन्म 1501 ईस्वी में राजस्थान के अलवर क्षेत्र में राजगढ़ के निकट माछेरी ग्राम में के एक साधारण परिवार में हुआ था। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि हेमू बिहार के सासाराम के रहने वाले थे। साधारण परिवार में जन्म लेकर एक व्यापारी से वजीर (प्रधानमंत्री) और सेनापति होते हुए उन्होंने दिल्ली के ताज तक का सफर उन्होंने अपने पराक्रम से हासिल किया। हेमू ने अपने जीवन में 22 लड़ाइयां लड़ीं और विजयी रहे। आगे चलकर उन्होंने विक्रमादित्य की उपाधि धारण की। हेमू का उद्भव ऐसे समय में हुआ, जब हिंदुस्तान में मुगल एवं अफगान दिल्ली की सत्ता हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। वे दिल्ली की सत्ता हासिल करने में सफल रहे, लेकिन यह अधिक समय तक कायम नहीं रही। भारतीय इतिहास की यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

हेमू का परिवार किराने का काम करता था। हेमू जब बड़े हुए तो वे भी अपने परिवार के व्यवसाय शामिल हो गए। अकबर के जीवनीकार अबुल फजल ने उन्हें फेरीवाला कहा है, जो रेवाड़ी की गलियों में नमक बेचा करते थे। उन दिनों ईरान-इराक से दिल्ली के मार्ग पर रिवाड़ी महत्वपूर्ण नगर था। उन्होंने शेरशाह की सेना को रसद और जरूरी सामग्री पहुंचानी शुरू कर दी थी। हेमू युद्ध में काम आने वाले शोरा भी बेचने लगे थे। इसके कारण वे शेरशाह सूरी के बेटे इस्लाम शाह की नजर में आ गए। आगे चलकर वे शेरशाह के विश्वासपात्र बन गए। शेरशाह की 22 मई 1545 को मौत हो गई। उसके बाद इस्लाम शाह ने हेमू को शानाये मण्डी, दरोगा-ए-डाक चौकी तथा प्रमुख सेनापति के साथ-साथ अपना सलाहकार बना दिया। यह स्थान ब्रह्मजीत गौड़ नाम के एक ब्राह्मण को हासिल था।

सन 1552 में इस्लाम शाह की मौत हो गई। इस्लाम शाह की मौत के बाद उसके दो साल के बेटे फिरोज खान को शासक बनाया गया, लेकिन उसके मामा मुबारक शाह उर्फ आदिल शाह ने उसकी हत्या कर दी। भोग-विलास में डूबे आदिल शाह के समय हर तरफ अराजकता फैल गई। इसके बाद आदिल शाह ने हेमू को प्रधानमंत्री तथा अफगान सेना का मुख्य सेनापति बना दिया। इस बीच बाबर का बेटा हुमायूं 1555 में भारत लौटा और दिल्ली पर हमला कर दिया। आदिल शाह ने हेमू को लड़ाई के लिए भेजा और खुद चुनार भाग गया। अब सूरी वंश चार भागों में बंट गया था, जिसका एक हिस्सा आदिल शाह के अंतर्गत था। 26 जनवरी 1556 को हुमायूं की मौत हो गई और अकबर को गद्दी मिली। उस समय अकबर की उम्र 13 साल थी। बैरम खां को उसका अभिभावक नियुक्त किया गया।

हेमू ने इसे एक महत्वपूर्ण मौका माना। उन्होंने आगरा के मुगल गवर्नर इसकंदर खां उजबेग को पराजित किया और शहर को कब्जे में ले लिया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली का रुख किया। दिल्ली का मुगल गवर्नर तारीफ बेग खां अत्यधिक घबराकर बैरम खां से सेना भेजने का आग्रह किया। सेनापति पीर मोहम्मद शेरवानी के नेतृत्व में आई मुगल सेना को हेमू ने 6 अक्टूबर 1556 को तुगलकाबाद में बुरी तरह परास्त किया।

इस तरह 7 अक्टूबर 1556 को हेमू ने दिल्ली सिंहासन पर कब्जा कर लिया। इस तरह से एक भारत के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। उनका दिल्ली के पुराने किले, जिसे पांडव निर्मित किला कहा जाता है, में राज्याभिषेक हुआ। दिल्ली की गद्दी बैठते ही उन्होंने कई घोषणाएं कीं, जिनमें से एक गोहत्या पर प्रतिबंध भी था।

सम्राट के रूप में हेमचंद्र ने घोषणा की कि उनके राज्य में गोहत्या पर प्रतिबंध होगा और जो इस आज्ञा का पालन नहीं करेगा, उसका सिर काट लिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने दूसरी घोषणा भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारियों को हटाने की की। उन्होंने शासन प्रशासन से लेकर वाणिज्य तक, हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए। अब हेमू का अगला लक्ष्य मुगलों और अफगानों को भारत से खदेड़ने का था। उन्होंने इसकी तैयारी शुरू कर दी। दिल्ली में हार का समाचार सुनकर बैरम खां बौखला गया। उस समय पंजाब के जालंधर में बैरम खां अकबर के साथ था। अकबर वापस काबुल जाना चाहता था, लेकिन बैरम खां इस हार को पचा नहीं पा रहा था। हार की जानकारी देने टारडी खां दिल्ली से भाग कर अकबर के ख़ेमें में गया तो बैरम खां ने उसका सिर काट दिया। बैरम खां ने कहा कि इससे लोगों को सबक मिलेगा कि युद्ध से भागने का क्या अंजाम होता है।

उधर हेमू को पता चला कि बैरम खां हमले की योजना बना रहा है तो उन्होंने अपनी तोपें पानीपत की तरफ भेज दीं। बैरम खां ने भी अली कुली शैबानी के नेतृत्व में 10,000 सेना पानीपत की भेज दिया। हेमू की सेना में 30,000 अनुभवी घुड़सवार और 500 से 1500 के बीच हाथी थे। हाथियों की सूढ़ों में तलवारें और बरछे बंधे हुए थे और उनकी पीठ पर युद्ध कौशल में पारंगत तीरंदाज सवार थे।

6 नवंबर 1556 की पानीपत की दूसरी लड़ाई के नाम से मशहूर इस लड़ाई में सिर में किसी ने कवच नहीं पहना था। वे हाथी पर बैठकर सेना का लगातार जोश बढ़ा रहे थे। यह लड़ाई बहुत भयंकर थी। हेमू के हमले से मुगल सेना बिखर गई थी। बदायूंनी ने अपनी किताब मुंतखब-उत-त्वारीख में इसका जिक्र किया था। हेमू अपनी जीत के करीब थे। इस बीच कुली शैबानी के सैनिक हेमू की सेना पर लगातार तीरों की बौछार कर रहे थे। इन्हीं में से एक तीर उनकी आंख में जा धंसा। हरबंस मुखिया अपनी किताब द मुगल्स ऑफ इंडिया में मोहम्मद कासिम फरिश्ता के हवाले से लिखते हैं कि तीर लगने पर भी हेमू ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपनी आंख तीर निकाला और रुमाल से ढंक कर लड़ना जारी रखा।

हालांकि, अत्यधिक खून बहने के कारण हेमू बेहोश होकर अपनी हाथी के हौदे में गिर गए। इस बीच कुली शैबानी ने बिना महावत के एक हाथी को घूमते हुए देखा तो उसने एक व्यक्ति को उस पर चढ़कर देखने के लिए कहा। जब वह व्यक्ति हाथी पर चढ़कर देखा तो उसमें एक व्यक्ति बेहोश दिखा। वह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि हेमू थे। इसके बाद शैबानी उस हाथी को हांक कर अकबर के पास ले गया। इसकी जानकारी मिलते ही हेमू की सेना के हताशा छा गई और मुगल सेना खुशियां मनाने लगी। उधर, हेमू को जंजीरों से बांधकर अकबर के सामने पेश किया। बैरम खां ने अपनी तलवार से हेमू का सिर काट दिया। उनका सिर काबुल भेजा गया और धड़ को दिल्ली दरवाजे पर लटका दिया गया। हेमू के पुराने घर माछेरी पर आक्रमण कर लूटमार की गई। उनके 80 वर्षीय पिता पूरनदास के साथ-साथ कई रिश्तेदारों को इस्लाम में धर्म परिवर्तन करने के लिए कहा गया।

जब सम्राट हेमचंद्र के परिजन और रिश्तेदार नहीं माने तो उनका कत्ल कर दिया गया। इससे एक मीनार बनाई गई। इस मीनार की पेंटिंग अकबरनामा में भी है। इस तरह हेमू एक शूरवीर की तरह युद्ध क्षेत्र में वीरगति को प्राप्त हो गए और 29 दिन के उनके शासन का अंत हो गया। विन्सेंट ए स्मिथ अकबर की जीवनी में लिखते हैं, क्षत्रिय (राजपूत) नहीं होने के बावजूद हेमू ने युद्ध के मैदान पर अपना यौद्धत्व प्रदर्शित किया और शहीद हो गए। ऐसे महापुरुष की समाधि पर बनी हुई दरगाह पूरी भारतीय संस्कृति और इतिहास का खुला अपमान ही तो है।

घातक हैं वक्फ...

सीपीएम विधायक ने कहा, वक्फ बोर्ड को कांग्रेस सरकार द्वारा असीमित शक्तियां देना सबसे बड़ी चूक थी। गौरतलब है कि वक्फ बोर्ड के मनमाने दावे के कारण ईसाई बहुल मुनंबम के 610 लोगों की सम्पत्तियां खतरे में हैं। लोग वक्फ के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं।

जम्मू कश्मीर को...

भाजपा विधायकों ने हंगामा शुरू किया और मामला हाथापाई तक उतर आया। विधानसभा में तैनात मार्शल सदन में बैनर लहराते विधायक को रोकने के बजाय उसे प्रोटेक्स किया और बैनर छीनने की कोशिश कर रहे भाजपा विधायकों को रोका। विधानसभा अध्यक्ष ने भी भाजपा के सदस्यों को ही विधानसभा से बाहर निकालने का आदेश मार्शलों को दिया। हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी। हाथापाई में भाजपा के कई विधायकों को चोटें आई हैं।

हंगामा तब शुरू हुआ जब विधायक खुर्शीद अहमद शेख अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग वाला बैनर प्रदर्शित करना शुरू कर दिया। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने इस पर आपत्ति जताई। बैनर को देखकर भाजपा के विधायक भड़क गए और उन्होंने उनके हाथ से बैनर छीनने की कोशिश की। इस कोशिश में खुर्शीद को संरक्षण दे रहे मार्शलों, अन्य विधायकों और भाजपा विधायकों के बीच खूब गुत्थमगुत्था हुई। भाजपा विधायकों ने बैनर छीन कर उसे फाड़ डाला। इस पर सदन में हाथापाई शुरू हो गई और जमकर हंगामा हुआ। सदन में हंगामे के बाद पहले विधानसभा की कार्यवाही 20 मिनट के लिए स्थगित हुई, लेकिन स्थगन के बाद भी जब हंगामा नहीं रुका तो कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच मार्शलों के जरिए भाजपा विधायकों को सदन से बाहर निकालने की भी कार्रवाई की गई। कश्मीर विधानसभा में कल से जारी हंगामे के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और अवामी इतिहाद पार्टी के विधायकों ने आज विधानसभा में जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को बहाल करने की मांग करते हुए एक नया प्रस्ताव पेश कर दिया।

जम्मू कश्मीर गोरखा सभा की अध्यक्ष करुणा छत्री के नेतृत्व में महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों गोरखाओं ने प्रस्ताव पारित होने पर नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार और कश्मीर-केंद्रित नेतृत्व के खिलाफ विरोध रैली निकाली। बुधवार को पारित प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करने की मांग की गई थी जो पहले अब निरस्त अनुच्छेद 370 में दिया गया था। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इससे उन्हें नागरिकता के अधिकार से वंचित किया जा सकता है।

अब जम्मू कश्मीर

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कहा, मैं इंडी गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहती हूं कि कांग्रेस, एनसी (नेशनल कॉन्फ्रेंस) को संसद और सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवहेलना और अपमान करने का अधिकार किसने दिया? मैं इंडी गठबंधन के नेताओं को यह इत्मीनान करना चाहती हूं कि अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं किया जाएगा। इंडी गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर में भारतीय संविधान का गला घोंटने की हिमाकत की है। कल इंडी गठबंधन ने जो प्रस्ताव पारित किया है, उसके तहत वे जम्मू-कश्मीर में भारत के संविधान के खिलाफ एक नई जंग लड़ते दिख रहे हैं। आज मैं इंडी गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहती हूं कि संसद और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले जो सबको स्वीकार्य है, उसका अपमान और अवहेलना करने का अधिकार कांग्रेस, एनसी को किसने दिया? मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद आदिवासी समाज को जो अधिकार मिले हैं, क्या उसके खिलाफ कांग्रेस-एनसी सरकार खड़ी होगी? दलितों और पिछड़े समाज को जो अधिकार मिले हैं, क्या उसके खिलाफ कांग्रेस-एनसी सरकार खड़ी होगी? कल का प्रस्ताव उग्रवाद और आतंकवाद के समर्थन में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेताओं के रणनीतिक समर्थन को दर्शाता है। लोकतांत्रिक तरीकों से चुनी गई सरकार विकास के मुद्दों पर काम करने के बजाय भारत को जोड़ने के बजाय तोड़ने का सबूत दे रही है। मैं कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं से कहना चाहती हूं कि अनुच्छेद 370 कभी पुनर्स्थापित नहीं होगा, भारत को विभाजित करने का उनका प्रयास कभी सफल नहीं होगा।

महाकुंभ में 370...

महेंद्रानंद ने अब तक अलग-अलग वर्ग के 907 लोगों को संन्यास दीक्षा दिलाई है। इसमें 370 संन्यासी दलित समाज के हैं। इन सभी को सनातन धर्म की शुचिता-शुद्धता और आचार के बारे में प्रशिक्षित भी किया गया है। कर्मकांड की भी उन्हें जानकारी दी गई है। स्वामी महेंद्रानंद खुद दलित समाज से हैं। वह बताते हैं कि सनातन धर्म को संरक्षित करने के लिए देश ही नहीं दुनिया भर से वंचितों को जोड़ा जा रहा है। ऐसे 907 संतों में 370 दलित समाज से हैं। यह सभी दलित संत महाकुंभ में आएंगे। पट्टाभिषेक के बाद इनको महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, पीठाधीश्वर, श्रीमहंत, थानापति सहित अन्य पदों पर आसीन कराया जाएगा।

यमुना तट स्थित मौजगिरि मंदिर परिसर में चार माह पूर्व दलित संत कैलाशानंद को महामंडलेश्वर बनाया गया था। महेंद्रानंद गिरि बताते हैं कि इस दौर में कोई भी मजहब या पंथ हो, सभी के निशाने पर सनातन को मानने वाले लोग हैं। ऐसे में सनातनियों को जागरूक करने और आने वाली पीढ़ियों को उसकी प्राचीनता और उसके महत्व से परिचित कराया जाना चाहिए।

प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान बड़ी संख्या में दलितों को संत दीक्षा पद दिया जाएगा। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर महेंद्रानंद गिरि ने 907 लोगों से संपर्क किया, जिसमें 370 दलित चुने गए हैं। इन सभी को महाकुम्भ में पदवी दी जाएगी। स्वामी महेंद्रानंद गिरि ने बताया कि श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के संरक्षक और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी हरि गिरि के सानिध्य में आने के बाद और उनकी प्रेरणा से सनातन धर्म के लिए कार्य शुरू किया। इसके लिए वो सनानत धर्म का प्रचार कर रहे हैं।

इन सभी को महाकुम्भ में अलग-अलग जिम्मेदारी दी जाएगी जिसमें महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंत, पीठाधीश्वर, श्रीमहंत, थानापति सहित अन्य पद हैं। उन्होंने बताया कि मौजगिरि आश्रम में करीब चार माह पूर्व दलित कैलाशानंद को महामंडलेश्वर बनाया गया था।

गुजरात के जूनागढ़ में भगवान गिरिनार की परिक्रमा के साथ चार दिवसीय समागम 12 नवंबर से शुरू होगा। यह समागम 16 नवंबर तक चलेगा। इस परिक्रमा में देश से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। चार दिवसीय गिरिनार की परिक्रमा के विशाल मेले में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु भंडारे में प्रसाद ग्रहण करेंगे। मेला आयोजन समिति के व्यवस्थापक गुजरात पीठाधीश्वर महेंद्रानंद गिरि ने बताया कि भगवान गिरिनार की परिक्रमा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति के साथ सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि यह स्थली भगवान श्रीकृष्ण की लीला भूमि रही है, ऐसे में देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु परिक्रमा में शामिल होने के लिए जूनागढ़ आएंगे।

महत्वपूर्ण मंदिरों...

राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता रहे गोरखनाथ धाम के पीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ ने मठ-मंदिरों में दलित जातियों के लोगों का प्रवेश सुनिश्चित कराया था। उन्होंने अयोध्या के श्रीराम मंदिर के शिलान्यास की पहली ईंट एक दलित से ही रखवाई थी। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में लखना कस्बे में यमुना नदी के किनारे स्थित पुरातन मंदिर में 200 वर्षों से दलित पुजारी होते आए हैं। वहां के शासक जसवंत राव ने इस परंपरा की शुरुआत कराई थी। देश में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं।

सनातन धर्म की...

हर हिंदू देश निर्माण में अपना धर्म निभाए। उन्होंने कहा कि तमाम ताकतें अयोध्या में राम मंदिर बनने में अड़ंगा लगा रही थीं, लेकिन भगवान की ताकत के आगे कोई नहीं है। साढ़े पांच सौ साल बाद आखिरकार सत्य और धर्म की जीत हुई। अब हर मन में अयोध्या बनाना है। इसी प्रकार संघ को भी शुरुआत के दिनों में खाने-पीने व रहने, बैठक को लेकर कठिन संघर्ष करना पड़ा, लेकिन आज स्थिति बदल गई है।

सनातन धर्म विरोधी देशों के खिलाफ भारत एकजुट होकर संघर्ष कर जीत की ओर बढ़ता रहेगा। भारत सबको जोड़ने वाला देश है। युग तुलसी पं. रामकिंकर उपाध्याय की जन्म शताब्दी कार्यक्रम में स्वामी चिदानंद महाराज ने कहा कि पूरी दुनिया में रामचरित मानस और गीता का छोटा गुटका सबसे उपयोगी है। विदेशों में कथा होना इसका प्रमाण है कि सनातन धर्म हर जगह है। आज देश में एकरूपता की नहीं है बल्कि एकात्मता की जरूरत है। उन्होंने प्रसिद्ध संत-महंतों की आपस में एक दूसरे की बुराई करने को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम और ईसाई गुरु कभी अपने समाज के अन्य संतों की बुराई नहीं करते। यही हमको भी करना चाहिए। कोई समस्या हो तो आपस में बैठकर बात करें, लेकिन बुराई न करें। आज नारों से देश को चलाने का प्रयास हो रहा है यह ज्यादा लंबे समय तक संभव नहीं है। संस्कृति से देश आगे बढ़ता है। चुनाव से पहले दल अलग-अलग होने चाहिए, लेकिन चुनाव के बाद देश सबसे ऊपर होना चाहिए। सनातन धर्म बचाइये तो सब बचेगा।

वर्ग समापन पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पदाधिकारियों में जोश भरते हुए कहा कि नई उम्मीद और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एकजुट हो जाएं। किसी से डरने या अन्याय सहने की जरूरत नहीं है। विश्व में हमेशा धर्म व अधर्म रहे हैं। धर्म के पक्ष में ही खड़े रहना चाहिए। आचरण से धर्म की प्राप्ति होती है। कहा कि पुरुषार्थी लोगों को कभी-कभी शस्त्र उठाना पड़ता है। जब पूरा समाज तैयार होता है तब भगवान की कृपा रूपी अंगुली उठती है। ऋषि और मुनियों के कठोर परिश्रम से राष्ट्र की नींव रखी गई है। अलग-अलग रंग रूप होते हुए भी मूलरूप से हम सभी एक है। भारत विश्व में सबसे सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र है।टाठी घाट पहुंचे संघ प्रमुख व मोरारी बापू

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और संत मोरारी बापू ने कई संतों के साथ समय गुजारा। उनके कार्यस्थल मठ और मंदिर गए। तपस्या करने वाले संतों के बीच मंदाकिनी किनारे टाठी घाट पहुंचे। इसके बाद मोरारी बापू जगदगुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात करने पहुंचे। बताया कि जगदगुरु ने फोन कर बुलाया तो वह दर्शन के लिए पहुंचे। आरएसएस प्रमुख ने संघ चालकों के वर्ग के समापन के बाद आरोग्यधाम की वैदेही वाटिका में रुके रहे।

भाजपा और ...

संघ का वर्ग उद्यमिता विद्यापीठ में बुधवार को संपन्न हो गया। तीन सत्रों में संघ के बौद्धिक सह प्रमुख दीपक बिसफुटे और मध्य भारत के क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी ने महाकौशल प्रांत के चालकों और प्रमुखों से एक-एक कर बात की। उनके कार्यों की समीक्षा भी की। कहा कि संगठन को गांव तक पहुंचाने के लिए संघ की कार्ययोजना के अनुरूप काम दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू कर दें।

यह भी संदेश दिया कि विश्व में हिंदुओं के हित व सुरक्षा की बात करने वाला आरएसएस ही एकमात्र संगठन है। इसमें कार्य करने वाला देश भक्त होता है। देश ही नहीं, पूरे विश्व के हिंदुओं की रक्षा के लिए हर संभव उपाय करें। जरूरत पर बड़े पदाधिकारियों से बात करें। किसी भी देश विरोधी से डरने के बजाय उसे समझाकर राष्ट्र भक्ति की धारा में शामिल करें।

तीनों सत्र के समापन पर जानकारों की मानें तो विभिन्न राज्यों में तैनात सात संगठन मंत्रियों की पहचान की गई है, जिन्हें नए राज्यों का दायित्व सौंपा जाएगा। बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एक संगठन मंत्री के मातहत उप संगठन मंत्री भी भेजे जा सकते हैं, जिससे कमजोर इलाकों में संगठन को मजबूत करने के लिए बेहतर समन्वय बनाया जा सके। आरएसएस के संगठन मंत्री पूर्णकालिक मंत्री होते हैं। उन्हें भाजपा में काम करने के लिए भेजा जाता है। करीब एक दशक से भाजपा के तेजी से बढ़ने सहित बाहरी नेताओं के आने से स्वयंसेवकों के साथ भाजपा नेताओं के साथ संवाद कमजोर पड़ने की आशंका जताई गई। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षाकृत कम सीटें मिलने के पीछे इसी को माना जा रहा है। इसके लिए आरएसएस नए संगठन मंत्रियों को भाजपा में भेजने के लिए तैयार है।

डोनाल्ड ट्रंप ...

बुधवार 6 नवंबर को एक प्रेस रिलीज के माध्यम से शेख हसीना की यह बधाई सामने आई है। गौर करने वाली बात यह है कि इस पत्र में शेख हसीना को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बताया गया है। इसका अर्थ है कि अपने आप को पूर्व नहीं बल्कि वर्तमान प्रधानमंत्री मानती हैं और उन्होंने कभी इस्तीफा नहीं दिया था।

शेख हसीना ने प्रधानमंत्री के रूप में डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया ट्रम्प के साथ अपनी कई मुलाकातों और बातचीत को याद किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल में बांग्लादेश और अमेरिका के मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

समंदर के रास्ते...

लेकिन इनके लिए पूरी तरह से स्वदेशी ईंधन को 5 साल बाद 1992 में तैयार किया जा सका। भारतीय तेल निगम की हल्दिया रिफाइनरी में मिग-29 विमानों के लिए ईंधन तैयार किया गया। दो इंजन वाले अत्याधुनिक मिग-29 विमानों में 9 हथियार लगाने की जगह थी, जिनमें 6 ए-10 मिसाइल, दो मिसाइल विंग के नीचे और इंजन एयर डक्ट के नीचे एक लगाने की व्यवस्था थी। स्क्वाड्रन लीडर (रि) एके सिंह के मुताबिक 37 साल पहले मिग-29 विमान अमेरिकी एफ-16 फाइटर जेट के मुकाबले के लिए लाए गए थे। यह कई मायनों में एफ-16 से बेहतर और शानदार विमान है।

120 दिनों बाद नींद से जागेंगे भगवान विष्णु

जानें किस शुभ योग में शुरू होगी देवउठनी एकादशी

हिंदू धर्म में चातुर्मास के लगभग 120 दिनों में कोई भी मंगल कार्य नहीं किया जाता । ऐसी मान्यता है कि इस समय जग के पालनहार भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और फिर देवउठनी एकादशी के दिन वो जागते हैं। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी तिथि होती है, जब से सभी तरह से शुभ कार्य पुन: शुरू होंगे। इस साल बेहद शुभ योग देवउत्थान के दिन बन रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार एकादशी तिथि इस साल 11 नवंबर को शाम 6 बजकर 46 मिनट से शुरू हो रही है जो 12 नवंबर को शाम 4 बजकर 4 मिनट तक रहेगी। ऐसे में इस साल उदयातिथि को देखते हुए 12 नवंबर को ही देवउठनी एकादशी पूजा होगी। इस साल कुछ शुभ योग के निर्माण के साथ ये दिन आ रहा है।

देवउठनी एकादशी 2024 शुभ योग

देवउठनी एकादशी पर कई शुभ योग बन रहे हैं। इनमें हर्षण योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग शामिल हैं। इन योगों में की गई पूजा का विशेष महत्व होता है। हर्षण योग में पूजा करने से मन प्रसन्न रहता है और उत्साह बढ़ता है। सर्वार्थ सिद्धि योग में की गई पूजा से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। रवि योग सूर्य देव की कृपा पाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है और यह एक बहुत ही शुभ संयोग है। इस दिन की गई पूजा का फल बहुत अच्छा मिलता है।

हर्षण योग

शाम 7:10 बजे तक रहेगा।

इस योग में पूजा करने से मन में प्रसन्नता और उत्साह बढ़ता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग

सुबह 7:52 बजे से शुरू होगा।

13 नवंबर को सुबह 5:40 बजे तक रहेगा।

इस योग में की गई पूजा सभी मनोकामनाओं को पूरा करती है।

रवि योग

देवउठनी एकादशी के पूरे दिन रहेगा।

सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है।

तो आप अगर किसी शुभ कार्य को करने के बारे में सोच रहे हैं तो देवउठनी एकादशी तिथि तक थोड़ा इंतजार कर सकते हैं। जब कोई शुभ कार्य किसी शुभ तिथि पर किया जाता है तो मान्यता है कि उनका फल भी शुभ मिलता है।

नवंबर 2024 में हैं शादी के इतने सारे शुभ मुहूर्त

जानें फिर कब से शुरू होंगे विवाह

देवउठनी एकादशी के दिन से एक बार फिर से विवाह के मंगल कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। इस साल नवंबर में शादी के कुल 11 शुभ मुहूर्त हैं। चातुर्मास के बाद शादी जैसे मंगल कार्य की शुरुआत एक बार फिर होने जा रही हैं। हिंदू धर्म में शुभ तिथियों को ध्यान में रखकर ही इस तरह के मंगल कार्य किए जाते हैं। तो इस साल नवंबर के महीने में शादी के शुभ मुहूर्त कब हैं, फेरे लेने का समय क्या रहेगा, उस समय कौन सा नक्षत्र होगा और किस तिथि में विवाह संपन्न होगा ये आप पहले से ही जान लें। अगर आप चट मंगनी पट विवाह कर रहे हैं तो झटपट से ये लकी डेट्स देखकर आज ही अपनी शादी की तिथि तय कर लें।

नवंबर 2024 में शादी के शुभ मुहूर्त

देवउठनी एकादशी से नवंबर में शादी के कुल 11 शुभ मुहूर्त हैं, आप इसकी डेट और शुभ मुहूर्त भी नोट कर लें।

नवम्बर 12, 2024, मंगलवार को विवाह का शुभ मुहूर्त शाम 04:04 से 07:10 बजे का है। इस समय उत्तर भाद्रपद नक्षत्र होगा और हिंदू पंचांग के अनुसार द्वादशी तिथि होगी।

नवम्बर 13, 2024, बुधवार शुभ विवाह मुहूर्त शाम 03:26 से 09:48 बजे का रहेगा। रेवती नक्षत्र और त्रयोदशी तिथि होगी।

नवम्बर 16, 2024, शनिवार के दिन विवाह के लिए शुभ मुहूर्त रात 11:48 से शुरू होगा जो सुबह 06:45, नवम्बर 17 तक रहेगा। इस समय रोहिणी नक्षत्र होगा और तिथि द्वितीया रहेगी।

नवम्बर 17, 2024, रविवार को शुभ विवाह मुहूर्त 06 बजकर 45 मिनट से नवम्बर 18 को सुबह 06 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। रोहिणी, मगशिरा नक्षत्र होगा और द्वितीया, तृतीया तिथि।

नवम्बर 18, 2024, सोमवार के दिन अगर विवाह करना चाहते हैं तो शुभ विवाह मुहूर्त सुबइ 06:46 से 07:56 बजे के बीच का है। इस समय मगशिरा नक्षत्र और तृतीया तिथि होगी।

नवम्बर 22, 2024, शुक्रवार को शुभ विवाह मुहूर्त रात्रि 11:44 से सुबह 06:50 नवम्बर 23 तक रहेगा। नक्षत्र मघा और तिथि अष्टमी है।

नवम्बर 23, 2024, शनिवार में शुभ विवाह मुहूर्त प्रातः 06:50 से 11:42 बजे का है। नक्षत्र मघा और अष्टमी ही है।

नवम्बर 25, 2024, सोमवार के दिन अगर शादी प्लान कर रहे हैं तो शुभ विवाह मुहूर्त अलस सुबह 01:01 से 06:53 नवम्बर 26 का है। नक्षत्र हस्त और तिथि एकादशी है।

नवम्बर 26, 2024, मंगलवार को विवाह का शुभ मुहूर्त सुबह 06:53 से नवम्बर 27 सुबह 04:35 का है। नक्षत्र हस्त और तिथि एकादशी ही है।

नवम्बर 28, 2024, बृहस्पतिवार के दिन शादी का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 36 मिनट से शुरु हो रहा है जो पूरा दिन और रात रहेगा फिर अगले दिन सुबह 6 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगा। ये दिन बेहद शुभ माना जा रहा है। ऐसे में अनुमान ये भी है कि इस दिन शादी के सबसे ज्यादा कार्यक्रम आयोजित होंगे। नक्षत्र की बात करें तो स्वाति और तिथि त्रयोदशी ही रहेगी।

नवम्बर 29, 2024, शुक्रवार को सुबह के समय शादी का सबसे शुभ मुहूर्त है। हिंदू पंचांग के अनुसार सुबह 06:55 से 08:39 का समय सबसे शुभ है। इस दौरान स्वाति नक्षत्र होगा और त्रयोदशी तिथि चल रही होगी।

आज छठ पूजा का चौथा दिन

- उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य
- जानें सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

8 नवंबर को कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि और शुक्रवार का दिन है। सप्तमी तिथि शुक्रवार रात 11 बजकर 57 मिनट तक रहेगी। 8 नवंबर को छठ पूजा का चौथा दिन है। शुक्रवार को उषा अर्घ्य दिया जाएगा। साथ ही 8 नवंबर को छठ व्रत का पारण है। शुक्रवार दोपहर 12 बजकर 3 मिनट तक सभी कार्यों में सफलता दिलाने वाला रवि योग रहेगा। साथ ही 8 नवंबर को दोपहर 12 बजकर 3 मिनट तक उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रहेगा। आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए शुक्रवार का पंचांग, राहुकाल, शुभ मुहूर्त और सूर्योदय-सूर्यास्त का समय।

8 नवंबर 2024 का शुभ मुहूर्त

✻ **कार्तिक शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि–** 8 नवंबर 2024 को रात 11 बजकर 57 मिनट तक

✻ **रवि योग–** 8 नवंबर 2024 को दोपहर 12:03 मिनट तक

✻ **उत्तराषाढ़ा नक्षत्र –** 8 नवंबर को दोपहर 12:03 मिनट तक

✻ **8 नवंबर 2024 व्रत-त्यौहार–** छठ पूजा का चौथा दिन (उषा अर्घ्य), छठ व्रत का पारण

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय - सूर्योदय- सुबह 6:38

सूर्यास्त- शाम 5:30

सनातन धर्म में कितने अखाड़े हैं, जानें उनका धार्मिक महत्व और इतिहास

अखाड़े धार्मिक संस्थाओं का एक प्राचीन स्वरूप हैं जो संत-समाज को संगठित रखने और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में योगदान देने के उद्देश्य से स्थापित हुए। ये अखाड़े न केवल धर्म और समाज की रक्षा का कार्य करते हैं, बल्कि हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों और परंपराओं को जीवित रखने में भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। सनातन धर्म में अखाड़ों का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

अखाड़ों की स्थापना का इतिहास

अखाड़ों का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। इसका संबंध मुख्य रूप से उस समय से है जब धर्म की रक्षा के लिए संतों और संन्यासियों को एकजुट किया गया था। पौराणिक मान्यता के अनुसार, 8वीं शताब्दी में आदिगुरु शंकराचार्य ने अखाड़ों की स्थापना की थी। उनका उद्देश्य धर्म का संरक्षण और समाज में सद्भावना का प्रसार करना था। उस समय इन अखाड़ों का काम बाहरी आक्रमणों से धर्म और संतों की रक्षा करना भी था। प्राचीन समय में ये अखाड़े संतों और साधुओं को एकजुट करते थे, जो समाज को मार्गदर्शन प्रदान करते थे। इनके माध्यम से कई तरह के धार्मिक आयोजन किए जाते हैं और विशेष अवसरों पर, जैसे कुंभ और महाकुंभ के दौरान, इनका बड़ा महत्त्व होता है।

अखाड़ों की संख्या और उनके प्रकार

वर्तमान में 13 प्रमुख अखाड़े हैं, जो मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में विभाजित हैं- शैव अखाड़े, वैष्णव अखाड़े और उदासी अखाड़े

शैव अखाड़े ये अखाड़े भगवान शिव की उपासना करते हैं और इनका मुख्य उद्देश्य शिव भक्ति का प्रचार करना है।

-जूना अखाड़ा

-अवधूत अखाड़ा

-अतल अखाड़ा

-आनंद अखाड़ा

-निरंजनी अखाड़ा

-महानिर्वाणी अखाड़ा

वैष्णव अखाड़े भगवान विष्णु की भक्ति में लीन ये अखाड़े उनके विचारों का प्रचार करते हैं।

-निर्मोही अखाड़ा

-निर्वाणी अखाड़ा

-दिगंबर अखाड़ा

उदासी अखाड़े उदासी संप्रदाय से जुड़े हुए हैं और संत गुरुनानक देव की शिक्षाओं पर चलते हैं।

-बड़ा उदासीन अखाड़ा

-नया उदासीन अखाड़ा

अखाड़ों के महत्त्व की बात करें तो ये अखाड़े धार्मिक शिक्षा और अनुशासन के केंद्र हैं। ये धर्म के मूल सिद्धांतों का प्रचार करते हैं और समाज में नैतिकता और ईमानदारी की भावना का विकास करते हैं। प्राचीन काल में अखाड़े समाज की रक्षा और धर्म के प्रति खतरे को दूर करने में भी सहायक थे। विशेषकर मुगल और विदेशी आक्रमणों के समय अखाड़ों ने धर्म को बचाने का कार्य किया था। कुंभ, महाकुंभ और अन्य धार्मिक पर्वों के दौरान अखाड़े संतों और श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करते हैं। अखाड़े योग, साधना और तपस्या का प्रमुख स्थान हैं, जहां संत और संन्यासी कठिन साधनाओं का अभ्यास भी करते हैं। सनातन धर्म में अखाड़ों का महत्त्व अति महत्वपूर्ण है। इनका मुख्य उद्देश्य धर्म की रक्षा, संतों की सुरक्षा, और धार्मिक मूल्यों का प्रचार करना है। आदिगुरु शंकराचार्य के द्वारा स्थापित ये अखाड़े सदियों से सनातन धर्म और संस्कृति का संरक्षण कर रहे हैं।

इस पेड़ के नीचे खाना बनाकर खाने से मिटेंगे घर के क्लेश

हिंदू धर्म में पेड़ों को पूजनीय माना गया है। कुछ ऐसे विशेष वृक्ष हैं जिसमें दैवीय शक्तियों का वास माना जाता है। यही वजह है कि व्रत-त्योहार में देवताओं की आराधना के साथ पेड़ों की पूजा भी की जाती है।पुराणों में कार्तिक मास शुक्ल पक्ष के अक्षय नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा का विधान है। इस वृक्ष के नीचे भोजन बनाने और खाना खाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर क्लेश दूर होते हैं। आइए जानते हैं आंवला नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा का महत्व और इस दिन क्या करें।

अक्षय नवमी कब ?– आंवला नवमी 10 नवंबर 2024 को है। विष्णु पुराण के अनुसार जो भी व्यक्ति इस दिन आँवला वृक्ष का धूप दीप व नैवेद्य से पूजन करते हैं उनके उपर विशेष रूप से माँ लक्ष्मी जी का कृपा दृष्टि सदा बनी रहती हैं।

आंवला पेड़ क्यों है पूजनीय– आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु वास करते है। सबसे पहले माँ लक्ष्मी जी नें अक्षय नवमी पर आंवला वृक्ष के नीचे अपने स्वामी भगवान विष्णु और भगवान शिव जी का पूजन व अर्चन किया था। तभी से यह व्रत प्रचलित हो गया। पुराणों में कहा गया है कि इस दिन किये गए पुण्य कार्य कभी खत्म नहीं होता है।

आंवले के पेड़ के नीचे भोजन करने के लाभ

आंवला नवमी पर आंवला वृक्ष के नीचे अनेक तरह के भोजन इत्यादि बना कर भगवान विष्णु को भोग लगाएं और फिर पकवान ग्रहण करें। मान्यता है इससे हमारे शरीर में सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती हैं। हमारे शरीर के रोग व्याधि दुर होते हैं।

धार्मिक मान्यता अनुसार जो व्यक्ति आंवला पेड़ की छाया में भोजन बनाकर ब्राह्मण को भोजन कराकर स्वयं भी भोजन करता है, तो इससे क्लेश से मुक्ति मिलती है। मानसिक तनाव दूर होता है। साथ ही अखंड सौभाग्य, आरोग्य और सुख की प्राप्ति होती है। आंवला फल ग्रहण करने से नर नारायण सदृश हो जाते हैं, अर्थात उसमें देव गुण पूर्ण रूप से आ जाता है। इसे ग्रहण करने वालों को न सिर्फ देवता की कृपा मिलती है बल्कि ये सर्वाधिक स्वास्थ्यवर्धक और आयु बढ़ाने वाला फल है।

दूसरों की गलतियों की सजा पाते हैं ऐसे लोग, जीवन भर रहते हैं दुखी

आचार्य चाणक्य की पुस्तकों का अध्ययन अगर आप करें तो आप जीवन को गहराई से समझ पाएंगे। अगर आप दुखी हैं तो क्यों हैं, आप सुख चाहते हैं तो आपको कैसे मिलेगा आपके ऐसे हर सवाल का जवाब आपको उनकी पुस्तकों में मिल जाएगा। चाणक्य नीति में जीवन को सफल और खुशहाल बनाने की नीतियों के बारे में भी उन्होने बताया है।चाणक्य नीति में दिए एक श्लोक से आप ये बात आसानी से समझ पाएंगे।

राजा राष्ट्रकृतं पापं राज्ञः पापं पुरोहितः।

भर्ता च स्त्रीकृतं पापं शिष्यपापं गुरुस्तथा।।

इस श्लोक का अर्थ है कि राष्ट्र द्वारा किए गए पापों की जिम्मेदारी राजा पर होती है। वहीं, राजा द्वारा किए गए पापों की जिम्मेदारी राजा के पुरोहित या सलाहकारों पर होती है। इसी तरह, पति द्वारा किए गए पापों के लिए पत्नी को दोषी माना जाता है, और शिष्य के पापों के लिए गुरु को उत्तरदायी ठहराया जाता है।

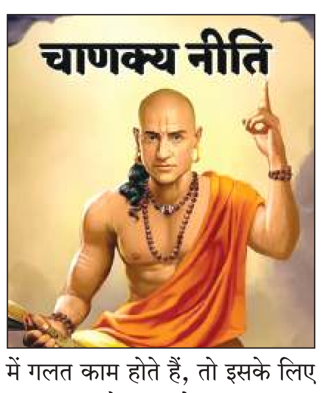

इसका भावार्थ यह है कि समाज में उच्च पद पर बैठे व्यक्तियों का आचरण उनके नीचे के लोगों पर प्रभाव डालता है। अगर किसी समाज में गलत काम होते हैं, तो इसके लिए शासक और उनके सलाहकार जिम्मेदार माने जाते हैं। इसी तरह, परिवार और शिक्षा में जो लोग नेतृत्व करते हैं, उनके लिए यह अनिवार्य है कि वे अपने अधीनस्थों को सही दिशा में मार्गदर्शन करें और गलत कार्यों की रोकथाम करें। अब आधुनिक समय में जानते हैं कि वो 3 व्यक्ति कौन हैं जो जीवनभर दुखी रहते हैं और दूसरे की गलतियों की सजा पाते हैं।

पति-पत्नी एक दूसरे से अलग नहीं हैं। उन्हें एक दूसरे कि गलतियों की सजा भोगनी पड़ती है। इसलिए दोनों के लिए जरुरी है कि समझदारी बढ़ाएं और अपनी गलतियों पर ध्यान देना शुरू करें। चाणक्य नीति के अनुसार, पति गलती करता है तो पत्नी को सजा मिलती है और पत्नी की गलती की सजा उसके पति को मिलती है।

जब किसी देश की जनता कोई गलती करती है तो उसका फल हमेशा शासक को ही भोगना पड़ता है, हाल ही में हम बांग्लादेश में ये स्थिति देख चुके हैं। हालांकि शासक की जिम्मेदारी ये होती है कि जनता गलत काम ना करें और राजा या शासक अगर कोई गलती करता है तो उसकी सजा आम जनता को जरूर भोगनी पड़ती है। इसलिए कहा जाता है कि अपना राजा सूझबूझ से चुनें।

अगर कोई स्टूडेंट कुछ गलत करता है तो उसकी सजा हमेशा गुरु को ही दी जानी चाहिए क्योंकि उसका सही मार्गदर्शन करना ही गुरु का काम है। अगर गुरु गलती करता है तो उसका सजा उसके शिष्य को जीवनभर भोगनी पड़ती है। तो आप अगर जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं को इन गलतियों से बचें। अपने और समाज के लिए मिसाल बनें और कोशिश करें कि आपकी गलती की सजा किसी दूसरे को न भोगनी पड़े। किसी दूसरे को सही करने से पहले जरूरी है कि आप पूरी तरह से सही हों, तभी एक उज्जवल समाज का निर्माण होगा।

महाभारत में कुंती के अलावा किस किस को पता थी कर्ण की सच्चाई?

कर्ण महाभारत के पात्रों में सबसे वीर योद्धा हैं। वह पांडवों के सबसे बड़े भाई थे, लेकिन फिर भी अपने अधिकारों को पा न सकें। कुंती की कोख से जन्म लेने के बाद भी वह शूद्र पुत्र कहलाए। जीवन में कई परेशानियों को झेलने के बाद दुर्योधन जैसा साथी मिला।

दुर्योधन उनका अकेला ऐसा मित्र था, जिसको उनके शूद्र पुत्र होने से दिक्कत नहीं थी। कर्ण ने भी अपने अंतिम समय तक उससे दोस्ती निभाई।

ऐसे हुआ कर्ण का जन्म

कथा की मानें तो कुंती को दुर्वासा ऋषि से वरदान मिला था कि वह किसी भी देवता को याद कर पुत्र पा सकती हैं। कुंती ने वरदान को जांचने के लिए शादी से पहले ही सूर्य देव का स्मरण कर लिया, जिससे उनको कर्ण जैसा तेजस्वी बालक प्राप्त हुआ।

विवाह के पहले पुत्र की प्राप्ति होने पर कुंति को लोकलाज का भय सताने लगा। उन्होंने कर्ण को एक बक्से में रखकर नदी में बहा दिया। अधिरथ (हस्तिनापुर के सारथी) को सुबह नदी में स्नान के दौरान कर्ण मिले, जिसकी परिवरिश उन्होंने पुत्र के रूप में की। अधिरथ की पत्नी ने कर्ण को बेटे के रूप में स्वीकार किया। उनका बहुत ही स्नेह से लालन पालन किया।

इनको भी पता था सच

कुंती ने कर्ण की सच्चाई सबसे छिपाकर रखी थी। कुंती नहीं चाहती थीं कि उनके इस राज के बारे में किसी को पता चले, लेकिन नारद ऋषि, भगवान कृष्ण और विदुर यह जानते थे। उनके अलावा भीष्ण पितामह और महाभारत ग्रंथ के रचियता वेदव्यास को इस बात की जानकारी थी।

भीष्म को कैसे लगा पता

भीष्म पितामह मृत्यु शैय्या पर लेटे थे, तब कर्ण उनसे मिलने पहुंचे। उन्होंने सच्चाई बताते हुए कहा कि उनको पता है कि वह कुंती पुत्र हैं। वह पांचों पांडवों में सबसे बड़े हैं। इस बात को जानकर कर्ण को हैरानी हुई। उन्होंने पूछा कि आपको यह कैसे पता था?

भीष्म पितामह ने कहा कि नारद ऋषि ने तुम्हारी सच्चाई बताई थी। उसके अलावा श्रीकृष्ण और द्वैपायन व्यास ने तुम्हारे जन्म के बारे में सारा सच बताया था।

कमल हासन की ठग लाइफ है ऐसी, उधर खून से लथपथ होकर चिलम फूंकतीं अनुष्का शेट्टी

किसका खौफनाक अवतार पड़ा भारी!

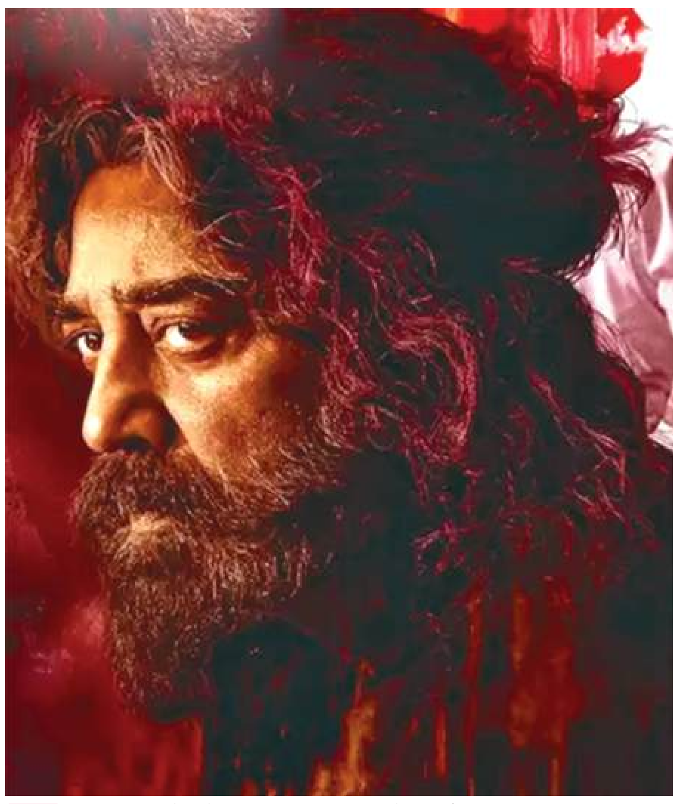

साउथ इंडस्ट्री के दो सुपरस्टार अनुष्का शेट्टी और कमल हासन 7 नवंबर को अपना बर्थडे मना रहे हैं। इस मौके पर दोनों की नई फिल्म के पोस्टर्स दिखाए गए हैं और ये वाकई शानदार हैं। कमल हासन की नई फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज डेट की घोषणा आखिरकार गुरुवार को उनके जन्मदिन पर कर दी गई। मेकर्स ने एक 44 सेकेंड का टीजर रिलीज किया, जो डायरेक्टर मणिरत्नम की बनाई गई है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि फिल्म 5 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ठग लाइफ' के टीजर की शुरुआत एक कार के सीन्स के साथ होती है, जो दोनों तरफ पेड़ों से घिरी एक सुनसान सड़क पर लुढ़क रही है। एक शॉट में एक आदमी को बर्फ से ढकी चादर पर दौड़ते हुए दिखाया गया है। फिर हमें दाढ़ी वाले लुक में कमल हासन दिखाई देते हैं, जो आंखों में प्रतिशोध लेकर खलनायकों से मुकाबला करते हैं। टीजर में सिलंबरासन को भी दिखाया गया है, जो एक फ्रेम में होली का जश्न मनाते हुए दिख रहा है।

कमल हासन की नई फिल्म

'ठग लाइफ' उदयनिधि स्टालिन की रेड जाइंट मूवीज, कमल हासन की राज कमल फिल्म इंटरनेशनल और मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज ने बनाई है। 'ठग लाइफ' में कमल हासन लीड रोल में हैं। उनके साथ त्रिशा, नासर, जोजू जॉर्ज, अली फजल, ऐश्वर्या लक्ष्मी और अभिरामी जैसे कलाकार हैं।

वहीं बात करें, अनुष्का शेट्टी की फिल्म की, तो पिछले 5-6 सालों में एक्ट्रेस सिनेमा में काफी धीरे काम कर रही हैं। उनमें भी वो केवल तेलुगू और तमिल में ही काम कर रही हैं। उनके जन्मदिन पर उनकी दो फिल्में 'घाटी' (तेलुगू) और 'कथानार' (मलयालम) के मेकर्स ने भी इन फिल्मों से उनका पहला लुक रिलीज किया।

अनुष्का शेट्टी की 'घाटी'

सबसे पहले, 'घाटी' में अनुष्का खून से लथपथ और गुस्से में दिख रही हैं। वह पोस्टर में अपना गुस्सा जाहिर कर रही हैं। यूवी क्रिएशंस, राजीव रेड्डी और साई जगरलामुडी की फिल्म 'घाटी' के पोस्टर की टैगलाइन है, 'पीड़ित, अपराधी, लेजेंड।' अनुष्का 'घाटी' में काफी मजबूत वापसी कर रही हैं। वह हाल ही में रोमांटिक कॉमेडी 'मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी' का हिस्सा थीं लेकिन 'घाटी' ने उन्हें फिर से अलग रोल में डाल दिया है। 'कथानार' 9वीं शताब्दी के प्रसिद्ध ईसाई पुजारी कदमत्तथु कथानार के जीवन के बारे में है। इसमें जयसूर्या लीड रोल में हैं और प्रभु देवा और विनीत भी फिल्म में दिखाई देने वाले हैं।

अनुष्का शेट्टी : 43 की उम्र में हैं सिंगल

कई आलीशान घर और महंगी कारों का कलेक्शन, करोड़ों की मालकिन हैं देवसेना

देवसेना। ये सुनते ही एक खूबसूरत एक्ट्रेस का चेहरा आंखों के सामने आ जाता है। ये और कोई नहीं, साउथ की फेमस एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी हैं। 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने वाली अनुष्का अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ के कारण चर्चा में रहती हैं। कभी उनकी शादी को लेकर सवाल पूछे जाते हैं तो कभी सवाल उठते हैं कि 43 की उम्र में भी वो सिंगल क्यों है। आइये उनके जन्मदिन पर उनके बारे में कुछ दिलचस्प किस्से जानते हैं।

अनुष्का शेट्टी का नाम स्वीटी था। उनका जन्म 7 नवंबर 1981 को मंगलौर, कर्नाटक में हुआ। उन्होंने बेंग्लुरु में कंप्यूर एप्लीकेशंस में ग्रेजुएशन किया। वो योगा इंस्ट्रक्टर थीं। अनुष्का के पापा का नाम एएन विट्ठल और मां का नाम प्रफुल्ला है। उनके दो बड़े भाई हैं- गुणारंजन शेट्टी और साई रमेश शेट्टी। गुणारंजन बिजनेसमैन हैं और साई रमेश पेशे से डॉक्टर हैं।

अनुष्का ने पुरी जगन्नाध की फिल्म 'सुपर' से डेब्यू किया था, जिसमें वो नागार्जुन और आयशा टाकिया के साथ नजर आई थीं। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान पुरी जगन्नाध और नागार्जुनि ने उन्हें स्क्रीन नेम अनुष्का दिया।2005 में डेब्यू करने के बाद अनुष्का को स्टारडम मिलने लगा। वो कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ने लगीं। पर 2009 में 'अरुंधती' से वो छा गईं। फिर एसएस राजामौली की 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' में देवसेना का किरदार निभाकर उन्होंने इतिहास रच दिया।इन दोनों फिल्मों के बाद 2018 में वो Bhaagamathie में नजर आईं, पर ये फिल्म ज्यादा नहीं चल सकी। फिर 2019 में इूश ठरर छरीरीळाहर ठशवव्, 2020 में 'निशब्दम' में दिखीं। 2 साल बाद 2023 में उनकी चळीी डहर्शीीं ची झे-श्रळीहर्शीीं रिलीज हुई।जब 'बाहुबली' और इसका दूसरा पार्ट रिलीज हुआ, तब अनुष्का का नाम प्रभास से जोड़ा जाने लगा। दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फैंस को बहुत पसंद आई थी और वे उन्हें रियल लाइफ में भी साथ देखना चाहते थे। पर एक्ट्रेस ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया था।अनुष्का 43 साल की हो गई हैं। वो अभी तक सिंगल हैं। उन्होंने अभी तक शादी नहीं की। बीते दिनों खबर आई थी कि कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर से उनकी सगाई हो गई है और इस साल के आखिरी तक दोनों शादी कर लेंगे। दोनों की उम्र एक समान है, पर अभी तक प्रोड्यूसर के नाम का खुलासा नहीं हुआ और ना ही इस खबर की कोई पुष्टि हुई।अनुष्का साउथ की फेमस एक्ट्रेस हैं। उन्होंने 65 से ज्यादा तेलुगू, तमिल, हिंदी फिल्मों में काम किया है। वो साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक हैं। caknowledge की रिपोर्ट के मुताबिक, अनुष्का 130 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं। वो हर महीने 1 करोड़ से ज्यादा कमाती हैं। उनकी सालाना इनकम 12 करोड़ से ज्यादा है।अनुष्का का बेंगलुरु, कर्नाटक में आलीशान घर है। इसके अलावा इंडिया में कई जगहों पर रियल-एस्टेट प्रॉपर्टीज हैं। अनुष्का के पास बीएमडब्लू, ऑडी और कई कारों का काफिला है।

सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग की बात करें तो इंस्टाग्राम पर 6.1 मिलियन, ट्विटर पर 1 मिलियन और फेसबुक पर 27 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

गुड्डी मारुति ने खोले 90 के दौर के कच्चे चिट्ठे

कहा- हीरो मुझे ले जाते और पर्दे के बीच से हिरोइन को दिखाते थे

बॉलीवुड इंडस्ट्री के किस्सा कहानियां, प्यार-मोहब्बत अब सोशल मीडिया पर बड़ी आसानी से सामने आ जाते हैं, लेकिन एक वक्त ऐसा था जब ये किस्से बहुत दबे-छिपे होते हैं। अब 90 के दशक की एक्ट्रेस गुड्डी मारुति ऐसे ही किस्सों का पिटारा लेकर बरसों बाद हाजिर हुई हैं।

ड्डी मारुति सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातें करते हुए बॉलीवुड के कई ऐसे किस्सों का खुलासा किया है, जिसे कई बार अफवाहों का नाम देकर उन्हें हवा में उड़ा दिया जाता है। उन्होंने बताया कि 90 के दौर में एक्टर-एक्ट्रेस के बीच अफेयर और रिलेशनशिप की खबरें इतनी पब्लिक नहीं होती थीं जितनी अब होती हैं।

तब बंद दरवाजों के पीछे क्या-क्या होते थे

एक्ट्रेस ने बताया कि ऐसे कई किस्सों की वो गवाह हैं जो एक्टर-एक्ट्रेस के बीच फिल्मों के आउटडोर सेट पर होते थे। उन्होंने बताया कि कलाकारों के बीच के अफेयर पर्दे के पीछे होते थे। उन्होंने खुलासा किया कि तब बंद दरवाजों के पीछे क्या-क्या होते थे। उन्होंने अपने एक हालिया इंटरव्यू में बताया है कि 90 के दशक में हीरोइनें बंद दरवाजे के पीछे क्या-क्या करती थीं और क्यों उनकी माएं उनके साथ सेट पर आती थीं।

हीरो या हीरोइन का खूब अफेयर चलता था।

उन्होंने कहा, 'सेट पर लोग एक-दूसरे को लाइन मारते थे। हीरो या हीरोइन का खूब अफेयर चलता था।' हालांकि, इस बातचीत में उन्होंने किसी भी एक्टर या एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया। किसी और के साथ इश्क लड़ा रही होती थीं। उन्होंने बताया कि बंद कमरे में क्या करती थीं हीरोइनें। गुड्डी मारुति ने इंटरव्यू में कहा, 'आज तो सब कुछ खुल्लम खुल्ला होता है, लेकिन उस समय ऐसा नहीं होता था। अगर कोई किसी के संग होता था तो वो बात चारदीवारी के पीछे तक ही रहती थी। कई एक्ट्रेस तो ऐसी भी थीं जिनका अफेयर तो किसी और के साथ होता था लेकिन वो बंद कमरे में किसी और के साथ इश्क लड़ा रही होती थीं।'

हीरो मुझे अपने साथ ले गया और कहा देख अंदर मेरी हीरोइन क्या कर रही। गुड्डी मारुति ने बताया कि तब सेट पर मौजूद एक्टर उन्हें पकड़ कर ले जाते थे और कहते, 'देख अंदर मेरी हीरोइन क्या कर रही है'। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा, 'एक बार तो उस फिल्म का हीरो मुझे अपने साथ ले गया और कहा देख अंदर मेरी हीरोइन क्या कर रही है।' गुड्डी ने बताया कि उस हीरो के साथ रियल लाइफ में उस हीरोइन का चक्कर चल रहा था, लेकिन वह कमरे में फिल्म के डायरेक्टर के साथ थी।

दरअसल हिरोइन ने हीरो को कुछ और बोला था। गुड्डी मारुति ने मजाकिया लहजे में कहा, 'हीरोइन बॉयफ्रेंड को छोड़ किसी और के साथ कमरे में थी। उन्होंने बताया कि वो डायरेक्टर के साथ रूम में थी लेकिन ऐसा नहीं था कि इश्क फरमा रहे थे। दरअसल हिरोइन ने हीरो को कुछ और बोला था कि नहीं, मैं थक गई हूं, मैं सोने जा रही हूं। सुबह की कॉल टाइम है ब्ला ब्ला। तो हीरो कहता- उधर देख, मैं बोली- तू देख। हालांकि, उन्होंने कहा कि डायरेक्टर के साथ क्या चल रहा था वो मुझे नहीं पता, पर कुछ तो चल रहा था। बेटियों की सेफ्टी के लिए उनकी मां भी सेट पर आती थीं। हालांकि अगले दिन सेट पर बम फूटता है और सारी बात सामने आ जाती है।' उन्होंने बताया कि ऐसा एक के साथ नहीं बल्कि कई एक्टर्स के साथ हुआ था। ऐसे में अपनी बेटियों की सेफ्टी के लिए उनकी मां भी सेट पर आती थीं।

लाल लाल खून और लाखों गुनाह... डेंजर हूं मैं, क्या समझ रहा है तू? शरद केलकर की मराठी फिल्म रान्टी का टीजर रिलीज

इस साल आई फिल्म किल में हिंसक दृश्य कूट-कूटकर भरे गए। एक्शन, मारधाड़ और खून-खराबे वाले दृश्यों को लेकर इसकी खूब चर्चा रही। अब इससे भी एक कदम आगे की एक फिल्म आ रही है। हालांकि, यह मराठी फिल्म है और नाम है, रान्टी। शरद केलकर अभिनीत इस फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, जिसे संजय दत्त ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से जारी किया है।संजय दत्त ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से टीजर शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, फिल्म रान्टी का आधिकारिक टीजर। इस दशक में रिलीज हुई यह मराठी सिनेमा की सबसे दमदार फिल्म है। टीजर में शरद केलकर एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। मारधाड़ इतनी है कि सब एक-दूसरे का खून बहाते नजर आ रहे हैं।शरद केलकर ने भी फिल्म का टीजर जारी किया है और कैप्शन में लिखा है, लाल लाल खून और लाखों गुनाह... डेंजर हूं मैं, क्या समझ रहा है तू? टीजर में दिखाया गया है कि यह पातालपुर की कहानी है। जहां का सिर्फ एक ही नियम है, मारना या मर जाना। इस फिल्म का निर्देशन समित कक्कड़ ने किया है। फिल्म 22 नवंबर को रिलीज होगी।फिल्म का टीजर दर्शकों को पसंद आया है और सोशल मीडिया पर वे प्रतिक्रिया दर्ज करा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, टीजर तो धांसू है और साफ पता चल रहा है कि ये जरूर देखे जाने लायक फिल्म है। एक यूजर ने लिखा, एक्शन पैक गैंगस्टर फिल्म है। फिल्म की कहानी भी टीजर जितनी धांसू होनी चाहिए। वहीं, कुछ लोग शरद के एक्शन की तारीफ करते दिख रहे हैं।

वरुण तेज स्टारर फिल्म मटका का दूसरा सिंगल थरसदिय्या रिलीज़

मटका का गाना थस्सदिया रिलीज़ हुआ। आगामी तेलुगु फ़िल्म मटका का दूसरा सिंगल रिलीज़ हो गया है। थस्सदिया शीर्षक वाले इस गाने को प्रतिभाशाली जीवी प्रकाश कुमार ने संगीतबद्ध किया है, जो अपने ऊर्जावान और बहुमुखी संगीत के लिए जाने जाते हैं। भास्करभटला द्वारा लिखे गए बोल पुराने ज़माने की ज़िंदगी के सार को दर्शाते हैं, जो गाने में पुरानी यादें ताज़ा कर देते हैं। मनो की भावपूर्ण आवाज़ शब्दों को जीवंत कर देती है, जिसे रो विंसेंट ईएल फ़े चोइर के शक्तिशाली कोरस द्वारा पूरक बनाया गया है।मटका के मुख्य अभिनेता वरुण तेज गाने के म्यूज़िक वीडियो में ऊर्जावान और स्टाइलिश दिख रहे हैं। उनके डांस मूव्स देखने लायक हैं, जो पूरी तरह से उत्साहित करने वाली लय के साथ तालमेल बिठाते हैं। गाने का कुल मिलाकर माहौल ताज़ा और पुरानी यादों को ताज़ा करने वाला है, जो इसे दर्शकों के बीच तुरंत हिट बना देता है। मीनाक्षी चौधरी और नोरा फ़तेही भी फ़िल्म में अभिनय कर रही हैं, जो इसके स्टार-स्टडेड कलाकारों में शामिल हैं। अन्य उल्लेखनीय अभिनेताओं में नवीन चंद्रा, अजय घोष, कन्नड़ किशोर, रवींद्र विजय, पी रविशंकर और ए किशोर कुमार शामिल हैं, जो डीवीपी के रूप में कार्य करते हैं।फिल्म में मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही नायिकाओं की भूमिका निभाती नजर आएंगी। नवीन चंद्रा, अजय घोष, कन्नड़ किशोर, रवींद्र विजय और पी रविशंकर फिल्म के अन्य महत्वपूर्ण कलाकार हैं, जिसका संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है और छायांकन ए किशोर कुमार ने किया है।करुणा कुमार द्वारा निर्देशित मटका 14 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अपने मनोरम संगीत और प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ, यह फिल्म तेलुगु सिनेमा प्रशंसकों द्वारा अत्यधिक प्रतीक्षित है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन कारोबार के हिसाब से बहतर हैं लाभ होगा रुकावटें दूर होंगी । आप को अपने तरीकें से ही काम करना चाहिए किसी के दिखावे में नही आना चाहिए । छात्रों के लिए महनत का समय हैं परिणाम सकारात्मक रहेंगे अनजाने व्यक्ति से निवेश मे सलाहमशवरा करना आपके लिए आर्थिक रूप से समस्या खड़ी कर सकता है । सेवक से बहसबाजी न करें आपकी छवि धूमिल हो सकती है। सूर्य को कनेर के पुष्प से अर्घ्य दें , आय बढेगी शरीर स्वस्थ रहेगा आनंद की अनुभूति होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कार्यालय मे संयम से व्यवहार करना होगा । सरकारी कागजात को सावधानी से पढकर ही काम करना चाहिए । आज नये स्टाफ को जोखिम देने से हानि होगी । मित्रों का व्यवहार आपको पसंद नहीं आएगा आप टेंशन मे आ जाएंगे । पुराने कर्मचारियों से आप खुश होंगे। किसी भी कार्य को अन्तिम रुप देने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना चाहिए । अपने खराब प्रदर्शन के लिए किसी दूसरे पर आरोप मत डाले घर–परिवार को भी प्रसन्न रखें माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कन्स्ट्रक्शन के कारोबार मे निवेश करें लाभदायक रहेगा । कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक लाभ भी ठीक–ठाक रहेगा । दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा समय बहुत मौज मस्ती मे जायेगा । एक ही लक्ष्य लेकर कार्य करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे । कुछ घरेलू मामलों को सुलझाया जा सकता है । किसी भी तरह के नकारात्मक विचार आने से पहले ही कार्य को अन्तिम रुप देदें ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज समय का साथ मिलेगा आप सौभाग्यशाली रहेंगे । भविष्य के संबंध में कोई निर्णय लेना उचित होगा । आप का अथक परिश्रम आप को सफलता की सिढी पर ले जाएगा इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए हर्षोल्लास का समय हैं छात्र पुरस्कृत होंगे । अपने से छोटो को पहले मौका देना आप की पद और प्रतिष्ठा मे बढोत्तरी करेगा । आप को अर्थ का लाभ होगा। मंदिर मे देवमूर्ति को साष्टांग दण्डवत प्रणाम करना चाहिए और लालपुष्प की माला मूर्ति पर अर्पण करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन की शुरुआत धरती को छूकर प्रणाम करके करें । अपने काम की अहमियत को समझना होगा और मजबूती से कदम आगे बढाना होगा । आज सबसे पहले रुके हुए काम पूरे करना चाहिए, जो काफी महत्वपूर्ण है और आप को सरकारी दण्ड से भी बचाएगा । अगर कोई बात उलझ गई हो तो , नि:संकोच बातचीत से ही उसे ठीक करें, तो यह सही होगा । आप को अपना काम बहुत ही समझदारी से करना चाहिए । अपने माता–पिता से किसी को भी बात को गुप्त नही रखना हैं । आप एक अच्छे मित्र के रूप में प्रदर्शित होंगे ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सबसे पहले अपने घर की जरुरतों को पूरा करें तत्पश्चात अपने व्यवसाय मे निवेश करें वर्तमान सुखमय बितेगा भविष्य के लिए चिंता मुक्त होंगे । विरोधियों से सावधान रहना होगा आप के होते हुए काम बिगाडेंगे । आने वाला समय आप का होगा आप को मित्रों का पूरा समर्थक रहेगा । शिक्षा क्षेत्र मे बाधा आ सकती है। आप एक्सपर्ट के साथ संवाद कर सकते हैं। अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करें आप के पूर्व का निवेश भविष्य को फायदा देगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज सदग्रन्थों का अनुसरण करें दिनचर्या मे बदलाव की जरुरत हैं । कारोबार के हिसाब से समय सकारात्मक हैं अपने स्टाफ पर भरोसा रखना होगा आप को बेफिक्री रहेगी । कामर्स के छात्रों को विशेष सफलता मिलेगी महनत का सही परिणाम आएगा । बिगडे हुए काम आने वाले समय मे बनेंगे बस आप को निरंतर प्रयास करते रहना होगा ऑफिस पर ओवर टाइम होगा । किसी से हाथ पैसा लेना पडेगा परन्तु जल्दी ही आप चुका भी देंगे । कबूतर को दाना डालें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन आप के लिए सौभाग्यशाली है। आज नया कारोबार चालू करने सही समय हैं । कुछ पुराने कामों मे दिक्कतें जरूर आ सकती हैं उस को अच्छी तरह से समझकर सुलझा लें। आज शिक्षकों को छात्रों पर महनत करनी पडेगी तभी परिणाम अच्छे आंएगे । अपने निवेश का लेखाजोखा आप को ही रखना होगा नये और अपरिचित स्टाफ पर पूरा भरोसा करना नुकसानदेह साबित होगा । आप किसी भी तरह की यात्रा का योग बन रहा हैं गुड का सेवन करके प्रस्थान करें । मित्रो के साथ लम्बी बातचीत हो सकती हैं । आज नंदी महाराज को गुड खिलाए रोगमुक्त रहेंगें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप बैंकिंग मे कार्यरत है तो आप का पदोन्नति के साथ ट्रासफर हो सकता हैं आप के बैलेंस शिट में सुधार होगा मुनाफे के साथ स्थाई धन बढेगा । धार्मिक माहौल का आनंद मिलेगा बच्चों के स्वभाव मे अच्छे संस्कार का बदलाव देखने को मिलेगा । आज सामाजिक काम व्यस्तता रहेगी आप अपनी चतुराई से घरेलू समस्याओं को हल निकालने मे सक्षम होंगे । कुछ जातक नौकरीपेशे मे ही अपनी जीविका तलाशेंगे और रिस्क लेने से दूर ही रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कपडे का व्यवसाय करने वालो के लिए समय मध्यम हैं न लाभ होगा और न हानि बनेगी । नौकरीपेशे से जुडे हुए हैं तो आप को संयम रखने की बहुत जरूरत हैं आप के भाई और बहन के रिश्तों मे कुछ अनबन हो सकती हैं परन्तु आप को अपने पर नियंत्रण रखना पडेगा और रिश्तों को सुधारते हुए साथ चलना होगा आज स्वास्थ्य दिक्कतें आ सकती हैं कमर के भाग मे कुछ तकलीफे बन सकती हैं डीनर के बाद कुछ कदम चलें हाजमा मजबूत होगा और तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप लिखने का शौक रखते हैं तो आप को नये आफर मिल सकते हैं आप कोई कम्पनी के साथ अनुबंध भी कर सकते हैं आप की प्रतिष्ठा भी बढेगी । परिवार में बनी सुख शान्ति आप को बरकरार रखनी होगी । आप को सबका साथ लेकर चलना होगा । आप के बच्चे परीक्षा मे अच्छे परिणाम लाएंगे आप को गर्व का एहसास होगा । कर्ज लेने से पहले अपनी आय का स्त्रोत भलीभांति देखले और समझले। रोज गाय और कुत्ते को रोटी खिलाए आमदनी का जरीया बढेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सफल बनाना है तो गाय को गेहूं का भूसा खिलाए । छोटी कन्या के चरण छूकर आशीर्वाद ले और कुछ उपहार दें आप कर्ज मुक्त होंगे । घर की साफ सफाई मे दिन गुजरेगा । लैव मैरेज के पूरे चांस बन रहे हैं अपने मन की बात घर वालो को बताने मे आप घबराएंगे नही आत्मविश्वास पूरा जोरों पर हैं । व्यापार मे भी समय साथ रहेगा आप निडर होकर निर्णय लेंगे । रिश्तेदारी मे कोई दावत का निमंत्रण मिलेगा आप पूरे परिवार के साथ शिरकत करेंगे पूरा लुत्फ लेंगे।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 08 नवंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 11:38 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा दोपहर 12:03 तक
योग : शूल प्रात: 08:27 तक
करण : गर दोपहर 12:21 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : सहस्त्रार्जुन जयंती , कल्पादि तिथि , भद्रा रात्रि 11:57 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान विधानसभा सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की ओर अग्रसर : देवनानी

सिडनी/जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा में जन–दर्शन, सर्वदलीय बैठक, भारतीय वर्ष के अनुसार दैनन्दिनी और वार्षिक कैलेण्डर का प्रकाशन सहित कई ऐतिहासिक नवाचार किये गये है और यह नई गति, नई दिशा और नवाचारों के साथ सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की ओर अग्रसर है।

श्री देवनानी ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन के दौरान आयोजित साधारण सभा में राजस्थान विधानसभा में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा के द्वार आमजन के लिये खोल दिये गये हैं। विधानसभा में राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का आमजन, विद्यार्थी और शोधार्थी अवलोकन कर रहे हैं। दिन–प्रतिदिन आमजन की संख्या संग्रहालय को देखने के लिये बढती जा रही है। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति और राजनैतिक इतिहास की देश और विदेशों में पहचान बन रही है। जन– दर्शन से राजस्थान विधान सभा की अनूठी इमारत को पर्यटकों को निकटता से निहारने का मौका मिल रहा है।

राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की साधारण सभा में भारत के विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्षों ने भारत के गौरव राष्ट्रीय ध्वज के साथ सामूहिक रूप से प्रवेश किया। विदेशी धरती पर भारत के गौरव तिरंगे को लहराकर भारत के विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्षों ने गौरव की अनुभूति की। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन में श्री देवनानी से सिंध विधानसभा अध्यक्ष ओवैस कादिर शाह की मुलाकात हुई। श्री देवनानी ने बताया कि इस मुलाकात में सिंध के कला, संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी साझा की गई। दोनों के बीच सिंधी भाषा में संवाद हुआ। श्री कादिर शाह ने श्री देवनानी को पाकिस्तान आने का निमंत्रण भी दिया। उल्लेखनीय है कि श्री देवनानी सिंधी बहुल अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से लगातार पांचवी बार विधायक चुने गए हैं।

उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए देश में मजबूत माहौल तैयार हो : बागडे

जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए देश में एक मज़बूत माहौल तैयार किया जाना चाहिए ताकि युवाओं में नए विचारों और सफलता के लिए ज़रूरी संसाधनों की समझ विकसित की जा सके।

श्री बागडे गुरूवार को पोद्दार ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन तथा फेडरेशन ऑफ़ यूनिकॉर्न स्टार्ट अप्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित इनोफ़ेस्ट इंडिया 2024 में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दृष्टि से इनोफ़ेस्ट इंडिया जैसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकसित भारत 2047 की कल्पना संजोई गई है। इसकी सफलता मानव शक्ति के सुनियोजित उपयोग के साथ राष्ट्र में युवाओं द्वारा नए–नए स्टार्ट अप, उद्यमिता विकास के कार्य अधिकाधिक करने से ही संभव होगी। उन्होंने कहा कि भारत आने वाले समय में पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2027–28 तक भारत के पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी होने का अनुमान व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने कहा कि स्टार्ट–अप्स आज के आर्थिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनसे न केवल रोजगार का सृजन होता है बल्कि नए विचारों और प्रौद्योगिकीय नवाचारों के माध्यम से समाज विकास की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि देश आजाद होने के बाद देश में अनाज की कमी थी परंतु भारत में खाद्य आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रयास हुए। आज देश अनाज का सबसे बड़ा निर्यातक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से देश में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, तकनीकी विकास के महती कार्य हुए हैं। उन्होंने बाड़मेर के गांवों में नर्मदा के पानी लाए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि विकास में युवा सहभागी बनें। उन्होंने प्राचीन भारत के ज्ञान विज्ञान की चर्चा करते हुए कहा कि नालंदा देश का ऐसा विश्वविद्यालय था जहां विश्वभर से विद्यार्थी पढ़ने आते थे। इस ज्ञान को समाप्त करने के लिए वहां के पुस्तकालय को आग लगा दी गई। उन्होंने आर्यभट्ट, नागार्जुन की चर्चा करते हुए कहा कि दशमलव की खोज भारत की है और नागार्जुन से प्रेरणा लेते हुए युवा देश को आगे बढ़ाएं।

श्री बागड़े ने कहा कि नई सोच, नये विचार और नयी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हुए हमारे युवा उद्यमी देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने गांव और शहर का भेद मिटाते हुए देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता के विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया। इससे पहले पोद्दार ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन के आंनद पोद्दार ने इनोफ़ेस्ट इंडिया 2024 के महत्व पर प्रकाश डाला।

डीएपी की कालाबाजारी जमाखोरी और तस्करी बर्दाश्त नहीं, होगी सख्त कार्रवाई

सोनीपत, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

हरियाणा के सोनीपत उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अमित कुमार ने गुरुवार को कहा कि डीएपी खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और तस्करी को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

श्री कुमार ने कहा कि जिले में डीएपी के वितरण में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए, इसके साथ–साथ किसानों को डीएपी के साथ जबरन गेहूं बीज और अन्य कोई कीटनाशक आदि न थोपा जाए। उन्होंने कहा कि किसानों से निर्धारित कीमत से अधिक वसूलने वालों पर भी संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। सोनीपत क्षेत्र में डीएपी की आपूर्ति को लेकर एसडीएम ने आज लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में सभी प्राईवेट डीलरों, पैक्स संचालकों, कृषि विभाग सहित खाद वितरण से जुड़ी सभी एजेंसी संचालकों के साथ बैठक की। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि डीएपी की कालाबाजारी को रोकने के लिए निरंतर खाद वितरित करने वाली दुकानों और उनके गोदामों की चैंकिग करें ताकि कहीं भी डीएपी की कालाबाजारी न हो।

राहुल की पूर्व राजपरिवारों पर टिप्पणी निंदनीय : दिया कुमारी

जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पूर्व राजपरिवारों पर टिप्पणी वाले लेख की निंदा करते हुए कहा है कि इस लेख के जरिए पूर्व राजपरिवारों की छवि को धूमिल करने के प्रयास किया गया है।दिया कुमारी ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी ने अंग्रेज़ी और हिन्दी अखबारों में अपने लेख के माध्यम से पूर्व राजपरिवारों पर सारहीन आरोप लगाया है कि महाराजाओं को रिश्वत देकर अंग्रेजों ने भारत पर शासन किया। उन्होंने कहा कि इस लेख के जरिए पूर्व राजपरिवारों की छवि को धूमिल करने के प्रयास किया गया है जिसकी वह निंदा करती हैं। उन्होंने कहा कि एकीकृत भारत का सपना पूरा करने के लिए सभी राजपरिवारों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। राहुल गांधी को इतिहास की जानकारी नहीं है। उनके द्वारा इतिहास के तथ्यों को जाने बिना इस तरह के लेख लिखना नितान्त अनावश्यक और निंदनीय है। वह अपनी राजनीतिक छवि को चमकाने के लिए दूसरों के परिवारों पर कीचड़ उछालना बंद करें और उन्हें अपने संवैधानिक पद की मर्यादा को बनाए रखना चाहिए।

डीएपी खाद न मिलने से परेशान किसान ने कीटनाशक खाकर की आत्महत्या

हिसार, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

हरियाणा में हिसार जिला के उकलाना क्षेत्र में बुधवार को डीएपी न मिलने से परेशान होकर एक 35 वर्षीय किसान ने नई अनाज मंडी में कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने किसान को इलाज के लिये सामान्य अस्पताल (उकलाना) में भेजा। यहां से चिकित्सकों ने बरवाला रेफर कर दिया। गुरुवार सुबह शव का हिसार के नागरिक हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम किया गया और परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार, रामभगत डीएपी के लिये कई दिनों से परेशान था। किसान रामभक्त डीएपी लेने के लिये उकलाना की अनाज मंडी में आया हुआ था, लेकिन यहां पर डीएपी नहीं मिल पाई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि रामभक्त डीएपी न मिलने से परेशान था। कई दिनों से वह डीएपी लेने के लिए लगातार चक्कर काट रहा था, लेकिन खाद नहीं मिल रही थी। उन्होंने बताया कि काफी दिन पहले उसने खेत में गेंहू की बिजाई के लिए पानी लगाया था और उसे डीएपी खाद नहीं मिल रही थी, जिस कारण वह गेंहू की बिजाई नहीं कर पा रहा था। इस कारण अब उसके खेत की जमीन सूख रही थी। उन्होंने बताया कि रामभक्त की उकलाना मंडी में आढ़त है।

किसान की जेब में हुआ धमाका, पोटाश पाउडर फटने से झुलसा

फतेहाबाद, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

हरियाणा के फतेहाबाद अनाजमंडी में फसल को बेचने के लिए आए एक बुजुर्ग किसान की जेब में रखा पोटाश पाउडर फट गया और वह झुलस गया। जोरदार धमाके से हड़कंप मच गया। घायल बुजुर्ग किसान को नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। उसके साथ बैठे एक युवक को भी मामूली चोट लगी है। मामले के मुताबिक राजस्थान के धांसल क्षेत्र निवासी बुजुर्ग घासीराम गुरुवार सुबह फतेहाबाद अनाज मंडी में फसल बेचने आया हुआ था। मंडी में खाली समय में उसने पास से ही लोहे की पोटाश (धमाका करने वाला यंत्र) व केमिकल गंधक और पोटाश खरीद ली।

घासीराम ने बताया कि उसने केमिकल चेक करने दोनों केमिकल मिक्स करके प्लास्टिक की शीशी में डाल ली और एक धमाका करके देखा। सही होने पर उसने शीशी जेब में डाल ली। दोपहर को वह एक रेहड़े पर लेटा हुआ था कि अचानक उसके जेब में जोरदार धमाका हुआ। धमाका काफी तेज था, जिसे सुनकर आसपास के लोग वहां इकट्ठा हो गए। किसी को पता नहीं चला कि क्या हुआ।

घासी राम की जेब में पड़ी पोटाश–गंधक की शीशी फट चुकी थी। जिस कारण उसके कपड़े फट गए, जेब में रखा मोबाइल भी टूट गया और उसके पेट, हाथ और पैर के आसपास का हिस्सा जल गया। उसके पास रेहड़े पर एक अन्य युवक भी बैठा था, धमाके से उसके पीठ पर हल्की चोट लगी। दीपावली के दिन भी गांव काताखेड़ी में एक रसोई में धमाका हुआ था, जिससे मकान को काफी नुकसान हुआ था।

जम्मू–कश्मीर में फिर से आतंकवाद लाना चाहती है कांग्रेस : बड़ौली

चंडीगढ़, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

हरियाणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये गुरुवार को कहा कि कांग्रेस जम्मू–कश्मीर में फिर से आतंकवाद और अलगाववाद का काला दौर लाना चाहती है। श्री बड़ौली ने कहा कि जम्मू– कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 और 35ए को फिर से लाने के नेशनल कांफ्रेंस के प्रस्ताव का समर्थन कर कांग्रेस ने देश को तोड़ने का कुचक्र फिर से चला दिया है। हाल ही में जम्मू– कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 का बैनर दिखाये जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा में जो भी कुछ हुआ, वह पाकिस्तान और देश विरोधी लोगों को खुश करने और जम्मू–कश्मीर की जनता को गुमराह करने के लिये किया गया। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा देश की संसद और उच्चतम न्यायालय से ऊपर नहीं है। कोई भी विधानसभा अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकती। अनुच्छेद 370 और 35ए इतिहास बन चुकी है, इस इतिहास को अब कोई बदल नहीं सकता।

राहुल गांधी का बयान घटिया, क्षत्रिय समाज से माफी मांगें गांधी: अग्रवाल

जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बयान को घटिया, अपमानजनक और मुर्खतापूर्ण बताते हुए कहा है कि श्री गांधी को देश के संपूर्ण क्षत्रिय समाज से माफी मांगनी चाहिए।

डॉ. अग्रवाल ने गुरुवार को यहां कहा कि श्री गांधी ने इस तरह का बयान देकर देश के मान–सम्मान और गौरव के प्रतीक राजा–महाराजाओं का अपमान किया है। राजस्थान की सभ्यता, राजस्थान की अस्मिता और राजस्थान की संस्कृति के लिए किसी राष्ट्रीय नेता द्वारा इतना अपमानजनक आचरण और अपमानजनक टिप्पणी कतई स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा, क्षत्रिय समाज का यह अपमान, नहीं सहेगा राजस्थान।

डॉ. अग्रवाल ने कहा कि श्री गांधी के आलेख में कहा गया कि देश के राजपूत समाज, राजा–महाराजाओं ने अंग्रेजों की दलाली की, गुलामी की। यह पूर्णतया मूर्खतापूर्ण बयान है। जिस भारत की संस्कृति और सभ्यता की बात वर्तमान में हम कर रहे हैं, उसको बनाए रखने में, उसका संरक्षण और संवर्धन करने में इन्हीं राजपूत राजा–महाराजाओं की बहुत बड़ी भूमिका रही है। वर्तमान में जिस अखंड भारत को हम देख रहे हैं, उस भारत को अखंड बनाए रखने में इस समाज की बहुत बड़ी भूमिका है।

उन्होंने कहा कि हमने बचपन से पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप जैसे महान योद्धाओं को पढ़ा, वे हमारे आदर्श हैं। ऐसे समाज का अपमान करने वाले श्री गांधी को मेरी स्पष्ट सलाह है कि अपने मूर्खतापूर्ण बयान को वापस लें और सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, अन्यथा आने वाले दिनों में उनका प्रचंड विरोध किया जायेगा। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सातों सीटों पर बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। उपचुनावों में भाजपा के अलावा अन्य किसी भी राजनीतिक दल के लोग मैदान में नजर नहीं आ रहे हैं। इन उपचुनावों में कांग्रेस का खाता भी नहीं खु–लेगा, भाजपा ऐतिहासिक रूप से उपचुनावों में 7–0 से जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि चौरासी विधानसभा में भी भाजपा बहुमत के साथ जीतेंगी। पिछले दिनों मंडल स्तर पर प्रत्येक कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की गयी तो वहां की बदली हुई परिस्थितियां सामने आयी हैं। भील समाज के लोग अपने सांसद से बहुत नाराज हैं। वहां के सांसद ने अपनी राजनीति चमकाने के लिये संपूर्ण आदिवासी समाज को राष्ट्र विरोधी और हिन्दू विरोधी घोषित करने का काम किया है। उन्होंने यह साबित किया है कि आदिवासी समाज हिन्दू समाज नहीं है। इसको लेकर सभी में आक्रोश है, लेकिन इसका परिणाम उपचुनावों में देखने को मिलेगा।

28 हजार करोड़ के 507 एमओयू से खुलेगी शिक्षा रोजगार की राह : भजनलाल

जयपुर, 07 नवम्बर (एजेंसियां)।

राजस्थान के सामाजिक–आर्थिक विकास और जनता के हित के लिए आगामी दिसंबर में आयोजित राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन से पहले प्रदेश की शिक्षा में नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त करने, सकारात्मक परिवर्तन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न उद्देश्यों को साकार करने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की दिशा में बुधवार को जयपुर में एजुकेशन प्री– समिट का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर तथा कौशल नियोजन उद्यमिता विभाग, युवा एवं खेल विभाग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद थे। श्री शर्मा ने कहा कि शिक्षा विकास का मुख्य आधार होती है, शिक्षा में किया गया छोटा निवेश भी बड़ा प्रभाव लाता है। वह सबसे अहम होता है। उन्होने बताया कि प्री– समिट में 28 हजार करोड़ के 507 एमओयू किए गए हैं जो शिक्षा, तकनीकी – उच्च शिक्षा, कौशल विकास एवं खेल में विकास की नई राह खोलेंगे। राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। हालांकि हमारे पास तैयारी के लिए सीमित समय था लेकिन हम आपके सहयोग से इन पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में सक्षम होंगे। हम छह लाख से अधिक युवाओं को रोजगार देने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। चाहे खनन हो, स्वास्थ्य हो या ऊर्जा, सभी क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 राजस्थान के लिए आर्थिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा।

उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यमिता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सम्मेलन न केवल शिक्षा क्षेत्र के भामाशाह, दानदाता और हितधारकों को एक साथ लाएगा बल्कि शिक्षा के भविष्य के विकास के लिए रणनीतियों और नवाचारों पर विचार–विमर्श का एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा। इस प्री समिट का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल, ई– लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नए शैक्षिक दृष्टिकोण, कौशल विकास की सहायता से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने के प्रयास, नवाचार और भविष्य की संभावनाओं के साथ–साथ शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर उच्च–स्तरीय मंथन करना है। यह समिट राज्य की राजकीय शिक्षा में सुधार और उन्नति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके बाद शिक्षा में नवनिर्माण का नया युग प्रारंभ होना सुनिश्चित किया जाने की उम्मीद है।

इस अवसर पर डा. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुझे खुशी है कि इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक सहयोग नहीं बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

श्री दिलावर ने अपनी माटी से जुड़ने के लिए वह राजस्थान के लोगों का, निवेशकों, भामाशाहों, दानदाताओं का आभार प्रकट करते हुए शिक्षा जीवन की नींव होती है जो भी मंजिलें तय की जाएंगी, यह उनका आधार होगी। हम शिक्षा के साथ संस्कार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कर्नल राठौड़ ने कहा कि शिक्षा डिग्री के लिए नहीं जीवन के लिए होनी चाहिए। खेल अनुशासन, आत्मविश्वास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

सीएम नीतीश समेत लाखों श्रद्धालुओं ने दिया अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य, घाटों पर उमड़ी भीड़

पटना (एजेंसियां)।

लोक आस्था के महापर्व छठ का आज तीसरे पटना समेत पूरे बिहार में लाखों श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। श्रद्धालुओं ने जल में दूध डालकर सूर्य की अंतिम किरण को अर्घ्य दिया। सीएम नीतीश कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय सभी मंत्री और राजनीतिक दल के नेताओं ने भी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। सीएम नीतीश कुमार ने एक अणे मार्ग पर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। दोपहर तीन बजे से ही पटना समेत पूरे बिहार के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों की ओर से पटना की सड़कों को धो दिया गया था। हर गली-सड़कों पर बिहार कोकिला स्व. शारदा सिन्हा के छठ गीत बज रहे हैं।

इधर, पटना समेत पूरे बिहार में छठ घाट पर श्रद्धालुओं का तांता लग गया। छठी मैय्या के जयकारे से छठ घाट गूंजते रहे। छठ घाट पर जिला प्रशासन की ओर से सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई है। गुरुवार को पटना में सूर्यास्त का समय सायं 05:04 बजे होगा। छठ महापर्व का आज तीसरा दिन है। आज डूबते सूर्य को सायंकालीन अर्घ्य दिया जाएगा और इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। छठ पर्व की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन नहाय खाय से होती है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और उगते सूर्य सप्तमी को अर्घ्य

देकर व्रत समाप्त होता है। इस चार दिवसीय त्योहार में सूर्य और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत करना बहुत कठिन माना जाता है क्योंकि इस व्रत को कठोर नियमों के अनुसार 36 घंटे तक रखा जाता है।

सूर्य की पूजा मुख्य रूप से तीन समय विशेष लाभकारी होती है - प्रातः , मध्यान्ह और सायंकाल। प्रातःकाल सूर्य की आराधना स्वास्थ्य को बेहतर करती है। मध्यान्ह की आराधना नाम-यश देती है। सायंकाल की आराधना सम्पन्नता प्रदान करती है। अस्ताचलगामी सूर्य अपनी दूसरी पत्नी प्रत्यूषा के साथ रहते हैं, जिनको अर्घ्य देना तुरंत प्रभावशाली होता है। जो लोग अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना करते हैं, उन्हें प्रातःकाल की उपासना भी जरूर करनी चाहिए।

ज्योतिष-कर्मकांड विशेषज्ञ पंडित अरुण कुमार मिश्रा के अनुसार, यह लोक आस्था का महापर्व है। मतलब, यह बिहार और पूर्वांचल के लोगों की आस्था का प्रतीक है। आस्था पर न तो सवाल किया जा सकता है और न ही इसका कोई जवाब हो सकता है। जहां तक महत्व का सवाल है तो यह प्रकृति को चलाने वाले सूर्यदेव की उपासना का पर्व है। यह देवी कात्यायनी से आशीर्वाद मांगने का पर्व है। छठ दिखाता है कि जिसका अंत है, उसका उदय भी होगा।

छठ घाट पर जिला प्रशासन की ओर से सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली गई है। पटना में भी छठ के लिए 100 से अधिक घाट तैयार किए गए हैं। राजधानी के 102 गंगा घाटों, 63 तालाबों और 45 पार्कों में महापर्व हो रहा है। इनमें मुख्य रूप से कलेक्ट्रेट घाट, महेंद्रु घाट, दीघा घाट, जेपी सेतु घाट, दीघा

पाटलिपुल घाट, मीनार घाट और गाय घाट पर काफी भीड़ उमड़ने वाली है। पटना में दानापुर से दीदारगंज तक 30 किमी हिस्से में गंगा घाटों पर 25 लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान सूर्य नारायण को अर्घ्य देंगे। इसकी तैयारी जिला प्रशासन ने पूरी कर ली है। घाटों पर महिला व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम, सुरक्षा को लेकर वाच टावर, शौचालय, पीने के पानी, मेडिकल कैंप, भीड़ नियंत्रण के लिए जगह-जगह माइक, नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था की गई है। पार्किंग से गंगा घाटों की दूरी 200 से 500 मीटर है।

डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने छठ को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी छठ घाटों में प्रशासन के अधिकारी, पुलिस टीम और एनडीआरएफ की टीम तैनात की गई है। सभी से अपील है कि हर हाल में प्रशासन के दिशा-निर्देश का पालन करें। संदिग्ध वस्तु दिखने पर तत्काल प्रशासन को सूचना दें। किसी भी हालत में नौका विहार नहीं करें। बैरिकेडिंग को पार नहीं करें। किसी तरह की समस्या होने पर पुलिस-प्रशासन को सूचना दें। राजधानी के 102 गंगा घाटों, 63 तालाबों और 45 पार्कों में महापर्व हो रहा है।

पटना एसएसपी राजीव मिश्रा ने कहा कि पटना में छठ घाट पर सुरक्षा की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी जगह पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर ली गई है। कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं। सभी घाटों पर वॉच टावर भी लगाए गए हैं। सीसीटीवी से भी निगरानी रखी जा रही है। लोगों से अपील है कि किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी समस्या के लिए पुलिस से संपर्क करें।

छठ की खुशियां गम में बदली

आरा में एक ही परिवार के पांच बच्चे सोन नदी में डूबे, 2 की मौत

पटना (एजेंसियां)।

आरा के सहार में सोन नदी में छठ के तीसरे दिन गुरुवार (07 नवंबर) को पांच बच्चे डूब गए। इस हादसे में दो बच्चियों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे की तलाश जारी है। वहीं दो बच्चियों का गंभीर हालत में सहार रेफरल अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। घटना सहार प्रखंड के चौरी थाना क्षेत्र के अंधारी गांव की सोन नदी की है।

मिली जानकारी के अनुसार अंधारी निवासी बबन सोनी के पुत्र संतोष सोनी के घर छठ करने के लिए उनके साला इमादपुर निवासी सुरज सोनी और रविंद्र सोनी का परिवार आया हुआ था। गुरूवार के दिन लगभग ग्यारह बजे संतोष सोनी की तेरह वर्षीय पुत्री गुड़िया कुमारी, दस वर्षीय तनु कुमारी, नौ वर्षीय छाया कुमारी, इमादपुर निवासी सुरज सोनी की तेरह वर्षीय प्रिया कुमारी, नीशी कुमारी और रविंद्र सोनी के दस वर्षीय पुत्र गोलु कुमार सोन नदी में नहाने चले गए।

नहाने के दौरान गोलु कुमार डुबने लगा, जिसे प्रिया कुमारी बचाने के लिए गई। उसके बाद वो भी डुबने लगी। इसके बाद छाया, तनु और गुड़िया कुमारी ने बचाने के प्रयास किया।

इसी बीच पांचों बच्चे डुबने लगे। स्थानीय ग्रामीणों ने गुड़िया, तनु, छाया और प्रिया को बाहर निकाला, जिसमें छाया और प्रिया की मौत हो गई।

वहीं गुड़िया और तनु को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उन्हें इलाज के लिए सहार रेफरल अस्पताल भेजा गया है, जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जबकि एक बच्चे गोलु की खोजबीन जारी है।

वहीं घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर पिरो एसडीपीओ के के सिंह, चौरी थानाध्यक्ष विवेक कुमार, सहार थानाध्यक्ष दीपक कुमार दाल बल से घटना स्थल पर पहुंचे और राहत और बचाव कार्य में जुट गए। इस दौरान सैकड़ों ग्रामीण सोन नदी में शव की खोजबीन में लगे रहे। वहीं घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

ऑस्ट्रेलिया से बिहार आकर ममता ने मनाई छठ पूजा

भगवान भास्कर का आशीर्वाद और वतन का सुकून अनमोल है

जहानाबाद (एजेंसियां)।

महान पवित्र पर्व छठ एक ऐसा पर्व है जिसकी छटा देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी गूंजती है। यही कारण है कि जहानाबाद की पीली कोठी की रहने वाली ममता गुप्ता छठ पर्व पर हजारों किलोमीटर दूर ऑस्ट्रेलिया से जहानाबाद पहुंच गईं और छठ पूजा में भाग लिया। साथ ही छठ पूजा के दौरान पवित्र ढंग से बनाए जा रहे पकवान बनाने में साझेदार बनीं। ममता गुप्ता ने बताया कि छठी मैया की कृपा होती है कि हम प्रत्येक वर्ष ऑस्ट्रेलिया से जहानाबाद पहुंच जाते हैं। फिर पूरे विधि विधान के साथ छठ पर्व में भाग लेकर छठ वृतियों को सहयोग करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में रहने वाली ममता गुप्ता छठ पर्व मनाने के लिए अपने परिवार के साथ जहानाबाद पहुंचीं है। बता दें कि ममता की शादी पश्चिम बंगाल के बर्दवान में विनोद गुप्ता से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद विनोद को ऑस्ट्रेलिया में इंजीनियर के पद पर जॉब मिल गया, जिसके बाद वह पूरे परिवार सहित वहां जाकर बस गए।

हालांकि ममता का परिवार जहानाबाद में रहता है। जहानाबाद में ममता का मायके है और वह इस पारंपरिक पर्व में शामिल होने के लिए हर संभव प्रयास करती हैं। इस बार उनकी भाभी जूही गुप्ता और मामा त्रिभुवन प्रसाद (जो पीएमसीएच में डॉक्टर हैं) छठ पूजा कर रहे हैं। उन्होंने ममता को पर्व में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। ममता ने छठ की महत्ता को समझते हुए 18 घंटे का सफर तय कर ऑस्ट्रेलिया से जहानाबाद तक का सफर किया।

ऑस्ट्रेलिया से छठ मनाने जहानाबाद पहुंचीं ममता गुप्ता आस्था और संस्कृति के प्रतीक छठ पूजा को तहे दिल से मनाती हैं। ममता का कहना है कि यह पर्व न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का भी अवसर है। विदेश में भी छठ पूजा होती है, लेकिन जहानाबाद में इसे मनाने का एक अनोखा और अद्भुत अनुभव है। उन्होंने बताया कि भले ही इसमें अधिक पैसे खर्च होते हों, लेकिन भगवान भास्कर का आशीर्वाद और अपने वतन का सुकून हर कीमत पर

बिहार के लिए खुशखबरी: गंगा नदी पर जल्द ही शुरू होगा बहुप्रतीक्षित विक्रमशिला-कटेरिया पुल का निर्माण

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के कहलगांव में गंगा नदी पर एक नया रेल पुल बनेगा। यह पुल विक्रमशिला को कटेरिया से जोड़ेगा। इससे उत्तरी और दक्षिणी बिहार के बीच रेल यातायात और मजबूत होगा। इस प्रोजेक्ट की लागत 2178.38 करोड़ रुपये है। इसमें पुल निर्माण के साथ-साथ विक्रमशिला से नवगछिया तक नई रेल लाइन भी बिछेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कुछ महीने पहले ही बटेश्वर स्थान गंगा पुल को मंजूरी दी थी। अब रेल मंत्रालय ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है।

पहले चरण में पुल निर्माण पर 1153 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बाकी रकम रेल लाइन बिछाने और जमीन अधिग्रहण पर खर्च

होगी। टेंडर प्रक्रिया 5 दिसंबर तक पूरी हो जाएगी। पुल का निर्माण कार्य चार साल में पूरा करने का लक्ष्य है।

यह नई रेल लाइन 26.2 किलोमीटर लंबी होगी। इसके एक छोर पर कहलगांव का विक्रमशिला स्टेशन होगा और दूसरे छोर पर नवगछिया का कटेरिया स्टेशन। इस पुल के बन जाने से उत्तरी बिहार और दक्षिणी बिहार के बीच रेल संपर्क और मजबूत होगा। इससे लोगों को आवाजाही करने में आसानी होगी।

इस प्रोजेक्ट से धार्मिक दृष्टि से भी दो महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंचने में आसानी होगी। कोसी-पूर्णिया प्रमंडल के लोग बाबा बैद्यनाथ धाम और कहलगांव गंगा तट पर स्थित बाबा बटेश्वर स्थान तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इसके अलावा, बिहार-झारखंड आवागमन भी सुगम होगा। सीमांचल के जिलों पूर्णिया, कटिहार, अररिया और किशनगंज का भागलपुर और संताल परगना से रेल संपर्क बेहतर होगा।

विक्रमशिला-कटेरिया रेल परियोजना के पूरा होने से नवगछिया रेल लाइन देवघर और गोड्डा से जुड़ जाएगी। देवघर से अगरतल्ला और डिब्रुगढ़ जाने वाली ट्रेनों को मुंगेर गंगा पुल से होकर नहीं जाना पड़ेगा। वे सीधे विक्रमशिला से कटेरिया होते हुए नवगछिया पहुँच सकेंगी। इससे तीन घंटे का समय बचेगा। यह पुल बन जाने के बाद पीरपैंती-नवगछिया, भागलपुर-साहेबगंज, पटना-हावड़ा रेल लाइन देवघर-दुमका और गोड्डा को जोड़ते हुए पांच बाईपास शुरू हो जाएंगे। पीरपैंती को गोड्डा से जोड़ने के लिए रेज परियोजना का काम शुरू हो चुका है, जबकि देवघर से गोड्डा रेल सेवा पहले से ही चालू है।

रिपब्लिकन पार्टी की जीत पर बोले चिराग

भारत-अमेरिका संबंध ट्रंप के नेतृत्व में होंगे और मजबूत

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर गुरुवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में भारत और अमेरिका के बीच संबंध 'और मजबूत' होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ट्रंप की 'अच्छी दोस्ती' रही है। वर्तमान परिस्थितियों में दोनों देशों के बीच रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे। साथ ही पटना में पत्रकारों से बात करते हुए चिराग पासवान ने कनाडा सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उसने 'खालिस्तानी समर्थक' गतिविधियों को बढ़ावा दिया है, जिसके कारण हाल ही में एक मंदिर के बाहर 'हिंदू विरोधी' प्रदर्शनों की घटना हुई।

चिराग पासवान ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री की हमेशा ट्रंप से

अच्छी दोस्ती रही है। उनके बीच रिश्ते तब भी अच्छे थे, जब ट्रंप सत्ता से बाहर थे। ऐसे में वर्तमान स्थिति में भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे।

वहीं, कनाडा में एक मंदिर के बाहर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह घटना निंदनीय है और कनाडाई सरकार के रवैये को लेकर चिंताएं पैदा करती है, जो खालिस्तानी समर्थक और हिंदू विरोधी है। लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के बारे में भी बात की। उन्होंने झारखंड और महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (इगझ) और उनके सहयोगियों की जीत का दावा करते हुए कहा कि इन चुनावों का परिणाम 'एकतरफा' होगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं अगले सप्ताह बिहार में चुनाव प्रचार शुरू करूंगा, जहां मेरी पार्टी एनडीए की सभी चार विधानसभा सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। मैं झारखंड में भी चुनाव प्रचार करूंगा, जहां मेरी पार्टी चतरा सीट पर चुनाव लड़ रही है और अन्य सीटों पर सहयोगियों का समर्थन कर रही है।

चिराग पासवान ने बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा के निधन पर भी शोक व्यक्त किया, जो छठ पूजा के गीतों के लिए प्रसिद्ध थीं। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बहुत ही दुखद है कि शारदा सिन्हा जी छठ के त्योहार के पहले दिन ही हमसे विदा हो गईं, जिन्होंने हमेशा छठ पूजा के गीतों से हमारे दिलों में स्थान बनाया।

इसके अलावा, पासवान ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर की गई टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर कोई किसी को सम्मान देता है, तो हमें उसका सम्मान करना चाहिए, न कि व्यंग्यात्मक टिप्पणियां करनी चाहिए।

पटना एम्स निदेशक पद से हटाए गए डॉ गोपाल कृष्ण पाल, बेटे के चलते गिरी राज

पटना (एजेंसियां)।

पटना एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉक्टर गोपाल कृष्ण पाल (जीके पाल) को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उनके पद से हटा दिया है। उनके खिलाफ ओबीसी प्रमाण पत्र से जुड़े विवाद में यह कार्रवाई की गई है। डॉ. पाल पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे का पटना एम्स में पीजी में दाखिला ओबीसी कोटे के तहत गलत तरीके से करवाया। अगले तीन महीने के लिए देवघर एम्स के निदेशक डॉक्टर सौरभ वार्ष्णेय को पटना एम्स का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। मंत्रालय के अवर सचिव अरुण कुमार विश्वास ने डॉ. जीके पाल को तुरंत प्रभाव से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में रिपोर्ट करने को कहा है।

मंत्रालय के अवर सचिव ने अपने आदेश में बताया कि डॉ. पाल के खिलाफ 4 सितंबर को शिकायत दर्ज हुई थी। शिकायत के बाद जांच समिति बनाई गई। समिति ने 27 सितंबर को अपनी रिपोर्ट केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंप दी। रिपोर्ट पर मंत्रालय ने डॉ. जीके पाल से भी जवाब मांगा था। उनके जवाब के बाद डॉ. जीके पाल को कार्यकारी निदेशक पद से हटाकर दिल्ली स्थित मंत्रालय में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है।

दरअसल, पटना एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉक्टर जीके पाल गोरखपुर एम्स के भी कार्यकारी निदेशक का प्रभार संभाल रहे थे। प्रभारी रहते हुए उन्होंने अपने बेटे ओरो पाल का दाखिला पटना एम्स के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में पीजी कोर्स में कराया। यह दाखिला ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर कोटे के तहत हुआ था। इसके लिए डॉक्टर गोपाल कृष्ण पाल ने अपने बेटे का दानापुर एसडीओ कार्यालय से नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र बनवाया।

नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उन्होंने अपना स्थाई पता पटना एम्स स्थित निदेशक बंगला बताया। मूल रूप से ओडिशा के रहने वाले डॉ. जीके पाल के बेटे को पटना से प्रमाण पत्र कैसे मिला और वह भी नॉन क्रीमी लेयर का, इसे लेकर एम्स पटना में विवाद शुरू हो गया।

विवाद बढ़ने पर पटना एम्स के एक डॉक्टर ने गलत प्रमाण पत्र देने के आरोप में डॉ. पाल के खिलाफ थाने में केस दर्ज करा दिया। इसके बाद डॉ. पाल के बेटे ने माइक्रोबायोलॉजी से रिजाइन दिला दिया था। फिर इस मामले की शिकायत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से की गई।

डॉक्टरों ने दानापुर से नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र जारी होने की शिकायत पटना के डीएम से भी की। डीएम ने मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाई। विवाद बढ़ता देख केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी मामले की जांच के लिए दो सदस्यों की कमेटी बना दी। इसके बाद अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह फैसला लिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com